आज का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
लखनऊ	40°C	32°C

इनसाइड न्यूज

टीबी मरीजों को राहत, कर्मचारियों को उम्मीद, उत्तर प्रदेश टीबी संघ...

उत्तर प्रदेश पेज: 03

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

गुरुवार 12 जून, 2025 | पेज: 12 | मूल्य: ₹3.00/- लखनऊ वर्ष: 16, अंक: 237 | www.janexpresslive.com/epaper

गठबंधन में लड़ेंगे स्थानीय चुनाव... 12

संत रविदास ने किया था सामाजिक कुरीतियों पर वार

संतों ने समाज को दिखाई वो राह, जो कैराना और कांधला जैसी घटना नहीं होने देती: सीएम योगी आदित्यनाथ

जन एक्सप्रेस। मुजफ्फरनगर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संतों ने समाज को एकता और जोड़ने की राह दिखाई। वह राह, जो कैराना और कांधला की घटना नहीं होने देती। यह वही राह है, जो हमें सुरक्षा व संरक्षण की गारंटी देती है और उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही सम-विषम परिस्थितियों में लड़ने की प्रेरणा प्रदान करती है। स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज दिव्य संत थे। उन्होंने शुकतीर्थ में सतगुरु रविदास जी महाराज जी की प्रेरणा को आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को शुकतीर्थ मुजफ्फरनगर में विशाल संत समागम और सत्संग कार्यक्रम में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम संत स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास महाराज की 65वीं पुण्यतिथि एवं सतगुरु समनदास जी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया।

पीएम मोदी ने संत रविदास की बातों को अक्षरशः लागू किया

मुख्यमंत्री ने संत रविदास के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी वाणी अत्यंत दिव्य थी। रविदास जी ने कहा था मैं तब प्रसन्न रहूंगा, जब बिना भेदभाव सबको समान अधिकार व अन्न मिलेगा। संत रविदास की इन बातों को पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के माध्यम से इसे अक्षरशः लागू किया। कोरोना जैसी महामारी से अब तक 81 करोड़ लोगों को अन्न वितरण कराया जा रहा है और यही संतों की प्रेरणा है।

संत रविदास ने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी मार्गदर्शक

सीएम ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा हुआ था, विदेशी आक्रांताओं द्वारा भारत की धर्म और संस्कृति को रौंदा जा रहा था तो उस समय ज्योति के पुंज के रूप में काशी के सीरगोवर्धन में सतगुरु रविदास जी महाराज का अविर्भाव होता है। उन्होंने कर्मसाधना के माध्यम से जो प्रेरणा दी, वह आज भी देश व हर श्रद्धालु के लिए मार्गदर्शक के रूप में काम करती है।

पवित्रता व निर्मलता का प्रतीक है रविदास महाराज का कथन

सतगुरु रविदास जी महाराज ने सामाजिक आडंबर व कुरीतियों के खिलाफ समाज को जागरूक किया। कर्म पर विश्वास करने की प्रेरणा दी। आध्यात्मिक चेतना का जागरण किया। उन्होंने कहा कि मन चंगा तो कठौती में गंगा.. सतगुरु रविदास जी का कथन जीवन में आंतरिक पवित्रता और निर्मलता का प्रतीक है। उन्होंने समाज को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने की नई प्रेरणा दी। संत रविदास जी महाराज के गुरु संत रामानंद जी महाराज ने कहा था कि जाति-पाति पूछे नहीं कोई, हरि को भजे सो हरि का होई...।

आज मेधावी छात्रों को सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, एक लाख रुपये, टैबलेट सहित देंगे मेडल

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार 12 जून को राजधानी लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में विभिन्न बोर्डों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के टॉप विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति और प्रतिभाओं को पहचान दिलाने की इस अभिनव पहल को योगी सरकार की छात्र-केंद्रित नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण माना जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र के अनुसार, राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कुल 166 मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा 1 लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति-पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसमें यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉप 10-10 छात्र-छात्राएं शामिल हैं। इस अवसर पर प्रत्येक विद्यार्थी के साथ एक अभिभावक को भी आमंत्रित किया गया है। योगी सरकार की यह पहल न सिर्फ छात्रों की मेहनत को मान देती है, बल्कि अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है। इसी दिन दोपहर बाद सभी 75 जनपदों में भी जनपद स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां 1508 विद्यार्थियों (758 हाईस्कूल व 750 इंटरमीडिएट) को 21 हजार रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति-पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों या जिलाधिकारियों द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

माँ बनने से पहले ही छीन ली गईं साँसें

अब न्याय की उम्मीद भी दम तोड़ रही है?

जन एक्सप्रेस फॉलोअप

लखनऊ

राजधानी लखनऊ के पारा इलाके में एक और ज़िंदगी लापरवाही की भेंट चढ़ गई। मोहान रोड स्थित साईं हॉस्पिटल में 8 माह की गर्भवती कोमल की मौत ने न सिर्फ एक परिवार को उजाड़ दिया, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता को भी बेनकाब कर दिया।

प्रसव पीड़ा में आई थी... लेकिन लौटकर घर नहीं गई

ठाकुरगंज के लालाबाग निवासी अंकित यादव अपनी बहन कोमल को एक जून को प्रसव पीड़ा के चलते साईं हॉस्पिटल लेकर पहुंचे थे। उम्मीद थी कि बहन और उसके अजन्मे बच्चे की जिंदगी बच जाएगी, लेकिन उन्हें क्या पता था कि जिस अस्पताल को वे जीवन की आखिरी उम्मीद समझ बैठे थे, वही उनकी बहन की चिता बन जाएगा। अंकित का आरोप है कि इलाज डॉक्टर ने नहीं, बल्कि अस्पताल संचालक श्याम यादव और शेरा सिंह ने किया। गलत इंजेक्शन, गलत दवाएं, और इलाज में बरती गई लापरवाही ने कोमल की जान ले ली। मौत के बाद भी अस्पताल प्रशासन ने झूठ का सहारा लिया—मृत कोमल को जिंदा बताकर दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया, जहां उसे डेड ऑन अराइवल घोषित कर दिया गया।

अब सवाल यह है क्या ये सिर्फ लापरवाही है, या सुनियोजित हत्या?

शेर सिंह यादव साईं हास्पिटल संचालक | श्याम जी यादव साईं हास्पिटल संचालक | मृतिका का पति राम जी यादव

सीएमओ ऑफिस की 'प्रक्रियाधीन' संवेदनहीनता

मामले की गंभीरता के बावजूद सीएमओ डॉ. एन.बी. सिंह ने अब तक सिर्फ जांच की बात की है। पुलिस ने भी चिट्ठी लिखकर जांच की गेंद सीएमओ के पाले में डाल दी है। मगर जब मौत की वजह इतनी स्पष्ट है, परिजनों के बयान इतने साफ़ हैं, तो फिर ये जाँच रिपोर्ट आने में इतना वक्त क्यों? क्या लखनऊ में इंसाफ़ सिर्फ कागज़ों में चलता है?

जनता अब यह पूछ रही है

- क्या साईं हॉस्पिटल और सीएमओ ऑफिस के बीच कोई सांठगांठ है?
- क्योंकि जिस तरह से इस मामले को खींचा जा रहा है, वह सिस्टम की नीयत पर गहरे सवाल खड़े करता है।

जनता की आवाज़ उठाएगा जन एक्सप्रेस

- आज अंकित की बहन मरी है, कल किसी और की बारी हो सकती है। अगर इस बार दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संदेश जाएगा कि गरीब की जान की कोई कीमत नहीं।
- यह मामला सिर्फ एक अस्पताल की लापरवाही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम के चरमराते ईमान की पोल खोलता है।
- क्या एक सामान्य नागरिक की बहन की मौत पर भी न्याय मिलेगा?
- या फिर इंसाफ़ की फाइलें सीएमओ ऑफिस में धूल फांकती रहेंगी?

जन एक्सप्रेस की कलम इस अन्याय के खिलाफ़ जंग का ऐलान करती है, हम पूछते हैं...

- क्यों अब तक एफआईआर नहीं हुई?
- किसके दबाव में अस्पताल बच रहा है?
- क्या डॉ. एनबी सिंह को कोई राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है?
- यह सिर्फ कोमल की मौत नहीं, पूरे समाज की साँसें रोक देने वाला सवाल है।
- अब जनता पूछ रही है – इंसाफ़ कब मिलेगा? और कौन दिलाएगा?
- जन एक्सप्रेस इस लड़ाई को हर मंच पर लड़ेगा,
- क्योंकि जब सरकारें चुप हों और सिस्टम अंधा,
- तब कलम को तलवार बनना पड़ता है।

8 घंटे तक दर्द से तड़पती रही बहन, डॉक्टर नहीं आ

झोलाछाप के इलाज ने माँ औ

अजन्मे बच्चे की ली जान

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

डॉक्टर बुलाओ... दर्द बर्दाश्त नहीं हो रहा... 8 महीने की गर्भवती कोमल अपनी माँ और भाई से बार-बार यही कहती रही। लेकिन न साईं हॉस्पिटल का डॉक्टर आया, न सही इलाज मिला। दर्द से कराहती रही, ज़हर शरीर में फैलता रहा, और फिर वही हुआ जिसका डर था जच्चा-बच्चा दोनों की मौत हो गई। ये घटना न सिर्फ एक परिवार के दिल को चीर गई, बल्कि पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर गई है।

जन एक्सप्रेस की माँग

- साईं हॉस्पिटल की तत्काल जांच हो
- श्याम यादव और शेरा सिंह पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो
- स्वास्थ्य विभाग झोलाछाप डॉक्टरों पर कड़ा एक्शन ले
- पीड़ित परिवार को आर्थिक और न्यायिक सहायता दी जाए
- ये अकेले एक बहन की मौत नहीं, सिस्टम की चुप्पी की मौत है।

बहन की चीख सुनते रहे, डॉक्टर फ़ोन पर दवा पूछते

प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग कब जागेगा?

मनमानी नहीं, अब जवाबदेही चलेगी!

पशुपालन विभाग में प्रमुख सचिव के तेवर तल्ख, इटावा के मत्स्य इंस्पेक्टर निलंबित

जन एक्सप्रेस। राज्य मुख्यालय

पशुपालन विभाग में अब मनमानी नहीं चलेगी–यह संदेश साफ और सख्त लहजे में देते हुए विभाग के प्रमुख सचिव अमित कुमार घोष ने कार्रवाई का बिगुल फूंक दिया है। सोमवार को आयोजित मत्स्य और दुग्ध विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने पर इटावा के मत्स्य इंस्पेक्टर हिमांशु यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इस सख्त कार्रवाई से विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है।

बैठक में गैरहाजिरी पर कसा शिकंजा

सूत्रों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव खुद पूरे एजेंडे के साथ मौजूद थे। इस बैठक में जिलों के अधिकारियों को प्रगति रिपोर्ट, योजनाओं की स्थिति और ग्राउंड पर हो रहे कार्यों की वास्तविक जानकारी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य था। लेकिन जब बार-बार बुलाने के बावजूद हिमांशु यादव बैठक में नहीं पहुंचे, तो प्रमुख सचिव ने बिना देर किए निलंबन की कार्रवाई कर दी।

'काम नहीं तो कुर्सी नहीं' का संदेश

प्रमुख सचिव ने स्पष्ट कर दिया है कि विभाग में अब कामचोरी, लापरवाही और आदेशों की अवहेलना बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, जिन्हें सरकारी सेवा करनी है, उन्हें अनुशासन और जिम्मेदारी से काम करना होगा। अब विभाग में काम के नाम पर खानापूर्ति नहीं चलेगी।

विभागीय कर्मचारियों में मचा हड़कंप

इस कार्रवाई के बाद से ही विभागीय अफसरों और कर्मचारियों में खलबली मच गई है। सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिया गया है कि वे समयबद्ध रिपोर्टिंग करें और शासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। सूत्र बताते हैं कि आने वाले दिनों में अनुशासनहीन अधिकारियों की एक और सूची तैयार की जा रही है, जिन पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

नए तेवर, नई कार्यशैली

पशुपालन विभाग में अमित कुमार घोष की सख्ती को लेकर यह चर्चा तेज़ है कि अब विभाग में परफॉर्मेंस बेस्ड वर्क कल्चर लागू होने जा रहा है। जहां अब लक्ष्य, समयसीमा और परिणाम ही पद की सुरक्षा तय करेंगे। बहरहाल यह कार्रवाई एक संकेत है कि यूपी की नौकरशाही में अब सुस्ती और शिथिलता को जगह नहीं मिलेगी। यदि अन्य विभाग भी इसी प्रकार की जवाबदेही तय करें, तो सरकारी कामकाज में बड़ा सुधार आ सकता है।

गर्मी को देखते हुए स्कूलों में छुट्टियां बढ़ाने की मांग

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

प्रदेश के परिषदीय विद्यालय गर्मी की छुट्टियों के बाद 16 जुलाई सोमवार से खुलने हैं। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए शिक्षक संगठनों ने अलग-अलग ज्ञापन देकर बेसिक शिक्षा मंत्री व विभागीय अधिकारियों से स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने की मांग की है। इसके साथ ही परिषदीय विद्यालयों में 15 के अलावा अन्य जिलों में भी तबादले का अवसर देने की मांग की है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष विनय तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल संदीप सिंह से उनके आवास पर मिला।

आवास विकास परिषद में बड़ी कार्रवाई, आगरा के संपत्ति प्रबंधक निलंबित

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

आवास एवं विकास परिषद में बड़ा एक्शन सामने आया है। आगरा में परिषद के संपत्ति प्रबंधक सुनील कुमार को निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई स्वयं आवास आयुक्त आईएएस बलकार सिंह के निर्देश पर की गई है। सूत्रों के अनुसार, सुनील कुमार पर कार्य में लापरवाही, अनियमितता और कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर चूक के आरोप लगे हैं। आवास विकास परिषद के भीतर लंबे

समय से शिकायतों का अंबार लग रहा था। जांच के बाद आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबन का आदेश जारी किया। माना जा रहा है कि यह केवल शुरुआत है और परिषद में और भी अधिकारियों की जांच की तैयारी चल रही है। यह कार्रवाई उस वक्त सामने आई है जब सरकार पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर कड़ा संदेश देने के मूड में है। आगरा के स्थानीय आवास विकास प्रोजेक्ट्स में सुस्ती और प्रशासनिक ढिलाई पहले से ही सवालों के घेरे में थी। अब देखना होगा कि निलंबन के बाद जांच किस दिशा में जाती है और क्या परिषद में और भी बड़े नामों पर गाज गिरती है।

स्वच्छता को जनांदोलन बनाने हेतु सीएम धामी ने शुरू की अभिनव पहल

- सीएम धामी का सख्त संदेश, जिलों में स्वच्छता को मिशन मोड में लाएं डीएम
- जहां सीएम धामी करेंगे रात्रि प्रवास, वहां अनिवार्य होगी सफाई मुहिम

जन एक्सप्रेस। देहरादून

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को और अधिक सशक्त और जन-आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज एक अभिनव पहल की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब से उनके प्रत्येक दौरे अथवा रात्रि प्रवास वाले स्थलों पर अनिवार्य रूप से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारियों, नगर निकायों और ग्राम पंचायतों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस पहल को मिशन मोड में लिया जाए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी से जुड़ा आंदोलन है जिसमें हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं, सामाजिक संगठनों, स्कूल-कॉलेजों और स्वयंसेवी संस्थाओं से इस आंदोलन को जन-जागरूकता के रूप में अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन को धरातल तक पहुंचाना ही इस पहल का उद्देश्य है। स्वच्छता अभियान के साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी सख्त रुख दिखाया। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को आगाह किया कि वे अपने क्षेत्रों में स्वच्छता की निगरानी के साथ-साथ तहसील दिवसों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, क्योंकि वे स्वयं कभी भी किसी भी तहसील दिवस पर अचानक निरीक्षण के लिए पहुंच सकते हैं। यह निर्णय न केवल स्वच्छता को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि उत्तराखंड में अब जनभागीदारी आधारित शासन प्रणाली को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा।

भाजपा नेता की करतूत से कांप उठी आस्था: लखनऊ के बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में पुजारी को गाली देने का वीडियो वायरल, शिवभक्तों में उबाल!

भाजपा नेता रामशंकर राजपूत की गुंडई उजागर: बुद्धेश्वर मंदिर में पुजारी को गालियां देते हुए वीडियो वायरल, करोड़ों भक्तों की आस्था पर हमला!

जन एक्सप्रेस। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से आई एक शर्मनाक घटना ने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया है। शिवभक्तों की आस्था के केंद्र बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में खुलेआम पुजारी को गालियां और ब्राह्मण समाज को धमकी देने वाले भाजपा नेता रामशंकर राजपूत का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे प्रदेश में आक्रोश की लहर है। यह कोई साधारण विवाद नहीं, आस्था पर हमला है। यह वह स्थान है जहां लोग सिर नवाकर भगवान शिव से अपनी मनोकामनाएं मांगते हैं, जहां घंटियों की आवाज़ से मन को शांति मिलती है। लेकिन अब वहां राजनीति की लाठी और सत्ता की भाषा गूंज रही है। पिछले 25 वर्षों से मंदिर की सेवा कर रहे रामू पुरी महाराज, जिन्होंने बिना किसी स्वार्थ के मंदिर की सफाई, पूजा-पाठ और भक्तों की सेवा की, आज सत्ता की गुंडई का शिकार बन गए। जन एक्सप्रेस से बात करते हुए रोते हुए बोले, मैंने जीवनभर मंदिर को घर मानाज लेकिन अब वहां मेरा ही अपमान हो रहा है। जिनके लिए आरती उतारी, अब वही मुझे गाली दे रहे हैं।

बुद्धेश्वर विकास महासभा या सत्ता की लिप्सा?

स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि रामशंकर राजपूत और उनके समर्थक बुद्धेश्वर विकास महासभा के नाम पर मंदिर की व्यवस्था पर कब्जा करने की साजिश कर रहे हैं। पूजा-पाठ में दखल देना, पुजारियों से अभद्रता और जबरदस्ती करना अब आम बात बन चुकी है। सवाल ये है कि कब तक मंदिरों को राजनीति का अखाड़ा बनाया जाएगा?

क्या भाजपा अब भी चुप रहेगी?

रामराज्य की बात करने वाली भाजपा के एक नेता द्वारा शिव मंदिर में पुजारी का अपमान, सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, बल्कि हिंदू धर्म और परंपरा पर सीधा प्रहार है। क्या यही संस्कृति और सनातन की रक्षा का तरीका है?

जन एक्सप्रेस प्रदेश सरकार और भाजपा नेतृत्व से पूछता है

- क्या शिवभक्तों की चुप्पी की परीक्षा ली जा रही है?
- क्या धर्म की गरिमा अब नेताओं की मर्जी से तय होगी?
- हिंदू समाज, अब जागो। नहीं तो कल हर मंदिर में लाठी, गाली और सत्ता की हुंकार गूंजेगी आरती नहीं।

यह वीडियो नहीं, चेतावनी है

यह वायरल वीडियो देश के हर हिंदू को जगाने वाली घंटी है। अगर आज चुप रहे तो कल हर मंदिर, हर पूजा स्थल, हर धार्मिक परंपरा सत्ता के ठेकेदारों की गुलाम बन जाएगी। बुद्धेश्वर महादेव अब मौन हैं, लेकिन लाखों भक्तों का मन अब क्रोधित है। यह मामला सिर्फ लखनऊ का नहीं, पूरे उत्तर प्रदेश की अस्मिता और आस्था से जुड़ा सवाल है।

जन एक्सप्रेस पूछता है

- क्या भाजपा नेतृत्व रामशंकर राजपूत की इस हरकत पर कार्रवाई करेगा या चुप्पी साधे बैठेगा?
- क्या पुजारियों को अपमानित करना अब वोटबैंक की राजनीति में जायज हो गया है?
- कब तक आस्था के केंद्र राजनीति के अड्डे बनते रहेंगे?

किसान हितों के लिये समर्पित है भाजपा सरकार : शाही

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

उप्र सरकार के मंत्री कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान विभाग सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि की अध्यक्षता में एवं श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिका अमृतपाल कौर, पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्रा, पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, जिला भाजपा अध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, दीनदयाल उपाध्याय शोध संस्थान से अभय महाजन, अध्यक्ष को ऑपरेटिव बैंक चित्रकूट बांदा पंकज अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे, जिला महामंत्री आलोक पांडे व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज 11 जून को ग्राम पंचायत सिद्धपुर विकास खण्ड कर्वी में द्वीप प्रज्वलित कर विकसित कृषि संकल्प अभियान 2025 को झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं कृषि मंत्री भारत सरकार शिवराज सिंह के पहल पर यह अभियान 29 मई से प्रारम्भ किया गया है। कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा यह प्रारंभ किया गया। जिसका उद्देश्य किसानों तक कृषि की नवीनतम तकनीकी एवं संचालित योजनाओं की जानका पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि किसानों से सम्बन्धित योजनाओं को कृषक बन्धुओं तक पहले पहुंचाने के लिये राज्य एवं केन्द्र सरकार कटिबद्ध है, जिसके लिये जनपद स्तर पर विभिन्न प्रकार के बीजों का वितरण पीओएस मशीन के माध्यम से किया जा रहा है। मंत्री ने जनपद के किसानों से अपेक्षा की कि दाल, तेल के लिये दलहन एवं तिलहन तथा अन्न में सावा कोदो मडुआ व मक्का की फसलें अधिक मात्रा में तैयार करें, क्योंकि बुन्देलखण्ड की जमीन इसके लिये अनुकूल है। जहां पर पानी की उपलब्धता पर्याप्त है। वहां पर ही धान व गेहूं की खेती की जानी चाहिये। सरकार द्वारा किसानों की फसल एमएसपी रेट पर खद की जा रही है। उन्होंने जनपद के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को मृदा पक्षण उपरांत उनको मृदा स्वास्थ्य कार्ड के परिणाम के बारे में अवश्य जानका दें। जिससे मृदा के जीवांश एवं पोषक तत्वों की भरपाई किसान कर सके। कहा कि सरकार द्वारा जल संरक्षण के लिये खेत तालाब का निर्माण किसानों के यहां कराया जा रहा है, किसान खेत का निर्माण कराकर वर्षा का जल संरक्षित कर सकता है। उन्होंने कहा की फसल को समय पर लगाए नहीं तो घाटा होगा कहा कि बुंदेलखंड में पहले लोग फांसी लगा लेते थे। अब प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी की सरकार में ऐसा नहीं हो रहा है उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के शासनकाल में रिकॉर्ड उत्पादक हुआ है। उन्होंने कहा कि दाल में पैदावार की बढ़ोत हुई है कहां की जिस दिन किसान 50 लाख मैट्रिक टन दलहन पैदा होगा उसे दिन प्रधानमंत्री जी का पूरे विश्व में चर्चा होगी उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में जल जमाव से फसल खराब होती है। इस पर सरकार बीमित फसलों पर योगदान देती है। उन्होंने कहा कि अभी चना में जो नुकसान हुआ है उस पर विमित किसाने की भरपाई की गई है कहा कि प्रधानमंत्री जी किसान सम्मान योजना के अंतर्गत 6000 वार्षिक दिया जा रहा है पहले यह किसी सरकार में नहीं दिया जा रहा था इसी में से कुछ रूपए से फसल बीमा जरूर कराए जिससे इस योजना का लाभ मिल सके कहां की चित्रकूट में इस समय भूमि खाली पड़ी हुई है। जबकि मुंग का फसल लगाना चाहिए उन्होंने कहा कि गर्मी में कई वैरायटी के पौधे लगाए जाते हैं जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सकती है।

दीनदयाल शोध संस्थान के आरोग्यधाम में योगा प्रशिक्षकों को किया जा रहा प्रशिक्षित

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अन्तर्गत चित्रकूट की सभी प्रमुख संस्थाओं, संत महात्माओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के सहयोग से नगर के साथ-साथ ग्रामीण स्वावलम्बन केन्द्रों पर भी योग की बात पहुंच सके। इसके लिये लगभग दो सैकड़ा लोगों को 11 से 13 जून तक योग प्रशिक्षक डॉ तुषार कांत शास्त्री द्वारा आरोग्यधाम में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बुधवार को योग प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का पहला दिन था, तीन दिन प्रशिक्षकों के लिए आरोग्य धाम में प्रशिक्षण संचालित रहेगा।

चित्रकूट क्षेत्र में योग की जो संरचना बनी है, उसमें 107 स्थानों पर योगाभ्यास किया जाना है। योगाभ्यास के लिए जो स्थान चिन्हित किए गए उसमें चित्रकूट क्षेत्र के सभी प्रमुख मंदिर, आश्रम एवं सामाजिक संस्थाओं सहित विभिन्न विभाग शामिल हैं, उपरोक्त स्थानों पर जिन प्रशिक्षकों ने आरोग्यधाम में प्रशिक्षण लिया हैं, उनके द्वारा इन स्थानों पर योग शिविर लगाए जाएंगे। सभी चिन्हित स्थानों पर 14 जून से 20 जून तक सुबह 5:30 से 6:30 बजे तक प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा प्राणायाम, मुद्राभ्यास, सन्धियोग, योगासन और सूर्य नमस्कार की सभी क्रियायें एवं आसन कराये जायेंगे। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को सामूहिक वृहद कार्यक्रम सुरेन्द्रपाल ग्रामोदय विद्यालय, दीनदयाल परिसर में आयोजित किया जाएगा। चित्रकूट का यह प्रयोग अपने आप में एक अनूठा प्रयोग है कि अलग-अलग स्थान पर एक सप्ताह योग क्रियाएं सीखने के बाद अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का बड़ा कार्यक्रम एक स्थान पर सुनिश्चित होता है जिसमें नगर एवं आसपास के सभी केन्द्रों के लोग उसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। चित्रकूट का संत समाज भी बड़ी संख्या में बढ़ चढ़कर योग अभ्यास में शामिल होता है, यह आयोजन अपने आप में बहुत बड़ी मिसाल साबित हुआ है। गौरतलब है कि इसके पूर्व 4 बार 21 जून का सामूहिक वृहद कार्यक्रम ग्रामोदय विश्वविद्यालय में तथा दो बार डीआरआई के सुरेंद्रपॉल विद्यालय खेल प्रांगण में एवं 2 बार सदगुरु सेवा संघ के खेल प्रांगण में किया जा चुका है। कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र पॉल ग्रामोदय विद्यालय के प्राचार्य मदन तिवारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश चित्रकूट जनपद नगर पालिका चित्रकूट धाम परिक्षेत्र तथा मध्य प्रदेश नगर परिषद वाले परिक्षेत्र से लगभग 107 केंद्रों में प्रशिक्षण का कार्यक्रम एवं प्रतिदिन दैनिक योगाभ्यास का कार्यक्रम संचालित किया जाएगा।

धूमधाम से निकली संत कबीर के जन्मोत्सव पर शोभायात्रा

जन एक्सप्रेस । उरई

संत सम्राट सतगुरु कबीर साहब के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में कबीर चौराहा राठ रोड ओवर ब्रिज के नीचे कार्यक्रम किया गया जिसमें कबीर चौराहे से डीजे घोड़े बग्गियों चार पहिया तीन पहिया वाहनों के द्वारा शोभा यात्रा का ढ़ोल नगाड़ों के साथ आयोजन किया गया।शोभायात्रा घंटाघर मच्छर चौराहा अंबेडकर चौराहा बंबी रोड होते हुए कोरी कुटिया, करमेर रोड, टाउन हॉल स्टेशन रोड होते हुए कबीर चौराहे पर शोभा यात्रा का समापन हुआ शोभायात्रा के मार्ग में कोरी चबूतरा पर पानी कोल्ड ड्रिंक वितरित की गई। कबीर चौराहे पर साधु संतों द्वारा सदगुरु कबीर साहब के बीजक का पाठ और सतगुरु कबीर साहब के बारे में संतो के द्वारा जानकारी दी गई। जिसकी अध्यक्षता कोंच आश्रम से पधारे महंत हरदास के द्वारा की गईकार्यक्रम में दहगुआ आश्रम से लखन दास साहेब, बम्होरी कलां आश्रम से रामदास साहेब, मुस्मरिया आश्रम से महताब साहेब ने कबीर साहेब के विचारों को सभी को बताया कार्यक्रम का संचालन प्रमोद वर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम में लाल दास साहेब ने बताया की कबीर की वाणी अनमोल है। रहाईया आश्रम से पधारे संत लखन दास साहेब ने बताया की सतगुरु कबीर ने पाखंडवाद पर रोक लगाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है, बागी आश्रम के साहेब निर्मल दास साहेब ने इन्द्रियों पर संयम रखने की बात कही। कार्यक्रम को सांसद नारायणदास अहिरवार ने भी सम्बोधित किया कार्यक्रम में पानी के कटेन की व्यवस्था अंजनी वर्मा जी इंदिरा नगर और सरवत आम पाना की व्यवस्था अंकित वर्मा कोल्ड स्टोर के द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद वर्मा ऐर संस्थापक अध्यक्ष कोरी चबूतरा विकास ट्रस्ट, मोतीलाल वर्मा पूर्व सभासद रामदास वर्मा शम्भूदयाल जी पूर्व कमिश्नर, राजेंद्र वर्मा पुर अध्यक्ष नवयुवक कोरी समाज रामप्रकाश वर्मा मुखिया, रेखा वर्मा पूर्व शभासद संतोष वर्मा जीनू, दीपू वर्मा सभासद आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

12 जून से 17 जून तक मनाया जायेगा बाल श्रम निषेध सप्ताह

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

सहायक श्रमायुक्त आरके गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 12 जून को अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस मानाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा इसकी शुरूआत वर्ष 2002 में की गयी थी। इस दिवस को वैश्विक स्तर पर मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य बाल श्रम के विरूद्ध जागरूकता संचारित करते हुये आम जन समुदाय को बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। इसी क्रम में उप्र शासन के निर्देश पर 12 जून से 17 जून तक बाल श्रम निषेध सप्ताह मनाया जायेगा। हमारे देश में बालश्रम रोकथाम के लिए कडे कानून एवं प्राविधान भी है, परन्तु कानूनी प्राविधानों के कियान्वयन के साथ साथ सामाजिक जागरूकता एंव मानव व्यवहार परिवर्तन प्रक्रिया एक मजबूत व सार्थक प्रयास है, जिसके माध्यम से बाल श्रम जैसे सामाजिक व संवेदनशील मुद्दों को समाप्त करने में प्रभावी मदद मिलती है। बाल श्रम बच्चों की शिक्षा, कैरियर, स्वास्थ्य और उनकी मनोस्थिति पर अत्यन्त प्रतिकूल प्रभाव डालता है, साथ ही बच्चों के विरूद्ध हिंसा और अपराधों को भी जन्म देता है। हमारे देश में बाल श्रम 14 वर्ष तक पूर्णतः वर्जित है तथा 14 से 18 वर्ष के मध्य अधिनियम के प्राविधानों के अनुसार निर्धारित नियम एवं शर्तों पर कार्य करने की अनुमति है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 2016 के अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में जनपद में बाल श्रम उन्मूलन करने के तहत कड़ी कार्यवाही की गयी। जिसके तहत 90 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कराकर बाल श्रमिक या किशोर नियोजित करने वाले 65 सेवायोजकों के विरूद्ध मा0 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में वाद पंजीकृत कराया गया है। अधिनियम के प्राविधानों के अनुसार खतरनाक श्रेणी के अन्तर्गत बाल श्रमिक नियोजित पाये जाने पर न्यूनतम 06 माह से लेकर 02 वर्ष तक के कारावास की सजा या न्यूनतम रू0 20000 से लेकर रू 50000 तक का अर्थदण्ड या दोनो से दण्डित करने का प्राविधान है।

सजा से बरी किए गए पूर्व सांसद, चेयरमैन और पूर्व विधायक समेत कई नेता

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

आंदोलन के दौरान पथराव करने के मामले में न्यायालय ने पूर्व सांसद व नगर पालिका अध्यक्ष समेत 18 लोगों को सजा से बरी कर दिया है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2009 में बसपा शासन काल में सपा के कार्यकर्ताओं ने जिले में प्रदर्शन किया था। जिनके के खिलाफ पुलिस ने बलवा करने सहित पुलिस के साथ मारपीट करने का मामला दर्ज किया था। सभी आरोपियों को नवंबर 2023 में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने एक एक साल की सजा भी सुनाई थी। हालांकि उसी दिन सभी की जमानत हो गई थी। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में अपील की थी। मंगलवार को जिला अपर सत्र न्यायालय के न्यायाधीश अनुराग कुरील ने फैसला देते हुए सभी को बरी कर दिया। पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल ने बताया कि 2009 में बसपा शासन काल में सपा ने बसपा शासन के खिलाफ तीन दिवसीय आंदोलन प्रदेश में किया था। उसी दौरान चित्रकूट जिले में भी आंदोलन किया गया था। उस दौरान पुलिस ने बलवा करने सहित पुलिस पर मारपीट करने का मामला दर्ज कर लिया था। इस मामले में कुल बीस के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। इनमें पूर्व जिलाध्यक्ष राजबहादुर सिंह यादव की मृत्यु हो चुकी है। बुधवार आए न्यायालय द्वारा सुनाए गए फैसले में पूर्व सांसद आर के सिंह पटेल, पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल,नगर पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, सपा के जिला महासचिव सत्यनारायण पटेल, महेंद्र गुलाटी को सजा से बरी कर दिया गया है।

कार की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल, रेफर

जन एक्सप्रेस/उरई। आटा थाना क्षेत्र के ग्राम चमारी निवासी मनमोहन सिंह 26 वर्ष मंगलवार की देर शाम को बाइक से चमारी लौट रहा था। बताया गया कि जैसे वह शहर कोतवाली क्षेत्र की फैक्ट्री एरिया चौकी क्षेत्र में पहुंचा। तभी कालपी की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वह उछल कर सड़क के किनारे गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दौरान हादसा देखकर वहां से गुजर रहे लोगों में हड़कंप मच गया और उन्होंने सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे अपनी कार से मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया और उसके परिवार के लोगों को सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। वहीं युवक की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

भारत ने विकास के हर मोर्चे पर ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं : कमलावती

जन एक्सप्रेस । उरई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में भारत ने एक नए युग में प्रवेश किया है। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की भावना के साथ भारत ने विकास के हर मोर्चे पर ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। यह बात जेल रोड स्थित अमन रॉयल में बुधवार को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं महिला कल्याण की अध्यक्ष कमलावती ने प्रेस वार्ता के दौरान कही उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलायी, आयुष्मान भारत जैसी उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा ने घर-घर को स्वास्थ्य सुविधा दी, प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों को छत दी, स्वच्छ भारत ने सामाजिक चेतना जगाई, मुद्रा योजना, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने युवाओं को नए सपने दिए वहीं, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि, मातृत्व वंदना, जननी सुरक्षा, महिला हेल्पलाइन जैसी योजनाओं ने महिलाओं को न सिर्फ सशक्त किया, बल्कि नारी गरिमा और सम्मान को नई ऊँचाई दी आज भारत मात्र एक उभरती हुई ताक़त नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने वाला आत्मनिर्भर राष्ट्र बन चुका है जहाँ हर नागरिक को अपने देश पर गर्व है। उन्होंने कहा की यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं, परिश्रम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतिबिंब है। इस अवसर मुख्य रूप से पूर्व मंत्री भानु प्रताप वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, एम एल सी रमा निरंजन संजीव उपाध्याय, जगदीश तिवारी, शंभू दयाल, रामलखन, बाबा बालक दास, रामानुग्रह, पुष्पेंद्र सेगर, मनोज यादव, ऊषा गुप्ता, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, जिला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दबंगों व डकोर पुलिस से पीड़ित को खतरा, एसपी से लगाई गुहार

जन एक्सप्रेस । डकोर

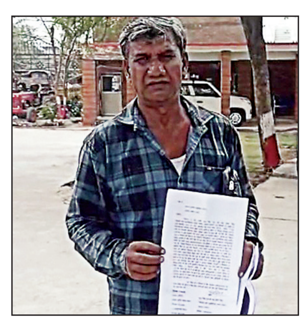

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुसमिलिया निवासी फूल सिंह पुत्र स्व. प्रताप सिंह ने वुधवार को एसपी को शिकायती पत्र दिया। जिसमें बताया कि पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी थी। जिसमें कृष्ण कुमार सहित 5 लोगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक के द्वारा की जा रही थी। आरोप लगाया कि जिसमे प्रभारी निरीक्षक द्वारा प्रलोभन यश कृष्ण कुमार पुत्र नारायण सिंह, 2-बृजेन्द्र पुत्र किशुन दाऊ 3-विक्की उर्फ विकास पुत्र यादवेन्द्र निवासीगण ग्राम कुसमिलिया डकोर के नाम चार्जसीट से हटा दिय गये। जिसकी शिकायत पीड़ित ने जनसुनवायी पोर्टल पर की गई थी। जिसके निस्तारण के बाद कोतवाली प्रभारी के द्वारा मनगढ़न्त व झूठा नाम कल्याण सिंह पुत्र फूल सिंह निवासी ग्राम डकोर प्रदर्शित करके पूरी घटना व समय को बदलकर निस्तारण कर दिया है।जिसकी सूचना होने पर पीड़ित द्वारा कोतवाली में सम्पर्क किया गया तो वहाँ पर मौजूद दरोगा व सिपाहियों ने गाली गलौज कर भगा दिया। बताया कि जब भी पीड़ित अपनी शिकायत लेकर कोतवाली जाता है तो वहां कि पुलिस गाली देकर भगा देती है। आरोप तो यह भी है कि पुलिस का कहना है कि अगर कोई कार्यवाही कृष्ण कुमार व वृजेन्द्र, विक्की, दिवाकर व शिवसिंह के विरूद्ध करोगे तो तुम्हें फर्जी मुकदमों में फसाकर जेल भेज दिया जाएगा। पीड़ित ने गुहार लगाते हुए कहा कि वह गरीब मजदूर व विकलांग व्यक्ति है और न्याय पाने के लिये दर-दर की ठोकरें खा रहा है। आरोपी दबंग किस्म के है जिनसे सख्त खतरा बना हुआ है, और डकोर पुलिस के द्वारा गुपचुप तरीके से आरोपियों को बचाकर मुकदमें को समाप्त करना चाह रही है। जिससे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं और वह सरेआम धमकी देने से चूक नहीं कर रहे हैं।

कार्रवाई न होने के नाम पर मृतका के देवर से ऐंठे 40 हजार

जन एक्सप्रेस/उरई। रामपुरा थाना क्षेत्र के पचोखरा निवासी विमल सिंह की भाभी अनामिका 22 वर्ष ने 27 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बताया गया कि मामले को लेकर माधौगढ क्षेत्र के गोहनी निवासी आशीष कुमार उर्फ भूरे मृतका के घर पहुंच गए। जिन्होंने पोष्टमार्टम रिपोर्ट से थाना तक कुछ न होने की बात कह मृतका के देवर विमल से 40 हजार रूपये ठग लिए। इसके बाद परिजनों को जानकारी होने पर आशीष से रूपये वापस करने को कहा गया और रूपये न देने पर विमल ने कोतवाली में तहरीर दे दी। मामले में कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह का कहना है कि आशीष कुमार के खिलाफ मामला दर्जकर जेल भेज दिया गया है।

फरीदउद्दीन के दर से दिखाई देती है जन्नत

जन एक्सप्रेस । उरई

मुहम्मदाबाद स्थित हजरत सैय्यद फरीदउद्दीन गंजे खां उर्फ सरकने पीर के उर्स-ए-मुबारक के पहले दिन मंगलवार की रात चादरपोशी के बाद बज्मे नातिया मुशायरा आयोजित हुआ। इस दौरान शायरों ने आका-ए-नामदार रहमते परवरदिगार की शान मे नात नबी पढ़ी तो माहौल खुशनुमा हो गया। गंजमुरादाबाद से आये पीर मारूफ मियां की सदारत में हुए नातिया मुशायरे में झोकनपुरी से आये शायर शकील अख्तर ने पढ़ा, फरीदउद्दीन के दर से दिखाई देती है जन्नत, क़ोई अपना पराया क्या, यहां पर जो भी आता है, बड़ी सबकी यहां पर अजमत, फरीदउद्दीन के दर पर, कासिफ रहमानी औरया ने पढ़ा, या फजले रहमा...मुश्किले मेरी कीजिये आसान, या फजले रहमा। मुस्तकीम फरहत कानपुरी ने पढ़ा, जिस किसी के दिल के गौसे मे हो उल्फत आपकी, रोजे महशर पायेगा वो ये शफाअत आपकी। शमीर रजा इलाहबादी ने पढ़ा, खुशियाँ है बहुत पर ये खुशी सबसे अलग है,कौनेन मे मिलादेनबी सबसे अलग है। शायर इजहार बरेली ने पढ़ा, गौस पिया जिलानी, गौस पिया जिलानी, आपके नाना जान के सदके, पाया दाना पानी। अमन रजा उरई ने पढ़ा, हर एक दिल का ये नारा है, मदीना कितना प्यारा है। शबीउद्दीन ने पढ़ा, नजर को बक्श दो ऐसा असर गरीब नवाज, नजर उठाऊ तो आओ नजर गरीब नवाज। इससे पहले दिलशाद रजा ने पढ़ा, चाहने वालों का ईमान बने बैठे हैं, यानि इंसान की पहचान बने बैठे हैं, हिन्द वालों मेरे ख्वाजा की करामत देखो, आठ सौ साल से सुल्तान बने बैठे हैं। हाफिज एजाजुल हक, हाफिज अब्दुल कादिर, हाफिज अकील रजवी, हाफिज अख्तर, हाफिज नौशाद ने नात पाक पढ़कर वाहवाही लूटी। इसके बाद पीर मारूफ मियाँ ने नातिया मुशायरे मे आये लोगो को सम्बोधित करते हुये कहा कि सारे इंसान खुदा के बंदे है, दुनियां मे हमदर्दियों के साथ जिया जाए और इबादतों पर घमंड न कर इंसान के जज्बात की कद्र की जाए। इससे पहले उर्स कमेटी के चीफ कंट्रोलर जाबेद अख्तर जब्बी व अध्यक्ष तालिब हुसैन ने आये हुये उलमाये इकराम को बेच लगाकर और माला पहनाकर इस्तक़बाल किया। वही कार्यक्रम का संचालन कर रहे नाजिर रजा बरेली ने अपने इल्मों हुनर से सारी रात मजमे को नबी की हदीसों के हवाले से बांधे रखा। इस मौके पर तारिक अली, तौफीक खान, एडवोकेट आफाक उल्ला, फरहत उल्ला, आमिर पठान, रमजान बेग, आजम शेख, आशिक , मोनिश खान, राजू खान, मतीन उल्ला, जुऐब, हाजी कौसर, इमरान अरमान, फैजान अली, आगोश रहमानी, शाहरुख खान आदि मौजूद रहे।

जमीन का बैनामा करने पहुंचे वृद्ध पिता को पुत्री ने मां के साथ मिलकर पीटा

जन एक्सप्रेस/माधौगढ। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लिढऊपुर गांव के जसराम 65 वर्ष बुधवार की दोपहर अपनी जमीन का कुछ हिस्सा बेचने तहसील परिसर के रजिस्ट्री कार्यालय पहुंचे थे। बताया गया है कि जैसे ही परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो बुजुर्ग की पत्नी और बेटी अन्य लोगों के साथ तहसील पहुंच गईं, और उन्होंने बिना कुछ सुने जसराम को बालों से पकड़कर घसीटना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं बल्कि उन्हें बाहर लाकर पटक दिया, जबकि जसराम के साथ आए एक अन्य व्यक्ति की भी पिटाई की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि परिजन जसराम को टांगकर तहसील से बाहर ले गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन आक्रोशित महिलाओं ने किसी की नहीं सुनी। इस दौरान किसी ने घटना का वीडियो वनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस बारे में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर ने कहा कि वायरल वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

सिंचाई बन्धु की बैठक में गैर हाजिर रहने के मामले में किसानों जतायी नाराजगी

जन एक्सप्रेस । चित्रकूट

सिंचाई बन्धु की बैठक में किसान समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की गयी। इस दौरान तमाम अधिकारियों के गैर हाजिर रहने पर नाराजगी जाहिर की गयी।

जिला मुख्यालय में हुई बैठक में भारतीय किसान यूनियन के सदर तहसील अध्यक्ष अधिवक्ता शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि समय से नहरों की सफाई कराते हुए शीघ्र ही खरीफ सत्र बेडन को देखते हुए पानी उपलब्ध कराया जाये। छेछरिहा गांव के किसान अजीत कुमार ने कहा कि नलकूल विभाग द्वारा बेवजह उनका अनुदान लंबित रखा गया है। इससे शीघ्र उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही जिले में विद्युत व्यवस्था को दुरूस्त करते हुए सिंचाई के लिये किसानों को कम से कम 15 घंटे बिजली देने का प्रस्ताव किया गया। बैठक से गैर हाजिर अधिकारियों की निंदा करते हुए उच्चाधिकारियों को सूचित करने की बात कही गयी। इस मौके पर सिंचाई बन्धु उपाध्यक्ष दिनेष सिंह, अधिषासी अभियंता एसके सिंह, क्षेत्राधिकारी राजकमल वर्मा, रामेष्वर सिंह, छेदीलाला, अजीत सिंह, श्रीकेषन आदि मौजूद रहे।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस । उरई

उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर विद्युत कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा। इस दौरान निजीकरण के खिलाफ नारेबाजी की गई। सरकार से निजीकरण के प्रस्ताव पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की। जिलाध्यक्ष जगदीश वर्मा ने कहा कि पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का प्रयास किया जा रहा है। पिछले 6 माह से विद्युत कर्मचारी इस मुद्दे को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। बावजूद इसके सरकार का ध्यान आकृष्ट नहीं हो रहा है। संघर्ष समिति ने आगामी 22 जून को लखनऊ में किसानों, आम उपभोक्ताओं और बिजली कर्मियों की संयुक्त महापंचायत बुलाई है। जिसमें निजीकरण रद्द कराने हेतु आंदोलन की साझा रणनीति का ऐलान होगा। इस महा पंचायत का मुख्य उद्देश्य है कि निजीकरण से प्रभावित होने वाले सभी संवर्ग के अधिकारी, कर्मचारी एक साथ मिलकर आंदोलन करें। कहा कि इस महापंचायत को बिजली के निजीकरण से प्रभावित होने वाले प्रमुख स्टेक होल्डर्स किसानों, आम गरीब एवं मध्यमवर्गीय घरेलू उपभोक्ताओं और बिजली कर्मियों के संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी संबोधित करेंगे। इस दौरान निजीकरण के लिए पावर कारपोरेशन प्रबंधन द्वारा दिए जा रहे झूठे आंकड़ों का पर्दाफाश करते हुए एक श्वेत पत्र भी जारी किया जाएगा। इस मौके पर अधिशासी अभियंता जीतेन्द्र नाथ भरती, एमएन भारती, उपखण्ड अधिकारी गौरव गुप्ता, सूरज सोनी, ऋषभ राजपूत, निखिल जिंदल, संजय कुमार, अलोक खरे, देवेंद्र सिंह, राकेश सिंह, मोहम्मद शफीक, गौरव कुमार, पूनम वर्मा , कुसुमलता, अंकित साहनी, अमान पांडेय, नवीन कंजोलिया, सत्यप्रकाश, प्रिंस गुप्ता, राहुल साहू, रवि यादव, रवि कुशवाहा, खगेश कुशवाहा, श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे।

दिल्ली में 3.45 लाख परिवारों को मिला...

पिछली सरकार ने दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी थी। लेकिन वर्तमान सरकार ने सत्ता में आते ही सबसे पहले दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ दिया। दिल्ली के लोगों के बीच यह योजना कितनी सफल हो रही है, इसका पता इसी बात से चलता... पढ़ें पेज 12 पर...

टीबी मरीजों को राहत, कर्मचारियों को उम्मीद

उत्तर प्रदेश टीबी संघ की राज्यपाल से सार्थक भेंट

- पोषण से उपचार तक और अधिकारों से समाधान तक – राज्यपाल से मिले टीबी कर्मचारी, उठाई ज़मीनी समस्याएं
- सेवा में समर्पण, अधिकारों की मांग, राज्यपाल से टीबी कर्मचारी संघ की मुलाकात ने दिलाई नई दिशा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश क्षय रोग (टीबी) नियंत्रण कार्यक्रम से जुड़े कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने आज राजभवन में महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से सौजन्य भेंट की। यह मुलाकात न केवल प्रदेश में टीबी मरीजों को मिल रही पोषण सहायता को और सशक्त बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि कर्मचारियों के कल्याण से जुड़ी उम्मीदों को भी नया संबल मिला। भेंट के दौरान महामहिम ने टीबी मरीजों के लिए चलाई जा रही पोषण पोटली वितरण मुहिम की सराहना करते हुए विशेष निर्देश दिए कि जो मरीज गोद लिए गए हैं, उन्हें इलाज के दौरान ही नहीं, बल्कि पूर्ण उपचार के बाद भी 2 से 3 माह तक नियमित रूप से पोषण सहायता मिलती रहनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि टीबी जैसी बीमारी के खिलाफ लड़ाई में दवा के साथ-साथ पोषण भी अत्यंत आवश्यक है और इस कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश टीबी कर्मचारी संघ द्वारा प्रतीकात्मक रूप से 11 पोषण पोटलियाँ महामहिम को भेंट की गईं, जो प्रदेशभर में चल रही इस मानवीय मुहिम की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहीं। संघ की ओर से महामहिम को एक स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री करुणा शंकर मिश्र ने महामहिम राज्यपाल को प्रदेश भर में कार्यरत टीबी कर्मचारियों–विशेषकर संविदा कर्मचारियों–की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीमित संसाधनों के बावजूद सभी कर्मचारी निष्ठा और समर्पण के साथ प्रदेश में क्षयरोग उन्मूलन मिशन में लगे हुए हैं, और अब उन्हें शासन से सहयोग की अपेक्षा है। महामहिम राज्यपाल ने कर्मचारियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि आप सभी चिंता न करें, आपकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाएगा और जो भी संभव होगा, उसका समाधान निकाला जाएगा। इस अवसर पर विश्वास संस्थान से श्री विपिन वाजपेई सहित संघ के पदाधिकारी राजकमल, विक्रांत गुप्ता, विकास बाजपेई, आशुतोष त्रिपाठी सहित अन्य प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे। यह भेंट न केवल मरीजों को और अधिक सहयोग देने की दिशा में प्रेरणादायक सिद्ध हुई, बल्कि कर्मचारियों के मन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार भी कर गई।

सीएम डैशबोर्ड पर छाए जिलाधिकारी!

- उत्तर प्रदेश के टॉप टेन जिलाधिकारी की लिस्ट जारी – प्रशासनिक दक्षता, जनकल्याण और कानून व्यवस्था में इन अधिकारियों ने मारी बाज़ी

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

Uttar Pradesh CM Dashboard
District Rank in State
Rank Category: District Flagship - Development & Revenue
Month & Year: May 2025

Sr. No.	District Name	Effective Max Marks	Effective Marks Obtained	Effective Marks (%)
1	Maharajganj	10.00	9.10	91.00
2	Jalaun	10.00	9.05	90.50
3	Kheri	10.00	9.05	90.50
4	Bareilly	10.00	9.00	90.00
5	Shahjahanpur	10.00	8.97	89.70
6	Shravasti	10.00	8.96	89.60
7	Kushi Nagar	10.00	8.90	89.00
8	Lalitpur	10.00	8.89	88.90
9	Hardoi	10.00	8.89	88.90
10	Muzaffarnagar	10.00	8.88	88.80

उत्तर प्रदेश में प्रशासनिक उत्कृष्टता की दौड़ में अब सिर्फ कुर्सी नहीं, परफॉर्मेंस बोलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बनाए गए सीएम डैशबोर्ड के ताज़ा आंकड़ों में प्रदेश के जिन टॉप टेन जिलाधिकारियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर लोहा मनवाया है, वे आज सुशासन की नई पहचान बन चुके हैं। ये रैंकिंग जनसुनवाई, कानून व्यवस्था, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, विकास कार्यों की गति और राजस्व व्यवस्था जैसे प्रमुख बिंदुओं के आधार पर तय की गई है।

मुख्यमंत्री की मंशा: जवाबदेह और परिणाममुखी प्रशासन

सीएम योगी आदित्यनाथ का साफ संदेश है कि अब अधिकारी काम के दम पर ही पहचान पाएंगे। छ्रूडैशबोर्ड के जरिए प्रतिदिन जिलों की मॉनिटरिंग की जा रही है और जो अधिकारी जनता के बीच प्रभावी काम कर रहे हैं, उन्हें खुलकर सम्मान भी दिया जा रहा है।

जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना ही असली सफलता

प्रशासनिक अफसरों की यह सूची न केवल अन्य जिलाधिकारियों को प्रेरित करेगी, बल्कि यह भी सिद्ध करती है कि ईमानदारी, मेहनत और जनसेवा के साथ प्रशासनिक कार्यों में शानदार बदलाव संभव है।

ये हैं यूपी के टॉप टेन जिलाधिकारी

1. महराजगंज: आईएएस संतोष कुमार शर्मा
   जनसुनवाई और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में प्रदेश में शीर्ष स्थान।
2. जालौन: आईएएस राजेश कुमार पांडेय
   डिजिटल मॉनिटरिंग और राजस्व कार्यों में उल्लेखनीय सुधार।
3. लखीमपुर खीरी: आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल
   कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मोर्चे पर सराहनीय कार्य।
4. बरेली: आईएएस अविनाश सिंह
   शहरी योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अग्रणी।
5. शाहजहांपुर: आईएएस धर्मेंद्र प्रताप सिंह
   जनकल्याण योजनाओं की मॉनिटरिंग में सटीक नियंत्रण।
6. श्रावस्ती: आईएएस अजय कुमार द्विवेदी
   पिछड़े जिले को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा।
7. कुशीनगर: आईएएस महेंद्र सिंह तंवर
   पर्यटन और कृषि योजनाओं के समन्वय में मॉडल जिले के रूप में उभरे।
8. ललितपुर: आईएएस अक्षय त्रिपाठी
   जल जीवन मिशन और ग्रामीण विकास में सराहनीय गति।
9. हरदोई: आईएएस अनुनय झा
   पारदर्शिता और त्वरित समाधान व्यवस्था के लिए प्रशंसा प्राप्त की।
10. मुजफ्फरनगर: आईएएस उमेश मिश्रा
    कानून व्यवस्था और प्रशासनिक संवेदनशीलता में नज़ीर पेश की

जन एक्सप्रेस विशेष टिप्पणी

उत्तर प्रदेश में अब प्रशासन बदल रहा है, और इसकी बागडोर उन अफसरों के हाथ में है जो केवल कुर्सी पर नहीं, ज़मीन पर नजर आते हैं।

यूपी बीजेपी में बड़ा एक्शन!

महिला संग वायरल वीडियो कांड में फंसे गोंडा के जिलाध्यक्ष पार्टी से तत्काल निष्कासित!

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उत्तर प्रदेश बीजेपी ने सख्त संदेश देते हुए गोंडा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से तुरंत प्रभाव से निष्कासित कर दिया है। यह फैसला तब लिया गया जब अमर किशोर का एक महिला के साथ आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे पार्टी की छवि पर गहरा आघात पड़ा।

पार्टी हाईकमान की चेतावनी के बाद गिरी गाज!

वीडियो के वायरल होते ही भाजपा प्रदेश नेतृत्व हरकत में आया और अमर किशोर को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया। नोटिस में साफ शब्दों में कहा गया था कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं मिला, तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, अमर किशोर का जवाब पार्टी नेतृत्व को संतोषजनक नहीं लगा, जिसके बाद उन पर सीधी कार्रवाई करते हुए निष्कासन का आदेश जारी कर दिया गया।

राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में

बीजेपी ने भले ही देर से पर स्पष्ट और निर्णायक कदम उठाया है। ये कार्रवाई 2024 के बाद के संगठन पुनर्गठन में इमेज क्लीनअप की बड़ी कवायद का हिस्सा मानी जा रही है। अब निगाहें इस पर हैं कि पार्टी ऐसे मामलों में लगातार इसी सख्ती को बनाए रखेगी या नहीं। लेकिन एक बात साफ है भाजपा ने एक बार फिर दिखा दिया कि 'संघठन बड़ा है, व्यक्ति नहीं।'

बीजेपी का सख्त संदेश नैतिकता से समझौता नहीं!

इस कार्रवाई को राजनीतिक गलियारों में बीजेपी की ज़ीरो टॉलरेंस ऑन अनैतिक आचरण नीति के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि छवि धूमिल करने वालों को चाहे जितना बड़ा पद हो, बख्शा नहीं जाएगा।

अब क्या आगे?

बीजेपी ने नए जिलाध्यक्ष की तलाश शुरू कर दी है। विपक्ष को मिला बड़ा मुद्दा – नैतिकता और चरित्र को लेकर उठाए सवाल। गोंडा जिले में पार्टी के संगठनात्मक समीकरणों पर असर पड़ने की आशंका।

जयपुरिया स्कूल में लगी भीषण आग, प्रशासन में मची खलबली

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ के गोमती नगर स्थित जयपुरिया स्कूल में बुधवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई, जिससे स्कूल प्रशासन में हड़कंप मच गया। गलीमत रही कि आग लगने के समय स्कूल में छुट्टी थी और बच्चे घर लौट चुके थे, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया। हालांकि, आग के कारण स्कूल परिसर में खड़ी दो गाड़ियां जलकर राख हो गईं। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन स्कूल प्रशासन ने इसकी जांच के लिए संबंधित अधिकारियों को सूचित कर दिया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। इस घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने सुरक्षा उपायों को और सख्त करने का निर्णय लिया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

फायर सेफ्टी के इंतजाम की खुली पोल

अभिभावकों से सेफ्टी सुरक्षा तमाम दावे करने वाली नामी गिरामी कॉलेज का यह हाल है जहां छात्रों के अभिभावकों से पैसा नहीं बल्कि उनकी खून पसीने की वसूली की जाती है और विद्यालय प्रबंधन द्वारा बताया जाता है कि आपके बच्चों को अच्छी शिक्षा अच्छा रहन-सहन और सुरक्षा की गारंटी दी जाती है और जब वही लाखों रुपए एडमिशन के नाम पर लेने वाले विद्यालयों का यह हाल है तो आम विद्यालयों का क्या हाल होगा प्रशासन को को इस पर शक्ति दिखानी चाहिए। देखना होगा प्रशासन इस मुद्दे पर जांच करती है और विद्यालय के विरुद्ध कार्रवाई करेगी या फिर चुप बैठ जाएगी किसी हादसे के इंतजार में

स्थानीय उद्योगों का संवर्धन

'एक जिला एक उत्पाद योजना से लाभान्वित मुरादाबाद'

जन एक्सप्रेस । मुरादाबाद। लखनऊ

राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने कहा कि एक जिला एक उत्पाद योजना से पीतल नगरी मुरादाबाद में हुए व्यापक बदलाव का अनुभव किया जा सकता है। मुरादाबाद सर्किट हाउस में उन्होने कहा कि इस योजना के माध्यम से परम्परागत उत्पाद को नया आयाम मिला है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में 'एक जनपद एक उत्पाद योजना'योजना का उल्लेखनीय योगदान है। पराम्परागत उद्योग में वोकल फॉर लोकल के इस अभियान को प्राथमिकता पर आगे बढ़ाया जा रहा है। सरकार पीतल के उत्पादों के लिए कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है, ताकि वे अपने व्यवसाय को और बेहतर बना सकें। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पीतल के उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य भी संवांचलित होता है।

समाज के सभी वर्गों को समर्पित रहे भारत सरकार के 11 साल

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के नेतृत्व मे चल रही सरकार के11 साल गरीबो, किसानों, महिलाओ, नौजवानों व समाज के सभी वर्गो के हितो के लिए समर्पित रहे हैं। मोदीजी के विजनरी नेतृत्व मे हर क्षेत्र मे बहुत ही उल्लेखनीय व उत्कृष्ट कार्य हुये हैं। श्री मौर्य आज उन्नाव के नवाबगंज मे विभिन्न विकास कार्यो के लोकार्पण कार्यक्रम को लखनऊ से वर्चुवली सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी मे आयोजित कार्यक्रम मे जा रहे हैं, इस कारण वह इस कार्यक्रम मे भौतिक रूप से सम्मिलित नहीं हो पा रहे है, भविष्य मे आने का उनका पूरा प्रयास रहेगा। उन्होने कहा कि उन्नाव कलम व तलवार की धनी धरती है। कार्यक्रम मे पधारे सभी लोगों का उन्होने अभिनन्दन किया। 11 साल का कालखंड भारत के लिए परिवर्तनकारी रहा है।

नैफेड द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष आईवीसी 2025 के अंतर्गत लखनऊ में सहकारिता क्रिकेट टूर्नामेंट का जोशीला शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के रूप में घोषित किया गया है। इस वर्षभर चलने वाले वैश्विक अभियान की केंद्रीय थीम है सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है, जिसका उद्देश्य है सहकारी संस्थाओं की भूमिका को सामाजिक समावेशन, आर्थिक सशक्तिकरण और सतत विकास के क्षेत्रों में उजागर करना और जनसामान्य तक पहुँचाना। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए, भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अंतर्गत नैफेड उत्तर प्रदेश द्वारा राज्यभर में जागरूकता और सहभागिता पर केंद्रित विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में, 11 जून से 13 जून 2025 तक कैरियर क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सहकारिता क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। टूर्नामेंट के पहले दिन सेज क्रिकेट अकादमी और टीएस क्रिकेट अकादमी के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस शुभारंभ अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य सहकारी संघ लिमिटेड पीसीयू के प्रबंध निदेशक श्रीकांत गोस्वामी ने मुख्य अतिथि के रूप में खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेफेड उत्तर प्रदेश के राज्य प्रमुख श्री रोहित जैमन ने की। इस अवसर पर नेफेड लखनऊ के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबले में सेज क्रिकेट अकादमी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत दर्ज की। अकादमी के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अंश शुक्ला को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ÷मैन ऑफ द मैच÷ से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, अन्य नवोदित खिलाड़ियों की प्रतिभा को भी सराहा गया और उन्हें मंच प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। यह टूर्नामेंट ना केवल युवाओं में खेल भावना और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देता है, बल्कि सहकारिता की भावना, सहभागिता और सामूहिकता जैसे मूल्यों को भी मजबूती से स्थापित करता है। यह आयोजन सहकारी आंदोलन को जन-जन तक पहुँचाने और युवाओं को इससे जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम है।

राजस्थान बालाजी से लाई गई हनुमान प्रतिमा की गई प्राण प्रतिष्ठा

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

लखनऊ जिले में जगह-जगह पांचवें बड़े मंगल के शुभ अवसर पर भंडारे की धूम दिखाई दी। बता दे कि लखनऊ में बड़े मंगल पर भंडारे की परंपरा सदियों से चली आ रही है वहीं मंगलवार को पांचवें बड़े मंगल के शुभ अवसर पर लखनऊ बीकेटी इटौंजा अन्य कई जगहों पर भंडारो एवं रामायनों व सुंदरकांड के पाठ जगह-जगह भक्तों द्वारा किए गए। आपको बताते चले कि ग्राम पंचायत अकराडिया कला गांव नीलांश वाटर पार्क मोड़ के पास राजस्थान से हनुमान जी की साढे तीन फीट की प्रतिमा लाई गई थी, यह प्रतिमा लाने में में सहयोगी अकड़िया खुर्द निवासी बबलू यादव,अकडरिया कला निवासी संतोष वर्मा उर्फ संतोष पुरी, खरगा यादव, सर्वेश यादव दुदहा , कन्हैयालाल लोधी ,पीयूष द्विवेदी पत्रकार, राजीव द्विवेदी ,हेमनाथ गौतम का अहम योगदान रहा हैं। बड़े मंगल के सुबह सर पर दोपहर करीब एक बजे राजस्थान से लाई गई हनुमान प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान से की गई। इसके बाद उनके प्रतिमा स्वरूप पर लाल रंग से उनका सिंगार किया गया और हनुमान जी को जनऊ पहनकर उनका टीकाकरण कर उनको माला पहनकर उनकी पूजा अर्चना की गई। वहीं इस दौरान अकडरिया कला गांव में मंदिर स्थापना पर पूड़ी-सब्जी का भंडारा किया गया और निकूती का वितरण किया गया, जिसमें समस्त ग्रामवासी व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

इटौंजा हाईवे पर सोनालिका एजेंसी के मालिक ने किया भंडारा

इटौंजा लखनऊ सीतापुर हाईवे रोड पेट्रोल टंकी के पास में सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के मालिक अंशुमाली प्रताप सिंह द्वारा विशाल भंडारा का आयोजन किया गया, जिसमें पुड़ी सब्जी, नियुति, पानी के बताशे, शरबत हनुमान भक्तों में वितरण किया गया। इस दौरान भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं अन्य क्षेत्रीय लोग इस भंडारे में शामिल हुए और प्रसाद ग्रहण किया।

विकसित भारत का अमृत काल और सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष प्रबुद्ध जन समागम

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन गरीब कल्याण के 11 वर्ष विषय पर सहकारिता भवन में प्रबुद्ध जन समागम का आयोजन लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के अध्यक्षता में किया गया। वहीं कार्यक्रम शुभारंभ में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा, वरिष्ठ नेता नीरज सिंह, एमएलसी मुकेश शर्मा महापौर सुषमा खर्कवाल ने दीनदयाल और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। वहीं ÷विकसित भारत संकल्प में हमारी भूमिका÷ विषय पर बोलते हुए मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में 11 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए हुए कार्यों को हमें जन-जन तक पहुंचना है। वहीं 2014 में सरकार में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही विकसित भारत की संकल्पना की। पिछली सरकारोंने में परिवारवाद, व्यक्तिगत स्वार्थ और भ्रष्टाचार की परिकाष्ठा थी। पिछली सरकारों में ?1 सरकार भेजती थी तो 15 पैसा जनता तक पहुंचता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भ्रष्टाचार को खत्म किया और आज लाभार्थी को सरकार की योजनाओं का पूरा पैसा खाते में पहुंचता है। देश में गड्ढे ही सड़कों की पहचान थे लेकिन आज देश का हर गांव शानदार सड़कों से जुड़ चुका है और हाईवे, एक्सप्रेसवे और ओवर ब्रिजो के जाल है। आज हमने विश्व के सबसे ऊंचा चिनाब रेलवे पुल बनाकर जम्मू श्रीनगर को भी जोड़ने का कार्य किया है। चिकित्सा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, सुरक्षा हर क्षेत्र में भारत ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी आतंकवाद के पर काटने का काम भारतीय सेना ने किया। हमारी सरकार की कार्यशाली से पूरी दुनिया मे भारत की शाख बढ़ी है। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र को प्रथम मानती है। अब भारत अन्य देशों के सामने हाथ फैलाने वाला भारत नहीं है आज भारत सक्षम और नेतृत्वकारी भारत है। वहीं सशक्त भारत और सुरक्षित भारत विषय पर बोलते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने कहा कि 2014 से पहले के भारत को याद करिए जब भ्रष्टाचार चरम पर था और अनेकों घोटाले ने कांग्रेस सरकार की पहचान घोटने वाली सरकार के रूप में बन चुकी थी।

2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में समृद्ध ,सशक्त और सुरक्षित भारत का निर्माण हुआ। प्रधानमंत्री मोदी जी ने विकास के साथ सांस्कृतिक विरासत को सजोने का कार्य किया है। एस400 और ब्रह्मेस्त्र मिसाइल ने हमारी सीमा और देश को सुरक्षा कवच प्रदान किया है।÷सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष÷ विषय बोलते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र में 5 करोड लोगों को आवास शहरी क्षेत्र में दो करोड़ लोगों को आवास, उज्ज्वला योजना के तहत 8 करोड़ घरों में सिलेंडर , 12 करोड़ शौचालय, सौभाग्य योजना के तहत 99त्न घरों में बिजली पहुंचाने का कार्य किया। 55 करोड़ लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड योजना के तहत 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया। 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन, रेहड़ी पटरी दुकानदारों को ऋण के माध्यम से रोजगार देना का कार्य किया । शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अनगिनत क्रांतिकारी कार्य हुए है। स्टार्ट अप योजना के माध्यम से डेढ़ करोड़ युवाओं को रोजगार देने का कार्य किया है। भारत की जीडीपी जापान को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर पहुंचे है।डिजिटल ट्रांजेक्शन में भी 76 प्रतिशत बढोतरी हुई है। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम में मोहसिन राजा, अंजनी श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता, गिरीश गुप्ता, राम अवतार कनौजिया, घनश्याम अग्रवाल, सौरभ वाल्मीकि, विजय भुर्जी, सतीश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

यूपी के किसानों को सौगात: मूंग और मूंगफली की एमएसपी पर होगी खरीद

जन एक्सप्रेस । लखनऊ

केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है।आज भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच एक वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई, इसमें श्री शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024-25 में यूपी में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।जायद 2024-25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। भारत सरकार के लोकप्रिय निर्णय से प्रदेश के बड़ी संख्या में किसान लाभान्वित होंगे।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है।उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन प्रदान कर दिया जाएगा।

पशुपालकों ने की स्थाई चिकित्सक की मांग

डॉक्टर न कंपाउंडर, कैसे हो बेजुबानों की देखभाल

जन एक्सप्रेस । राजेश पाल

बाजार शुक्ल अमेठी। पशुपालन विभाग कर्मचारीयों की कमी से जूझ रहा है,जिससे पशु चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। जिससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ बढ़ गया है पैरावेट और पशु मित्रों को प्रोत्साहन राशि भी समय पर नहीं मिलते जिससे उनके कार्य क्षमता प्रभावित होती है। ऐसा स्टॉफ के जिम्मेदारों द्वारा सुनने में आ रही है। हकीकत क्या विभाग ही जाने फिलहाल ऐसा कस्बा जहां एक पैरावेट व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के भरोसे चल रहा पशु चिकित्सालय सरकार एवं पशुपालन विभाग की अनदेखी व उदासीनता के चलते कस्बे में स्थित पशु चिकित्सालय में पिछले लंबे समय से स्थाई चिकित्सक समेत चिकित्साकर्मियों का टोटा पड़ा हुआ है। जबकि ब्लाक मुख्यालय पर हेड पशु चिकित्सालय है। ऐसे में यह पशु चिकित्सालय वर्तमान में केवल एक चतुर्थ श्रेणी व पैरावेट कर्मचारी के भरोसे चल रहा है। यहां प्रतिदिन कस्बा समेत क्षेत्र के विभिन्न गांवों के पशुपालक अपने बीमार पशुओं का इलाज करवाने के लिए आते है, लेकिन चिकित्सक व कंपाउंडर नहीं होने से उनके बीमार पशुओं का उपचार चतुर्थ श्रेणी व पैरावेट द्वारा ही संभव हो पता है।ऐसे में पशुपालक बेहद परेशान है।

योजनाओं का पशुपालकों को नहीं मिल पा रहा लाभ

सरकार की ओर से पशुधन के संरक्षण को लेकर निशुल्क दवा समेत विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं तो संचालित की जा रही है। लेकिन क्षेत्र में पशु चिकित्सालयों में चिकित्साक समेत स्टाफ की कमी के कारण इनका फायदा पशुपालकों को नसीब नहीं हो पा रहा है। चिकित्साको समेत कार्मिकों के अभाव में पशुपालकों को बीमार पशुओं के उपचार के लिए निजी खर्चे पर अन्य स्थानों से चिकित्सा कर्मियों को बुलाना पड़ता है। वही बीमार पशुओं को उपचार के लिए इधर-उधर लेकर जाना पड़ता है ऐसे में उन्हें आर्थिक परेशानी से जुड़ना पड़ रहा है।

ऐसे हालात में एक और जिम्मेदारी

ऐसे चिकित्सालय बगैर पशु चिकित्सकों के चल रहे है। वहीं इन कर्मचारीयों पर 12 गौशालाओं की भी जिम्मेदारी है।यदि कोई गोवंश बीमार पड़ता है, तो इन्हें ही उनका उपचार करना पड़ता है। यदि उपचार में देरी हो जाती है, तो विभागीय कार्रवाई की तलवार भी इन पर लटक जाती है। इतना ही नहीं अधिकारियों ने इन पशु चिकित्सक को एक ओर जिम्मेदारी दी हुई है कि रोजाना गौशाला का निरीक्षण भी करना है। ऐसे में स्वत÷ ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि पशुपालन विभाग किस लाचारी से गुजर रहा है।

जगदीशपुर सीएचसी में टॉर्च की रोशनी में इलाज करते चिकित्सक

बिजली न होने पर जनरेटर भी फेल, दो घंटे तक मरीज झेलते रहे परेशानी

जन एक्सप्रेस । तिलोई,अमेठी

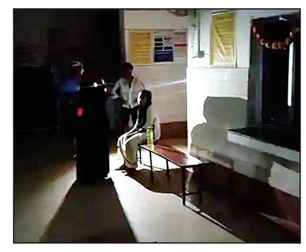

स्वास्थ्य विभाग की बदइंतज़ामी का ताजा मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर से सामने आया है,जहां आपातकालीन विभाग में बिजली न होने के कारण मरीजों का इलाज मोबाइल टॉर्च की रोशनी में किया गया। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब यह पता चला कि अस्पताल के जनरेटर में डीज़ल खत्म हो चुका था।बीती रात लगभग दो घंटे तक सीएचसी अंधेरे में डूबा रहा, और इस दौरान पहुंचे कई मरीजों को बगैर उचित रोशनी के इलाज कराना पड़ा। स्वास्थ्यकर्मी इंजेक्शन और ड्रिप लगाने जैसे संवेदनशील कार्य भी मोबाइल की रोशनी के सहारे करने को मजबूर रहे।एक मरीज के परिजन ने बताया,÷यहां न बिजली थी, न जनरेटर चालू था। डॉक्टर टॉर्च से देख रहे थे। यह कैसी स्वास्थ्य सेवा है?÷सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा,÷इस विषय में केंद्र अधीक्षक से बात की जाएगी। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए, लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।÷गौरतलब है कि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक लगातार सीएचसी व पीएचसी का निरीक्षण कर रहे हैं और अधिकारियों को सेवाओं में सुधार के निर्देश दे रहे हैं। इसके बावजूद जगदीशपुर सीएचसी में व्यवस्था जैसे-तैसे चल रही है, जो व्यवस्था की जमीनी सच्चाई को उजागर करती है।स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने मांग की है कि अस्पतालों में बिजली और डीज़ल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में मरीजों को ऐसी दयनीय स्थिति का सामना न करना पड़े।

नहर में नहीं छोड़ा जा रहा पानी, मवेशी हलकान

पानी की तलाश में बेजुबान प्राणी माइनरों में पानी छोड़े जाने की मांग

जन एक्सप्रेस । बाजार शुक्ल अमेठी

गर्मी अपने शबाब पर पहुंच रही है। फसल कटने के बाद सीवान भी पूरी तरह से वीरान नजर आ रहे हैं। ऐसे में प्यासे पोखरे व सूखी नहरों ने पशु पक्षियों के सामने विकट स्थिति उत्पन्न कर दी है। प्यास की तास बुझाने के लिए घुमंतू जानवर गांवों व बस्तियों में पहुंच रहे हैं। उधर, नहर विभाग की तंद्रा है कि टूटने का नाम नहीं ले रही है।गर्मी का मौसम आते ही पेयजल किल्लत बढ़ जाती है। मानव तो किसी तरह अपना इंतजाम कर लेता है, लेकिन पशु, पक्षियों व जंगली जानवरों के सामने विकट स्थिति उत्पन्न हो जाती है। नदी, ताल, तालाब, गड्ढे व नहर सूखने मवेशियों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। प्यासे घुमंतू व जंगली जानवर रात में गांवों में पहुंच जाते हैं।जहां उन्हें पानी पिलाने की बजाय भयवश लोग भगा दे रहे हैं। पूर्व के वर्षों में नहर विभाग द्वारा नहरों को न सिर्फ लबालब करा दिया जाता था, बल्कि पूरे गर्मी में नदियां भी पानी से सराबोर रहती थी। इसके चलते जानवरों को भारी राहत मिलती थी। इतना ही नहीं, ग्रामीण पशुओं को स्नान आदि कराते थे।नहर व नदी में पानी रहने से किसानों को सबसे अधिक फायदा होता था। ग्रामीण सब्जी की खेती करके मालामाल होते थे।नहर विभाग की उदासीनता के चलते न सिर्फ ग्रामीणों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, बल्कि मवेशी भी प्यास से तड़प रहे हैं। किसान नेता देबी दयाल शर्मा शेषनाथ तिवारी आदि ने बताया कि विगत वर्ष पानी छोड़ा गया था जो इन दिनों पूरी तरह से सूख गया है। ऐसे में पूरी क्षमता से दोबारा पानी छोड़ने की मांग की। ताकि पशु-पक्षियों को दिक्कतें न हों और किसान भी खरीफ की तैयारियां कर सकें।

11 साल में भारत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा योजनाओं का लाभ–मयंकेश्वर शरण सिंह

- मोदी ने दिखा दिया कि अब देश विकास भी करता है,और दुश्मनों का विनाश भी–शंकर गिरी
- मोदी सरकार के ग्यारह वर्ष पूरे होने पर भाजपा ने गिनाई उपलब्धियां

जन एक्सप्रेस । अमेठी

केन्द्र सरकार के विकसित भारत का अमृत काल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए ग्यारह साल पूर्ण होने के अवसर पर बुधवार को गौरीगंज ब्लाक मुख्यालय पर सभागार में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री वीरेंद्र तिवारी,प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी शंकर गिरी, राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह रहे।वीरेन्द्र तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि पिछले11वर्षों में समावेशी विकास का स्पष्ट और सुगम रास्ता तैयार किया गया।मोदी सरकार ने सबका साथ सबका विकास की भावना से हर क्षेत्र में आए इस उद्देश्य को लेकर के कार्य करने का काम किया है।मोदी सरकार के 11 साल सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के लिए जाना जाता है।प्रदेश मंत्री जिला प्रभारी शंकर गिरी ने संबोधित करते हुए कहा भारत देश 11 वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिखा दिया कि अब देश विकास भी करता है।और दुश्मनों का विनाश भी।यही है सशक्त भारत सुरक्षित भारत विकसित भारत की पहचान। भारत सरकार दूरदर्शी नीतियों ने देश को वैश्विक मंच पर एक प्रभावशाली और सम्मानित सुरक्षा स्तंभ के रूप में स्थापित किया है।यही सशक्त भारत सुरक्षित भारत का सच है जहां विकास और सुरक्षा एक साथ मजबूत हो रहे हैं।साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। सीएससी और 14 सी जैसे संस्थानों की स्थापना देश के महत्वपूर्ण ढांचों को साइबर हमलों से सुरक्षित किया है।इन वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह साबित कर दिया कि आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं होगा।ऑपरेशंस सिंदूर इसका ताजा और ऐतिहासिक उदाहरण है।जब भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर सौ से अधिक आतंकियों का सफाया कर दिया।उसके एयर बेस को ध्वस्त कर दियामोदी के जीरो टॉलरेंस नीति के आतंक के खिलाफ कार्यवाही राष्ट्रीय संकल्प बना दिया।11 वर्षों में संवेदनशीलता के साथ कठोर फैसले लेने की अपनी पात्रता बार-बार साबित की है। भारत का रक्षा निर्यात 34 गुना बढ़कर 23622 करोड़ तक पहुंच गया।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री व तिलोई विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह ने सरकार की प्रमुख उपलब्धियाँ गिनाईं।और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।राज्यमंत्री ने कहा कि बीते ग्यारह वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अभूत पूर्व प्रगति की है।उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 45 करोड़ से अधिक नागरिकों के खातों में सीधे लाभांश डी बी टी के माध्यम से धनराशि पहुंचाई गई है,जिससे पारदर्शिता और गरीबों को सीधे लाभ सुनिश्चित हुआ है।भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत चौथे स्थान पर है।और बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व और आर्थिक सुधारों का परिणाम बताया।रक्षा क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अब भारत आत्मनिर्भर हो चुका है।ऑपरेशन सिंदूर÷ के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण इस बात का प्रमाण है,कि भारत की रक्षा तकनीक अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो चुकी है।उन्होंने यह भी दावा किया कि ब्रह्मोस मिसाइल की मांग अब रूस और अमेरिका की मिसाइलों से अधिक हो रही है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला एवं अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे। सभी ने सरकार कीजनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों पर चर्चा की।तथा आगामी समय में ÷विकसित भारत÷ की परिकल्पना को साकार करने के संकल्प को दोहराया।राज्यमंत्री ने अंत में कहा कि मोदी सरकार ने गरीब, किसान,जवान और नौजवान सभी वर्गों के हित में कार्य किया है।और यह सिलसिला भविष्य में और तेज़ गति से आगे बढ़ेगा।प्रवक्ता चंद्रमौलि सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर कार्यक्रम में अशोक मिश्र जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अमेठी,विवेक शुक्ला जिला अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ,नीलम सिंह,डॉ यश त्रिपाठी, अधिवक्तागण, उद्यमी डॉक्टर,व्यवसाई एवं अन्य नागरिकगण उपस्थित रहे।

12 से 17 के मध्य श्रम निषेध सप्ताह का होगा आयोजन

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार ने बताया है कि श्रमायुक्त उत्तर प्रदेश कानपुर के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस 2025 पर जनपद में 12 जून से 17 जून 2025 के मध्य बाल श्रम निषेध सप्ताह का आयोजन किया जायेगा, जिसमें बाल श्रम विषय पर जागरूकता हेतु वर्कशाप, रैली, सिग्नेचर कैम्पेन, सोशल मीडिया पम्पलेट वितरण एवं अन्य माध्यमों से जागरूकता हेतु 12 जून 2025 को मेसर्स विसाका इंडस्ट्रीज बछरावां रायबरेली में बाल श्रम विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 13 जून को मेसर्स बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड अमावां रोड रायबरेली में, 16 जून को हाथी पार्क चौराहा रायबरेली एवं 17 जून 2025 को कार्यालय सहायक श्रमायुक्त रायबरेली में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसके लिये प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारियों/कर्मचारियों की ड्यूटी लगायी गयी है।

दलित युवक के साथ मारपीट व जाति सूचक गालियों का आरोप

घायल पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत

जन एक्सप्रेस । तिलोई,अमेठी

थाना मोहनगंज क्षेत्र के तिलोई पंचायत क्षेत्र पूरे बासवान दास का पुरवा गांव के निवासी बृजेंद्र पुत्र सीताराम ने थाने में तहरीर देकर पांच लोगों के खिलाफ मारपीट, जाति सूचक गालियां देने और बाइक क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है।पीड़ित ने राजेंद्र पुत्र दुर्गादीन, दुर्गेश चंद्र, उमेश चंद्र पुत्र रामबरन सहित दो अज्ञात व्यक्तियों को नामजद करते हुए गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बृजेंद्र अपने मित्र कुलदीप पासी पुत्र जग प्रसाद निवासी नसरतपुर जो एक छोटे स्तर पर लकड़ी का व्यवसाय करता है, के साथ लकड़ी देखने पूरे नथई का पुरवा जा रहा था। रास्ते में जामोदीप नाले के पास विपक्षियों ने उनकी मोटरसाइकिल रोक ली और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे।पीड़ित के पूछने पर हमलावरों ने लाठी-डंडों से उसे पीटना शुरू कर दिया, जिससे बृजेंद्र के सिर में गंभीर चोटें आईं। इसके बाद आरोपियों ने उसकी मोटरसाइकिल को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बृजेश को तिलोई स्थिति 200 बेड जिला रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर डॉक्टर ने उसकी स्थिति गंभीर देख उसे रायबरेली एम्स रिफर कर दिया है और पीड़ित पक्ष ने पुलिस को इस मामले की लिखित सूचना दी ।थाना मोहनगंज पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है और पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बड़े मंगल पर समाजसेवियों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया

रोहनिया, रायबरेली। रोहनिया ब्लॉक के परसीपुर, हनुमानगंज और मसौदाबाद चौराहे पर पांचवें बड़े मंगलवार के शुभ अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप छोला चावल, पूड़ी सब्जी और नींबू शरबत वितरित किया गया। परसीपुर चौराहे पर हर वर्ष की भांति इस बार भी प्राचीन शिव मंदिर में पहले सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसके बाद छोले चावल का विशाल भंडारा संपन्न हुआ। समाजसेवी राकेश पटेल ने जानकारी दी कि इस आयोजन में सतीश श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संजय, पवन तिवारी, देशराज, राम सिंह पटेल, श्रीराम पटेल, श्यामू पटेल, लक्ष्मी चंद निर्मल, अरविंद मौर्य और प्रदीप त्रिपाठी सहित गांव के अनेक लोगों ने सहयोग किया। उमरन पेट्रोल पंप के पास पवनेश कुमार मौर्या, राघवेंद्र मिश्रा, केशकुमारी और अन्य सहयोगियों द्वारा पूड़ी–सब्जी का भंडारा आयोजित किया गया।

इनवर्टर बैटरी विस्फोट से दर्दनाक हादसा,मौके पर बुजुर्ग की मौत, पत्नी ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

जन एक्सप्रेस । अमेठी

जनपद के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के मड़ौली गांव में बुधवार को हुए एक दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गई।यह हादसा उस समय हुआ जब घर में लगी सोलर इनवर्टर बैटरी अचानक विस्फोट कर गई।इस हादसे में 62 वर्षीय नवरंग सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी 55 वर्षीय पत्नी अनुसुइया सिंह गंभीर रूप से झुलस गईं। घटना के तुरंत बाद ग्रामीणों की मदद से घायल महिला को अमेठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया।हादसे की जानकारी मिलते ही संग्रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। घटनास्थल पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।मृतक के भाई उदयभान सिंह ने बताया कि यह विस्फोट इनवर्टर की बैटरी में तकनीकी खराबी के कारण हुआ। हादसा इतना भीषण था कि बैटरी के टुकड़े कई फीट दूर तक जा गिरे।स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बैटरियों का अत्यधिक गर्म होना और समय-समय पर रखरखाव न होना ऐसे हादसों का कारण बनता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव-गांव में इनवर्टर व बैटरी की सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।घटनास्थल पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए।मृतक के भाई उदयभान सिंह ने बताया कि यह विस्फोट इनवर्टर की बैटरी में तकनीकी खराबी के कारण हुआ। हादसा इतना भीषण था कि बैटरी के टुकड़े कई फीट दूर तक जा गिरे।स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बैटरियों का अत्यधिक गर्म होना और समय-समय पर रखरखाव न होना ऐसे हादसों का कारण बनता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव-गांव में इनवर्टर व बैटरी की सुरक्षा संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचा जा सके।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है। प्राथमिक तौर पर हादसे को तकनीकी विस्फोट माना जा रहा है,लेकिन विस्तृत रिपोर्ट पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच के बाद सामने आएगी।इस हृदय विदारक घटना से गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की है।

सरकारी अस्पताल में बिजली कटौती से मरीज बेहाल

जन एक्सप्रेस । अमेठी

- 42 डिग्री तापमान में जनरेटर भी नहीं चला,मरीज कपड़े–काग़ज से कर रहे हवा

जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इन दिनों बिजली कटौती ने मरीजों की परेशानी और बढ़ा दी है। भीषण गर्मी और 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचते तापमान के बीच अस्पताल में जनरेटर होने के बावजूद चालू न किए जाने से मरीजों और तीमारदारों की हालत खराब हो रही है।अस्पताल में भर्ती मरीज और उनके परिजन खुद को राहत पहुंचाने के लिए कपड़े और कागज से पंखा झलने को मजबूर हैं।तीमारदार अभिजीत त्रिपाठी ने बताया कि मेरी मां इलाज के लिए भर्ती हैं। लेकिन बिजली चली जाने पर हमें पसीने से तर-बतर होना पड़ा।जनरेटर है, लेकिन कोई चालू नहीं करता। हमें खुद कागज से हवा करनी पड़ी।एक अन्य तीमारदार ने बताया कि अस्पताल में बिजली जाने पर जनरेटर होते हुए भी उसे नहीं चलाया जाता, जिससे मरीजों को गर्मी और उमस के बीच परेशान होना पड़ता है।हालांकि इस पूरे मामले पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. आलोक तिवारी ने कहा कि जैसे ही बिजली जाती है,जनरेटर चालू कर दिया जाता है।अस्पताल में गर्मी से निपटने की पूरी व्यवस्था है।लेकिन मरीजों और तीमारदारों के अनुभव इस दावे से मेल नहीं खाते।भीषण गर्मी के इस मौसम में अस्पतालों में बिजली और शीतलता की उचित व्यवस्था न होना,स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा करता है।जहां एक ओर सरकारी योजनाएं मरीजों को बेहतर सुविधा देने की बात करती हैं,वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव नजर आता है।स्थानीय लोगों और मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए।और जनरेटर का प्रयोग समय से हो, ताकि गंभीर स्थिति में मरीजों को राहत मिल सके।

मातृभूमि सेवा मिशन इकाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर तैयार किए जा रहे योग प्रशिक्षिक– योगाचार्य बृजमोहन

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। सनातन धर्म जिसे हिंदू धर्म अथवा वैदिक धर्म भी कहा जाता हैं। इसका इतिहास सबसे प्राचीन 1 अरब 96 करोड़ 08 लाख 53 हजार 110 वर्ष पुराना है। स्वामी विवेकानंद के अनुसार मजबूत शरीर में ही मजबूत मन का वास होता है अर्थात शारीरिक शक्ति पर ही मानसिक शक्ति निर्भर करती है। योग साधना शिविर के इनर इंजीनियरिंग कार्यक्रम में हिस्सा क्यों लें? रिसर्च बताती हैं कि... तनाव में 50त्न की कमी आनंदमय के स्तर में वृद्धि – अवसाद रोकने वाला शरीर का एक प्राकृतिक रसायन जो आपके भीतर खुशहाली पैदा करता है नींद की गुणवत्ता में सुधार ऊर्जा स्तर, आनंद और कार्य करने की क्षमता में वृद्धि भावनात्मक संतुलन और मनः स्थिति में सुधार लाता है। उपरोक्त बातें संस्था के जिलाध्यक्ष योगाचार्य बृजमोहन ने कहीं। संस्था के संयोजक प्रदीप पांडेय ने कहा है कि योग न सिर्फ़ तन को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन को भी शांत करता है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के 11वें संस्करण का संदेश है – %स्वयं से समाज तक, योग सबके लिए लाभकारी है। योग शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोग प्रतिभाग करें और निरोगी रहे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व जिन शैक्षणिक संस्थानों को योग का कार्यक्रम करवाना हो एवं योग प्रशिक्षिक की आवश्यकता हो वो संस्था के पदाधिकारियों से संपर्क करें। योग प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता द्वारा नि:शुल्क योग शिविर में गुरु वंदना,13 सूर्यनमस्कार मंत्र सहित सामूहिक रूप से अभ्यास कराया गया। योगिंग जॉगिंग, दौड़ दंड बैठक, रोग अनुसार आसन में जैसे ताड़ासन, वृक्षासन, मंडूकासन, वज्रासन, भुजंगासन, त्रिकोणासन, नौकासन, चक्रासन , विभिन्न मुद्राएं, व्यायाम योग एवं मानसिक योग में प्राणायाम, योगनिद्रा, ध्यान, शांति पाठ का अभ्यास हुआ। उपस्थित साधक- संदीप यादव,राकेश यादव, सौरभ गौतम, नेहा सिंह, अंकिता,वर्षा, माया देवी, गीता, पूजा मौर्या,पिंकू सिंह, दिनेश मिश्रा, अजय मिश्रा, राजपाल सिंह भदौरिया, अतुल पांडेय, देवता दीन यादव ,राममिलन, उत्तम मिश्रा, अनुज यादव, सुनील ओझा, अनिका गुप्ता, सुनील शुक्ला, अजय पाल सिंह शिप्रा मिश्रा, रामानुज मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

12 जून को महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष जनपद में

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की मा0 उपाध्यक्ष चारु चौधरी 12 जून 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से निरीक्षण भवन गेस्ट हाउस में महिला कल्याण विभाग के अधिकारियों व जनपदीय अधिकारियों के साथ महिला उत्पीड़न की समस्याओं से संबंधित बैठक करेंगी तथा जनपद के कतिपय संस्थाओं का निरीक्षण करेंगी।

मोदी सरकार के 11 साल–देश की जनता बद्हाल: ओपी यादव

80 करोड़ जनता को राशन का वितरण प्रतिव्यक्ति आय की खोल रहा पोल

जन एक्सप्रेस । 000

- मंहगाई, बेरोजगारी, अराजकता, सांप्रदायिकता का दंश झेल रहे लोग

सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व जिला शासकीय अधिवक्ता (फौ0) ओपी यादव ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 11 सालों में देश की जनता बद्हाल है। आम आदमी की हालत बद् से बद्तर हो गयी है। 2014 में 15 लाख रूपये हर खाते में भेजने का वादा, 5 करोड़ लोगों को प्रतिवर्ष सरकारी नौकरी देने का वादा 11 वर्षों में पूरा नहीं हो सका। नोटबन्दी के कारण देश को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ा। एक रूपया भी कालेधन के रूप में नहीं पकड़ा गया। जी.एस.टी. का मापदंड आज तक नहीं तय हो सका। कफ़न व बच्चों की पढ़ाई सामग्री में जी.एस.टी. लगाना सरकार की नियत को आईना दिखाती है। कोरोना के समय में सैकड़ो लोग अपने निज आवास पहुँचने की लालसा में जान तक गवां दिए, विकलांग हो गए। कोरोना वैक्सीन आज भी संदेह के घेरे में है। देश में साम्पदायिकता का जहर फैलाया जा रहा है। मंहगाई, बेरोजगारी अराजकता चरम पर है। देश में कोई भी ऐसी परीक्षा नहीं हुई है, जिसके पेपर न लीक हुए हों। रूपये में लगातार गिरावट जारी है। रसोई गैस, डीजल, पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही हैं। पुलवामा व अनंतनाग के आतंकी आज तक नहीं पकड़े गये। 80 करोड़ जनता को फ्री राशन वितरण योजना प्रति व्यक्ति आय की पोल खोल रही है। कृषि कानून के बदलाव व एम.एस.पी. की गारंटी को लेकर आन्दोलन कर रहे सैकड़ों किसानों की मौत की जिम्मेदार भारत सरकार है। अग्निवीर के नाम पर सेना के मनोबल को कमजोर किया जा रहा है। देश की सीमाएँ सुरक्षित नहीं है। संवैधानिक संस्थाओं का दुरूप्रयोग करने में सरकार जरा सा संकोच नहीं करती है। चुनाव आयोग को कठपुतली बनाकर छोड़ा है। किसान, मजदूर, व्यापारी, छात्र, नौजवान सभी वर्ग के लोग परेशान है। मोदी सरकार को समझना चाहिए कि न तेरा है, न मेरा है, ये हिन्दुस्तान सबका है, नहीं समझी गयी, ये बात तो नुकसान सबका है। श्री यादव ने कहा कि जब कश्ती साबित-ओ-सालिम थी, साहिल की तमन्ना किस को थी, अब ऐसी शिकस्ता कश्ती पर साहिल की तमन्ना कौन करे।

वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

जन एक्सप्रेस/रायबरेली। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ओ0डी0ओ0पी0 प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजनान्तर्गत जनपद में वुडवर्क (काष्ठ कला) ट्रेड में 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://diupmsme.gov.in पर आमंत्रित किये जा रहे हैं। आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक हो तथा आवेदक वुडवर्क के क्षेत्र में कार्य करता हो। चयन उपरांत लाभार्थी को 10 दिवसीय नि:शुल्क प्रशिक्षण तथा टूलकिट प्रदान किया जायेगा। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य ने बताया कि योजनान्तर्गत पात्रता हेतु आवेदन करने की तिथि को प्रशिक्षार्थी की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। प्रशिक्षार्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए। शैक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नहीं है। उन्होंने बताया कि आवेदक द्वारा केन्द्र तथा राज्य सरकार की किसी योजनान्तर्गत उत्पाद से सम्बन्धित टूलकिट का लाभ विगत 02 वर्षों में न प्राप्त किया हो। आवेदक अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य को योजनान्तर्गत केवल एक बार ही लाभान्वित किया जायेगा।

डब्ल्यूटीस फाइनल-

ऑस्ट्रेलिया के 4 बैटर्स 67 के अंदर आउट

यानसन ने लाबुशेन को पवेलियन भेजा, ख्वाजा-ग्रीन रबाडा का शिकार बने

लॉर्ड्स (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

बुधवार को मैच का पहला दिन है। पहले सेशन में ऑस्ट्रेलिया ने 66 रन पर 4 विकेट गंवा दिए हैं। स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड क्रीज पर हैं। ओपनर उस्मान ख्वाजा शून्य और कैमरन ग्रीन 4 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को कगिसो रबाडा ने कैच आउट कराया। फिर 18वें ओवर में मार्को यानसन ने मार्नस लाबुशेन को विकेटकीपर काइल वेरियन के हाथों कैच कराया। लाबुशेन 17 रन ही बना सके। ऑस्ट्रेलिया के पास लगातार दूसरा डब्ल्यूटीसी टाइटल जीतने का मौका है। टीम ने 2023 में भारत को हराकर खिताब जीता था। वहीं साउथ अफ्रीका जीती तो टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने वाली तीसरी टीम बनेगी। उनसे पहले न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने टाइटल जीता है। टीम इंडिया 2 बार रनर-अप रही है।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

ऑस्ट्रेलिया - पैट कमिंस (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, ट्रैविस हेड, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), ब्यू वेबस्टर, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लायन।

साउथ अफ्रीका - टेम्बा बावुमा (कप्तान), ऐडन मार्करम, रायन रिकेल्टन, वियान मुल्डर, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरियन (विकेटकीपर), डेविड बेडिंघम, मार्को यानसन, केशव महाराज, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी।

पंजाब किंग्स के क्रिकेटर हरप्रीत बराड़ की पत्नी है डॉक्टर, कर रही मरीजों की सेवा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का खिताब जीतने से पंजाब किंग्स मात्र 6 रन से चूक गई। पंजाब की हार के कारण आरसीबी को 18 साल बाद आईपीएल ट्रॉफी उठाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अहमदाबाद के मैदान पर खेले गए उक्त मुकाबले में दोनों टीमों का उत्साह बढ़ाने के लिए पूरे देश से क्रिकेट फैंस इकट्ठा हुए थे। पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों के फैमिली मैंबर्स ने भी दर्शकों के साथ मिलकर पूरा उत्साह जगाया था। पंजाब किंग्स के स्पिनर हरप्रीत बराड़ की पत्नी मौली संधू ने भी इस बार आईपीएल सीजन में खूब जोश के साथ टीम का उत्साह बढ़ाया था। गैलरी में मौली पंजाब की हर जीत के साथ जश्न मनाते दिख रही थी। अब आईपीएल खत्म होने के बाद मौली अपने पेशे पर लौट आई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की है जिसमें वह मेडिकल कैंप में मरीजों का इलाज करती दिख रही हैं। दरअसल मौली संधू डाक्टर हैं। उन्होंने हरनेक फाऊंडेशन के तहत मेडिकल कैंप लगाया था जिसमें मरीजों की निशुल्क जांच की गई थी। बता दें कि हरप्रीत बराड़ और मॉली संधू की प्रेम कहानी एक आधुनिक और दिलचस्प रोमांस की मिसाल है, जो सोशल मीडिया के माध्यम से शुरू हुई और क्रिकेट के मैदान तक पहुंची। हरप्रीत बराड़ और मॉली संधू की मुलाकात 2023 में सोशल मीडिया पर हुई थी। उस समय मॉली को क्रिकेट में ज्यादा रुचि नहीं थी, लेकिन हरप्रीत से मिलने के बाद उनकी रुचि इस खेल में बढ़ने लगी।

इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में विंडीज का किया क्लीन स्वीप

आखिरी टी-20 में 37 रन से हराया, इंग्लैंड ने घर में टी-20 में बनाया रिकॉर्ड

साउथैम्प्टन (एजेंसी)। बेन डकेट के विस्फोटक 84 रन (46 गेंदों में) की बदौलत इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 37 रन से हराकर टी-20 सीरीज में 3-0 की क्लीन स्वीप की। इससे पहले इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज से वनडे सीरीज भी 3-0 से जीती थी। डकेट ने अपनी पारी में 10 चौके और 2 छक्के जड़े, जिससे इंग्लैंड ने अपने घरेलू मैदान पर अपना संयुक्त-सर्वोच्च टी-20 स्कोर 248/3 का बनाया। साउथैम्प्टन में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट के नुकसान पर 248 रन बनाए। वहीं, 249 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज 8 विकेट के नुकसान पर 211 रन ही बना सकी।

पावर प्ले में इंग्लैंड ने बिना विकेट खोए बनाए 83 रन- टॉस हार कर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत काफी बेहतर रही। ओपनर जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने टीम को अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 53 गेंदों पर 120 रन की साझेदारी हुई।वहीं, पावर प्ले में इंग्लैंड ने बिना विकेट खोए, 83 रन बना लिए थे। इंग्लिश टीम ने 24 गेंद पर ही 50 रन बना लिए थे। इंग्लैंड की ओर से बेन डकेट ने 46 गेंदों पर 84 रन बनाए। वह इंग्लैंड की ओर से टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने अपने 50 रन 20 गेंद पर ही बना लिए थे। वहीं, स्मिथ इंग्लैंड की ओर से दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 26 गेंदों पर 68 रन बनाए। उन्होंने 23 गेंद पर 50 रन बनाए।हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल के बीच चौथे विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी की बकेट और स्मिथ के अलावा हैरी ब्रूक और जैकब बेथेल के बीच भी 50 से ज्यादा रनों की साझेदारी हुई। दोनों के बीच 31 गेंदों पर नाबाद 70 रन की साझेदारी हुई। जैकब ने 16 गेंदों पर नाबाद 36 रन और हैरी ब्रूक ने नाबाद 35 रन बनाए।वेस्टइंडीज की ओर से गुडाकेश मोटी, अकील हुसैन और शेरफेन फोर्ड ने 1-1 विकेट लिए।

वेस्टइंडीज की रही खराब शुरुआत

इंग्लैंड की ओर से रखे गए 249 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने 119 रन के कुल स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर ईविन लुईस और जॉनसन चार्ल्स 9-9 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद शिमरोन हेटमायर ने 8 गेंदों पर 26 रन बनाए जिसमें 3 चौके और एक छक्का शामिल था। कप्तान शाई होप ने 27 गेंदों पर 45 रन की पारी खेली। वहीं, रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों पर नाबाद 79 रन की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से लुक वुड सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 31 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि आदिल रसिद को 2 विकेट मिले। उन्होंने 4 ओवर में 30 रन दिए।

श्रेयस अय्यर के समर्थन में सौरव गांगुली, इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हे चुना जाना था

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर को बाहर करने के पक्ष में नहीं थे। श्रेयस पिछले एक साल से शानदार फॉर्म में हैं और वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल)2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक ले गए और टीम के लिए शीर्ष स्कोरर बनकर उभरे हैं। गांगुली का मानना ??है कि श्रेयस को उनके मौजूदा फॉर्म के आधार पर चुना जाना चाहिए था। गांगुली ने रेवस्पोर्ट्ज से कहा, पिछले एक साल में वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेल रहा है और उसे इस टीम में होना चाहिए था। पिछला एक साल उसके लिए शानदार रहा है। वह ऐसा खिलाड़ी नहीं है जिसे बाहर रखा जाए। वह अब दबाव में रन बना रहा है, जिम्मेदारी ले रहा है और शॉर्ट बॉल को अच्छी तरह खेल रहा है। हालांकि टेस्ट क्रिकेट अलग है, लेकिन मैं उसे इस सीरीज में शामिल करता, ताकि देख सकूं कि वह क्या कर सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज की शुरूआत 20 जून से हेडिंग्ले में पहले मैच से शुरू होगी। पांच मैचों की सीरीज विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत होगी। यह सीरीज भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्व है क्योंकि रविचंद्रन अश्विन, विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट से संन्यास के बाद अब कप्तानी शुभमन गिल और उप-कप्तानी ऋषभ पंत के हाथों में है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि भारत इंग्लैंड के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम - शुबमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद। सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव

16वां डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट

मार्टिन नें बनाई एकल बढ़त , हिमल ठीक पीछे

इटली (एजेंसी)। इटली के विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रसिद्ध डोलोमाइट्स पर्वतमाला में स्थित फोर्नी दी सोपरा में 16वें डोलोमिटी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट का आधा पड़ाव अब पार हो गया है टूर्नामेंट के पांचवें राउंड के बाद बुल्गारिया के टॉप सीड ग्रांड मास्टर मार्टिन पेट्रोव चार जीत और एक ड्रॉ के साथ 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त पर पहुँच गए है ।

जबकि भारत के इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन भारत के अगले ग्रांड मास्टर बनने की राह मे कदम बढ़ाते हुए 3 जीत और 2 ड्रॉ के साथ 4 अंक बनाते हुए सयुंक्त दूसरे स्थान पर है , हिमल जिनकी वर्तमान रेटिंग 2490 है फिलहाल अपनी रेटिंग मे 2 अंक और जोड़ चुके है और जबकि वह टूर्नामेंट में खेल रहे दोनों ग्रांड मास्टर्स से खेल चुके है उम्मीद है वह अपनी रेटिंग में बचे हुए चार राउंड में और अंक जोड़ेंगे और ग्रांड मास्टर बनने के लिए महत्वपूर्ण औपचारकिता 2500 अंक के आंकड़े को छू सकते है ।

पांचवें राउंड के प्रमुख परिणाम कुछ इस प्रकार रहे

पहले बोर्ड पर इंटरनेशनल मास्टर हिमल गुसेन नें ग्रीस के ग्रांड मास्टर वासीलोस कोटरोनियस से ड्रॉ खेला , जबकि दूसरे बोर्ड पर टॉप सीड ग्रांड मास्टर बुल्गारिया के मार्टिन पेट्रोव नें ग्रीस की महिला फीडे मास्टर ग्रापासा जॉर्जिया को पराजित करते हुए अपनी चौंथी जीत दर्ज की ।
तीसरे बोर्ड पर रोमानिया के माडलीन अंडरोनेसकू नें इटली के लोरेंजों टेल्लारिणी को मात दी ।
महिला खिलाड़ियों में पांचवें बोर्ड पर रोमानिया की महिला फीडे मास्टर एकेटरीना पिरवुलेसकू नें इटली के मार्को लोजजा को पराजित किया तो छठे बोर्ड पर कोलंबिया की महिला इंटरनेशनल मास्टर एंजेला फ़रांकों नें इटली के लियोनार्डो बुड़ाई को मात देते हुए जीत दर्ज की ।

निकोलस पूरन को संन्यास के एक दिन बाद मिली बड़ी जिम्मेदारी, एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान बने

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले वेस्टइंडीज के स्टार बल्लेबाज निकोलस पूरन को मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के आगामी सत्र के लिए एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। 29 वर्ष के पूरन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली थी।

एमएलसी का पहला सत्र जीतने वाली टीम ने एक्स पर लिखा, 'हमारी टीम का नया कमांडर होगा कप्तान निकोलस पूरन। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की मालिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की टीम ने लिखा, 'बाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज दुनिया के सबसे खतरनाक बल्लेबाजों में से है। अपने करियर के शिखर पर बैठे पूरन टीम को अपनी कप्तानी से नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

पूरन ने 2023 एमएलसी सत्र में 388 रन बनाए थे। तीसरा सत्र बृहस्पतिवार से शुरू होगा। एमआई न्यूयॉर्क में क्विंटोन डिकॉक, कीरान पोलार्ड और राशिद खान जैसे सितारे भी हैं। वेस्टइंडीज के लिए 106 टी20 मैच खेल चुके पूरन ने 136.39 की स्ट्राइक रेट से 2275 रन बनाए हैं। उन्होंने 61 वनडे खेलकर 99.15 की स्ट्राइक रेट से 1983 रन बनाए हैं।

पूरन ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का पूरा सत्र खेलने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए खुद को कैरेबियाई टीम में चयन से बाहर रखा था। विश्व कप 2023 क्वालीफायर से वेस्टइंडीज के बाहर होने के बाद से उन्होने वनडे क्रिकेट नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के लिए उन्होंने आखिरी मैच दिसंबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

प्रो लीग में लगातार दो हार के बाद अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा भारत

एम्सटेलवीन (एजेंसी)। लगातार दो मैच हार चुकी भारतीय पुरूष हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ बुधवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण के अगले मैच में आखिरी मिनटों में गोल गंवाने और पेनल्टी कॉर्नर तब्दील नहीं कर पाने की अपनी कमजोरी से पार पाना होगा। भारतीय टीम के लिये यूरोप चरण की शुरूआत खराब रही और उसे नीदरलैंड ने पहले दो मैचों में 2.1 और 3.2 से हराया। दोनों मैचों में भारत ने बढत बनाने के बाद आखिरी मिनटों में गोल गंवाए। इसके अलावा भारत को पेनल्टी कॉर्नर भी बेहतर करना होगा।

पिछले मैच में नौ में से एक पेनल्टी कॉर्नर को ही भारतीय टीम गोल में बदल सकी। अभी इस चरण में छह मैच खेले जाने बाकी हैं और भारत 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। प्रो लीग के जरिये अगले साल होने वाले विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश में जुटी भारतीय टीम को बाकी मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन करना होगा। अब भारत को अर्जेंटीना से दो मैच खेलने हैं जिसके बाद आस्ट्रेलिया और फिर बेल्जियम का सामना करना होगा।

कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा,

'हमें पता है कि अर्जेंटीना के खिलाफ कड़ी चुनौती होगी। टीम काफी मेहनत कर रही है और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना मजबूत टीम है और इस स्तर पर कोई मैच आसान नहीं होता। दोनों टीमों के बीच खेले गए मुकाबलों में भारत का पलड़ा भारी रहा है। पेरिस ओलंपिक में दोनों टीमों का मुकाबला ड्रॉ रहा था। प्रो लीग 2023-24 में भारत ने अर्जेंटीना को दो बार हराया था और दूसरी जीत शूटआउट में मिली थी।

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम पूरी तरह से तैयार हैं। हमने इस टूर्नामेंट की काफी तैयारी की है और कई संयोजन आजमाए। हमें अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को प्रो लीग में एकमात्र पराजय 2022 में भुवनेश्वर में मिली थी। भारतीय कप्तान ने कहा, 'टीम का अर्जेंटीना के खिलाफ अच्छा रिकॉर्ड है लेकिन हम कुछ भी हलके में नहीं ले रहे। ये नतीजे अतीत के हैं और हमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करने के लिये अभी अच्छा खेलना है। हम मेहनत कर रहे हैं और हमें अच्छे प्रदर्शन का यकीन है।

अय्यर की कप्तानी वाली मुंबई फाल्कन्स टी20 मुंबई लीग के फाइनल में

12 जून को खिताबी मुकाबला

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर की एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स ने आकाश पारकर के शानदार खेल और ईशान मुलचंदानी के शानदार अर्धशतक की बदौलत बांद्रा ब्लास्टर्स पर 5 विकेट से जीत दर्ज कर टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। फाइनल में उनका सामना गुरुवार को मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स से होगा जो 12 जून को मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

दूसरे सेमीफाइनल में पहले बल्लेबाजी करते हुए बांद्रा ब्लास्टर्स ने 130 रन बनाए जिसमें ध्रुमिल मटकर (34) और आकाश आनंद (31) ने सबसे ज्यादा रन बनाए जबकि एसओबीओ मुंबई फाल्कन्स के लिए आकाश पारकर ने तीन विकेट चटकाए। इसके बाद फाल्कंस ने सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी के नाबाद 52 रन के बाद आकाश पारकर (32) और अंगकृष रघुवंशी (27) की तेज पारी की बदौलत पांच ओवर शेष रहते आराम से लक्ष्य हासिल कर लिया और फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

इससे पहले पहले सेमीफाइनल में कप्तान सिद्धेश लाड के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज रोहन राजे के 5 विकेट की बदौलत मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स ने मंगलवार को यहां वानखेड़े स्टेडियम में ईगल थाने स्ट्राइकर्स पर 8 विकेट से व्यापक जीत के साथ टी20 मुंबई लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश किया। काफी मूवमेंट और उछाल वाली पिच पर राजे ने परिस्थितियों का शानदार फायदा उठाया और 5/40 के आंकड़े हासिल

किए टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए स्ट्राइकर्स को लय हासिल करने में संघर्ष करना पड़ा।

बाएं हाथ के स्पिनर आदित्य धूमल के समर्थन से राजे ने शीर्ष और मध्य क्रम को तहस-नहस कर दिया जिससे 10 ओवर में ही उनका स्कोर 57/4 हो गया। साईराज पाटिल (41) और कप्तान अथर्व अंकोलेकर (नाबाद 34) ने 43 रनों की साझेदारी कर कुछ समय के लिए पारी को संभाला, लेकिन राजे की एक और पारी ने पलड़ा भारी कर दिया। तेज गेंदबाज ने पाटिल, विनय कुंवर और शशांक अत्तारदे को जल्दी-जल्दी आउट कर यादगार 5 विकेट चटकाए।

132 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सतर्क शुरुआत की। शुरुआती सफलता तब मिली जब साहिल जाधव साईराज पाटिल की इनस्विंगर को गलत समझ बैठे और बोल्ड हो गए। लेकिन लाड ने अपनी खास संयमता के साथ पारी को संभाला। उन्होंने चिन्मय सुतार (19) के साथ 48 रनों की साझेदारी की, जो अत्तारदे की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में समाप्त हो गई। लाड ने हार नहीं मानी और सचिन यादव (नाबाद 19) के साथ मिलकर दोनों ने 55 रनों की अटूट साझेदारी की और 13 गेंदें शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान 52 गेंदों पर 74 रन बनाकर नाबाद रहे जिसमें 9 चौके और एक छक्का शामिल था और ऑफ-साइड में शानदार ड्राइव के साथ विजयी शॉट लगाया। इस जीत के साथ मराठा रॉयल्स अपने कप्तान और स्टार पेसर के नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन की बदौलत फाइनल में पहुंच गई।

अगले महीने से शुरू होने वाले 2025-26 के खरीफ सीजन के दौरान अनाज उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है। इसकी प्रमुख वजह मानसून की बारिश सामान्य से अधिक रहने का पूर्वानुमान है। देश का अनाज उत्पादन रिकॉर्ड 16.80 करोड़ टन तक पहुंच गया है। -शिवराज सिंह चौहान

विचार एक्सप्रेस

इंदिरापुरम के रेहड़ी पटरी वालों का प्रदर्शन...
ट्रांस हिंडन परिक्षेत्र के इंदिरापुरम स्थित वार्ड 81 के रेहडी पटरी वाले सड़कों पर उतर आए और जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद धीरज अग्रवाल के द्वारा दमनकारी नीति अपनायी जा रही है। जबकि पार्षद इसे निगम की अतिक्रमण... ▸ पढ़ें पेज 12 पर...

जन एक्सप्रेस

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा
सुशासन और समर्पण के ग्यारह वर्ष

100 से अधिक रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया गया, बुलेट ट्रेन परियोजना पर कार्य चल रहा है, और वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों की शुरुआत हुई है। यूडीएएन योजना के तहत छोटे शहरों को हवाई संपर्क से जोड़ा गया। अब देश में 150 से अधिक एयरपोर्ट्स कार्यरत हैं। 2014 की तुलना में आधारभूत परियोजनाओं के लिए आवंटित बजट में पांच गुना से अधिक की वृद्धि की गई है। कोरोना महामारी के दौरान घोषित आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल एक नारा नहीं था, बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण था जिसमें उत्पादन, नवाचार, निर्यात और रोजगार सभी शामिल थे।

साल 2014 में जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तब देश एक निर्णायक नेतृत्व की तलाश में था। आर्थिक अनिश्चितता, नीतिगत पंगुता और भ्रष्टाचार के मामलों ने जनता को निराश कर दिया था। ऐसे समय में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्रीय मंच पर एक उम्मीद की किरण बनकर उभरे। एक चाय बेचने वाले से लेकर देश के शीर्ष नेतृत्व तक का उनका सफर न केवल प्रेरणादायक रहा है, बल्कि यह उस विश्वास और प्रतिबद्धता की कहानी है जो उन्होंने देश की जनता के साथ साझा की। पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। चाहे वह आधारभूत ढांचा हो, आर्थिक विकास, गरीब कल्याण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, युवाओं का सशक्तिकरण या फिर वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 वर्ष के कार्यकाल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है-भ्रष्टाचार से मुक्त शासन। इतने लंबे समय तक शीर्ष पद पर रहने के बावजूद मोदी पर व्यक्तिगत स्तर पर कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा, जो भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है। उनके नेतृत्व में सरकार ने %%न खाऊंगा, न खाने दूंगा%% के सिद्धांत पर चलते हुए प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यक्षमता को प्राथमिकता दी। एक और उल्लेखनीय पहल यह रही कि मोदी सरकार ने राजनीतिक स्थिरता के साथ निर्णायक शासन का उदाहरण प्रस्तुत किया। तीन बार लगातार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाकर नरेन्द्र मोदी ने यह साबित किया कि यदि नेतृत्व जनविश्वास अर्जित कर सके तो लोकतंत्र में लंबी स्थिरता संभव है। प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई)- गरीबों को पक्के मकान देने के वादे को जमीन पर उतारते हुए सरकार ने अब तक 4 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया है। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं के नाम पर रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देती है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बल मिला। आठ करोड़ से अधिक बीपीएल परिवारों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन देकर सरकार ने न केवल महिलाओं की स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में बड़ा कदम उठाया, बल्कि स्वच्छ ईंधन के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया। हर घर जल अभियान के तहत 14 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल की सुविधा पहुंचाई गई। इससे न केवल ग्रामीण महिलाओं को राहत मिली, बल्कि स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार भी हुआ। साल 2014 में खुले में शौच मुक्त भारत का सपना देखते हुए शुरू किए गए इस मिशन के तहत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण हुआ। यह न केवल स्वच्छता की दिशा में क्रांति साबित हुई, बल्कि सामाजिक गरिमा का प्रतीक भी बनी। डिजिटल इंडिया केवल एक अभियान नहीं रहा, यह देश की अर्थव्यवस्था और प्रशासन में क्रांतिकारी बदलाव का आधार बना। मार्च 2025 में अकेले 1,830 करोड़ डिजिटल ट्रांजेक्शन हुए जिनका मूल्य 24.77 लाख करोड़ रुपये रहा। यह विश्व स्तर पर भारत की अग्रणी स्थिति को दर्शाता है। अब तक 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी गई, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हुआ। देश के हर कोने में 4जी और अब 5जी नेटवर्क की पहुंच, ग्रामीण भारत को डिजिटल रूप से जोड़ने में सफल रही है। प्रधानमंत्री मोदी का एक बड़ा फोकस रहा है-विश्व स्तरीय आधारभूत ढांचे का निर्माण। 2014 के बाद से अब तक 90,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण हुआ।

एक्सप्रेस आलेख

संस्कृत भाषा की उत्पत्ति, द्रविड़ भाषाओं के विकास और हड़प्पावासियों की भाषा पर भी अब नए सिरे से अध्ययन हो रहे हैं। यह केवल पुरातत्व नहीं, राष्ट्र की आत्मा की खोज है। 2012 में वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 धरोहर स्थलों में शामिल किया जो विनाश के कगार पर हैं। अफगानिस्तान का मेस आयनाक, चीन का काशगर और थाईलैंड का अयुथ्या भी इस सूची में शामिल हैं। भारत में अकसर पुरातत्व स्थलों को विकास के नाम पर या अनदेखी की वजह से नुकसान पहुंचता है। राखीगढ़ी का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे पर्यटन केंद्र मात्र बनाना चाहते हैं या शोध की प्रयोगशाला।

राखीगढ़ी : अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम

प्रियंका सौरभ

यह सवाल केवल अतीत को जानने का नहीं है, यह तय करने का भी है कि हम किस अतीत को स्वीकार करते हैं- लादे गए इतिहास को या खोजे गए इतिहास को? राखीगढ़ी केवल मिट्टी में दबा कोई पुराना नगर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की उस जड़ का नाम है जिसे सदियों से अनदेखा किया गया।

हरियाणा का राखीगढ़ी गांव हड़प्पाकालीन सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है। यहां मिले 4600 साल पुराने महिला कंकाल, शंख की चूड़ियां और ताम्र नृत्यांगना की प्रतिमा हड़प्पा सभ्यता में स्त्री की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करते हैं। डीएनए विश्लेषण ने आर्य आक्रमण सिद्धांत पर सवाल उठाए हैं और भारत की सांस्कृतिक निरंतरता को सिद्ध किया है। राखीगढ़ी अब केवल एक पुरातात्विक खोज नहीं, बल्कि भारत के अतीत की आत्मा से संवाद का जीवंत माध्यम है। राखीगढ़ी हिसार जिले का सामान्य और आम गांव है। अब यह गांव वैश्विक पुरातात्विक विमर्शों का केंद्र है। 1997-99 के दौरान यहां हुए उत्खनन ने राखीगढ़ी को हड़प्पाकालीन सभ्यता के सबसे बड़े स्थलों में शुमार किया। 2012 में विश्व विरासत कोष की 'खतरे में पड़ी धरोहरों' की सूची में इसकी उपस्थिति ने वैश्विक ध्यान खींचा। इसके बाद यहां मिले एक महिला के 4600 वर्ष पुराने कंकाल, उसके बाएं हाथ में शंख की चूड़ियां, और ताम्र की बनी एक नृत्यांगना की प्रतिमा ने इतिहास और पुरातत्व के स्थापित आख्यानों को चुनौती देनी शुरू की। राखीगढ़ी से मिला स्त्री कंकाल सिर्फ एक पुरातात्विक खोज नहीं है, यह उन असंख्य मौन स्त्रियों की प्रतीकात्मक उपस्थिति है, जिन्हें सभ्यता की कहानी से सदा बाहर रखा गया। यह कंकाल लगभग 4600 वर्ष पुराना है और अद्भुत रूप से संरक्षित अवस्था में मिला। उसकी बायीं कलाई पर शंख की चूड़ियां मिलीं। यह उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतीकों की ओर संकेत करती है। डीएनए विश्लेषण से यह पता चला कि इस महिला के आनुवंशिक संबंध प्राचीन ईरानियों और दक्षिण-पूर्व एशियाई शिकारी-संग्राहकों से तो हैं, लेकिन स्टेपी चरवाहों से कोई संबंध नहीं है-जिनसे अकसर भारत में आर्यों के आगमन को जोड़ा जाता है। यह निष्कर्ष आर्य आक्रमण सिद्धांत को बड़ा झटका देता है और यह संकेत देता है कि भारतीय उपमहाद्वीप में सांस्कृतिक विकास अपनी निरंतरता में हुआ। मोहनजोदड़ो की विश्वप्रसिद्ध कांस्य नर्तकी की तरह राखीगढ़ी से मिली ताम्र प्रतिमा को डांसिंग गर्ल कहा जा रहा है। यह मूर्ति न केवल सौंदर्यबोध और कलात्मकता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि उस काल में नारी की उपस्थिति सांस्कृतिक और सार्वजनिक जीवन में कितनी सशक्त रही होगी। यह मान्यता को चुनौती देती है कि प्राचीन सभ्यताओं में स्त्रियां केवल घरेलू क्षेत्र में सीमित थीं। कंकाल मिलने के स्थल पर अग्निवेदिकाओं के अवशेष भी मिले हैं, जो यह संकेत करते हैं कि शवदाह की परंपरा उस समय भी प्रचलित थी। अग्नि, जिसे वैदिक परंपरा में शुद्धिकरण और संस्कार का प्रतीक माना गया है, उसका हड़प्पा काल में इतना महत्वपूर्ण स्थान होना यह दर्शाता है कि वैदिक और हड़प्पा परंपरा एक-दूसरे से पूर्णतः असंबंधित नहीं थीं। कुछ विद्वान मानते हैं कि महाभारत युद्ध लगभग 5000-5500 वर्ष पूर्व हुआ था। यदि यह मान लिया जाए तो राखीगढ़ी की स्थापना इस युद्ध से पहले की मानी जा सकती है। एक किंवदंती यह भी है कि महाभारत युद्ध में वीरगति को प्राप्त सैनिकों की विधवाएं यहीं शरण लेने आई थीं, और यही से इस स्थान का नाम राखीगढ़ी पड़ा। राख यानी मृत्यु की राख, और गढ़ी यानी शरण। ऐसी मिथकीय व्याख्याएं ऐतिहासिक सत्य नहीं हैं, परंतु वे यह दर्शाती हैं कि स्थानीय जनमानस में राखीगढ़ी की सांस्कृतिक स्मृति कितनी गहरी है। राखीगढ़ी से मिले कंकाल का जीनोमिक विश्लेषण केवल पुरातत्व नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास-लेखन में एक बड़ा मोड़ है। स्टेपी डीएनए की अनुपस्थिति सीधे उस विचारधारा को चुनौती देती है जिसने लंबे समय तक आर्य आक्रमण को भारत में सभ्यता के आगमन का कारण बताया। इस अध्ययन ने इतिहास, नृविज्ञान और भाषाविज्ञान के विशेषज्ञों को एक बार फिर यह सोचने पर विवश किया है कि क्या आर्य बाहर से आए थे या यहीं के थे? क्या वैदिक संस्कृति और हड़प्पा संस्कृति में कोई टकराव नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक प्रवाह था? राखीगढ़ी के यह निष्कर्ष अब एनसीईआरटी जैसे शैक्षिक निकायों के पाठ्यक्रम में भी दिखाई दे रहे हैं। हड़प्पा सभ्यता को अब केवल एक अतीत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की निरंतरता के रूप में पढ़ाया जा रहा है। संस्कृत भाषा की उत्पत्ति, द्रविड़ भाषाओं के विकास और हड़प्पावासियों की भाषा पर भी अब नए सिरे से अध्ययन हो रहे हैं। यह केवल पुरातत्व नहीं, राष्ट्र की आत्मा की खोज है। 2012 में वर्ल्ड मॉन्यूमेंट फंड ने राखीगढ़ी को एशिया के उन 10 धरोहर स्थलों में शामिल किया जो विनाश के कगार पर हैं। अफगानिस्तान का मेस आयनाक, चीन का काशगर और थाईलैंड का अयुथ्या भी इस सूची में शामिल हैं। भारत में अकसर पुरातत्व स्थलों को विकास के नाम पर या अनदेखी की वजह से नुकसान पहुंचता है। राखीगढ़ी का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इसे पर्यटन केंद्र मात्र बनाना चाहते हैं या शोध की प्रयोगशाला। यह सवाल केवल अतीत को जानने का नहीं है, यह तय करने का भी है कि हम किस अतीत को स्वीकार करते हैं-लादे गए इतिहास को या खोजे गए इतिहास को? राखीगढ़ी केवल मिट्टी में दबा कोई पुराना नगर नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की उस जड़ का नाम है जिसे सदियों से अनदेखा किया गया। डीएनए विश्लेषणों ने न केवल आर्य आक्रमण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की है, बल्कि भारत के भीतर एक जैविक-सांस्कृतिक निरंतरता की पुष्टि भी की है। सच यह है कि राखीगढ़ी हमारे अतीत की वह भूली हुई स्त्रीगाथा है, जिसे अब इतिहास की मुख्यधारा में स्थान मिलना चाहिए।

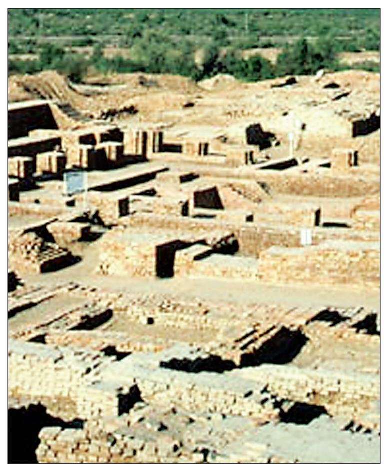

डीएनए विश्लेषणों ने न केवल आर्य आक्रमण सिद्धांत की पुनर्व्याख्या की है, बल्कि भारत के भीतर एक जैविक-सांस्कृतिक निरंतरता की पुष्टि भी की है। सच यह है कि राखीगढ़ी हमारे अतीत की वह भूली हुई स्त्रीगाथा है, जिसे अब इतिहास की मुख्यधारा में स्थान मिलना चाहिए।

आज का पंचांग

किसी भी शुभ कार्य को करने के लिए सही मुहूर्त, सही समय, और सही नक्षत्र का होना जरुरी होता है, आज हम आपको आज के दिन का सही समय जो की सही कार्य करने का है, और आज कब कौन सी दशा कौन से टाइम में चल रही है उसका समुचित विवरण हिन्दू कैलेंडर और हिन्दू पंचांग के अनुसार दे रहे है, आज आपका दिन मंगलमयी रहे, यही शुभकामना है। आज का दिन शुभ कार्य के लिए सही कार्य है या नहीं आज के चौघड़िया के अनुसार जानें। अगर आप आज वाहन खरीदने का विचार कर रहे हैं या आज कोई नया व्यापार आरंभ करने जा रहे हैं, गृह प्रवेश कर रहे हैं, गृह निर्माण कर रहे है, प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं, या कोई अन्य शुभ कार्य करने के लिए सोच रहे है तो पहले यहाँ सही समय देख लें, आपका कार्य शुभ और सफल होगा, यही हमारी ओर से शुभ मंगल कामना है।

तिथिः	प्रतिपदा 14:25 तक
नक्षत्रः	मूल 21:47 तक
पक्षः	कृष्ण
वारः	गुरुवार
योगः	शुभा, 13:54
सूर्योदयः	05:34
सूर्यास्तः	19:53
चंद्रमाः	धनु राशि में
राहुकालः	12:13-13:53
विक्रमी संवत्ः	2082
शक सम्वतः	1944
मासः	आषाढ़
शुभ मुहूर्तः	11:47-12:40

जन एक्सप्रेस

है मचा बवाल !

लेकर के सुरक्षा को ।
है मचा बवाल ।।
मौसम है चुनावी ।
मचा है बवाल ।।
रस्साकस्सी चल रही ।
कौन जिम्मेदार ?
हर तरफ से हो रहे ।
शब्दों के प्रहार ।।
ना दो मुझे सुरक्षा ।
बात निकल कर आई ।।
हरकतों से ऐसी ।
होती जगहंसाई ।।
रहें सब महफ़ूज़ ।
हो काम इस प्रकार ।।
रहें सब सुरक्षित ।
जो सबका अधिकार ।।

- कृष्णेन्द्र राय

एक्सप्रेस कविता

होश नहीं जिंदगी किधर सफर किधर
कुछ दर्द मिले जिनका हुआ ऐसा असर।
दिल चाहे ना चाहे तुम्हें आना ही पड़ेगा
ठहरी हुई है दरवाजे पर उम्मीदें सफर।
ये राहें सफर है तुम उस पार खड़े हो
हमें हासिल अंगारों पर चलने का हुनर।

जागी हुई आंखों में है डूबा हुआ सूरज
ख्वाबों की नगरी में सितारों का नगर।
यह सच है कि मिलना मुकद्दर में नहीं
यह सच है हमें उनसे है मोहब्बत मगर।
रात कट जाती है सलवटों करवटो के संग
संजीव दिन में समय काटना है मुसीबत मगर।

संजीव ठाकुर

एक्सप्रेस ज्ञान

मुश्किलें हर किसी के जीवन में आती है आप उससे आगे कैसे बढ़ते हो वो आपके ऊपर है

एक्सप्रेस स्वास्थ्य

बर्फ के पानी में अपना चेहरा डुबोते समय इन गलतियों से बचना चाहिए?

चेहरे की स्किन को तरोताजा और चमकदार बनाए रखने के लिए कई लोग कुछ खास घरेलू नुस्खों को अपनाते हैं। इन्हीं होम रेमेडी में से एक चेहरे को आइस वॉटर यानी बर्फ के पानी में डुबोना भी शामिल है। स्किन के लिए आइस वॉटर ट्रीटमेंट काफी फायदेमंद होता है, क्योंकि ये आपके स्किन के पोरस्ट को टाइट करका है, स्किन को ठंडक देता है, सूजन को कम करता है और चेहरे को तरोताजा करता है। लेकिन, अगर आपने आइस वॉटर ट्रीटमेंट गलत तरीके से लिया तो ये न सिर्फ आपकी स्किन को डैमेज कर सकता है, बल्कि स्किन से जुड़ी कई समस्याओं का कारण बन सकता है।

चेहरे को बहुत देर तक बर्फ वाले पानी में रखना: आई वॉटर में अपना चेहरा डुबोने के दौरान यह सबसे आम गलती होती है, जो अक्सर लोग कर बैठते हैं। बहुत देर तक चेहरे को बर्फ वाले पानी में डुबोने से आपकी स्किन सुन्न हो सकती है और ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित हो सकता है। इस कारण आपकी स्किन पर जलन, ड्राईनेस और जलने जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं। इसलिए, आप बर्फ के पानी में हर डिप 10 से 15 सेकेंड तक ही रखें और हर डिप से पहले थोड़ा-थोड़ा ब्रेक लें।

बर्फ को सीधे स्किन पर लगाना: कई लोग आइस वॉटर डिप के स्थान पर सिर्फ बर्फ को अपने चेहरे पर रगड़ते हैं, जिससे स्किन डैमेज हो सकती है। इससे स्किन की बाहरी परत को ठंड से नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे स्किन रैशेज, जलन या फ्रीजर बर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए, अगर आप अपने चेहरे पर बर्फ का टुकड़ा लगाना चाहेत हैं तो किसी साफ कपड़े में लेपटकर तब अपने हल्के हाथों से इसका इस्तेमाल करें।

सेंसिटिव या एक्ने वाली स्किन पर आइस वॉटर का इस्तेमाल: अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है या उस पर एक्ने है तो आइए वॉटर का सीधा संपर्क आपकी स्किन की कंडीशन को और ज्यादा खराब कर सकता है। इसलिए सेंसिटिवी या एक्ने वाली स्किन के लिए आप आइस वॉटर के स्थान पर सिर्फ ठंडे पानी में अपना चेहरा डिप कर सकते हैं।

आइस वॉटर ट्रीटमेंट के बाद मॉइस्चराइजर न लगाना: बर्फ वाला पानी स्किन के पोर्स को टाइट करता है, लेकिन यह स्किन की नमी भी छीन सकता है, अगर आप आइस वॉटर में अपने चेहरे को डिप करने के बाद मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो स्किन ड्राई और खिंची-खिंची महसूस हो सकती है। इसलिए, आप हर बार आइस वॉटर ट्रीटमेंट के बाद अपनी स्किन पर हल्का और हाइड्रेटिंग मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं, ताकि त्वचा की नमी बनी रहे।

बहुत ज्यादा बार आइस वॉटर का इस्तेमाल करें: कुछ लोग सोचते हैं कि दिन में कई बार आइस वॉटर से चेहरा धोने या डुबोने से स्किन ज्यादा निखरने लगेगी, लेकिन बार-बार ठंड का प्रभाव पड़ने से स्किन को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए, आप एक दिन में सिर्फ एक या दो बार ही आइस वॉटर ट्रीटमेंट लें और इससे ज्यादा बार लेने से बचें।

एक्सप्रेस विशेष

राष्ट्रीय एकता का सूत्र अद्वैत

हृदयनारायण दीक्षित

आचार्य शंकर ने सनातन धर्म के सभी संप्रदायों का वैदिक दृष्टि से शुद्धिकरण किया। हिन्दू धर्म की कथित विभाजित प्रवृत्तियों को समन्वित रूप दिया। एक नया इतिहास गढ़ा। वे प्रयाग भी गए और वाराणसी भी। आचार्य शंकर प्रयाग से वाराणसी तक सात दिन में पहुंचे थे।

परम पूर्ण तत्व को अलग-अलग विभाजित देखना भ्रम है और एकात्म देखना सत्य है। आचार्य का जैन मतावलंबियों से भी शास्त्रार्थ हुआ और उन्होंने उनको भी अद्वैत से सहमत कराया। बौद्ध मतावलंबियों का प्रभुत्व अभी कम नहीं था। अनेक बौद्ध विद्वानों ने वैदिक धर्म स्वीकार कर लिया। वह जगन्नाथ पुरी भी गए। मगध मार्ग से जाते मगधपुर, यमस्तपुर आदि अनेक नगरों में बौद्धों का बहुमत रहा है।

जीवन संघर्ष नहीं है। संघर्षपूर्ण जीवन तनाव देता है। पूरे जीवन को संघर्ष मानने का मूल द्वैतवाद है। द्वैतवाद का अर्थ है कि यहां इस जगत् में दो प्रमुख पक्ष हैं। एक मैं हूं और दूसरा यह संसार। मैं हूं और दूसरे आप। मैं और तुम दो हैं। आध्यात्मिक तल पर ईश्वर एक है, दूसरा मैं हूं। भक्त और भगवान दो हैं। प्रकृति में प्रकाश और अंधकार का द्वैत है। शीत और ताप का द्वैत है। सब तरफ दो का दर्शन। सृष्टि में अनेक जीव हैं। वनस्पतियां हैं। सबके रूप भिन्न-भिन्न हैं। जैव विविधता खूबसूरत है। सामाजिक क्षेत्र में पंथिक विभाजन हैं। आर्थिक आधार पर गरीब और धनी में द्वैत है। जाति विभाजन में द्वैत है ही। लेकिन भारत में इस द्वैत के भीतर अद्वैत के दर्शन का विकास हुआ। अद्वैत का अर्थ है दो नहीं। दसों दिशाओं में व्याप्त एक ही परम तत्व भिन्न-भिन्न रूपों में रूप प्रतिरूप हो रहा है। पूरे अस्तित्व को एक जानने की अनुभूति ऋग्वेद के रचनाकाल में प्रकट हुई। उपनिषदों में व्यापक हुई। ब्रह्मसूत्रों में सिद्धांत बनी। बादरायण ने व्यवस्था दी। शंकराचार्य ने अद्वैत दर्शन का अभियान बनाया। रूप, लिंग, कुल, वंश, विश्वास, पंथ के आधार पर विभक्त समाज को अविभक्त देखने की दृष्टि अद्वैत कही गई। यह दर्शन निर्विकल्प है। शंकर के अद्वैत का मूल अर्थ है इस अस्तित्व का प्रत्येक रूप और अंश उस एक ब्रह्म का ही रूप है। बृहदारण्यक उपनिषद में बहुत खूबसूरत ढंग से पूर्ण का अर्थ समझाया गया है। ऋषि कहते हैं, %%यह पूर्ण है। वह पूर्ण है। यह पूर्ण उस पूर्ण का विकास है। पूर्ण में पूर्ण घटाओ तो पूर्ण ही बचता है। पूर्ण से पूर्ण का गुणा करने पर भी पूर्ण पूर्ण ही रहता है।%% बहुत आश्चर्यजनक है यह पूर्ण। इसी पूर्ण के बोध में आनंद ही आनंद है। आचार्य शंकर के शब्दों में कहें तो उपनिषदों का आनंद सत् चित् आनंद है। यही सच्चिदानंद है। आनंद का अपना आनंद है। तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद की मीमांसा की है और बताया है कि मनुष्य की तरुणाई, श्रेष्ठ आचरण, शील और बल संवृद्धि और धरती पर अधिकार यहां आनंद देता है। यहां आनंद के सारे स्रोत भौतिक हैं। ऋषि आगे जोड़ते हैं, %%लेकिन इच्छारहित ज्ञानी को यह आनंद स्वाभाविक रूप से प्राप्त है।%% फिर कहते हैं, %%इस आनंद का 100 गुना आनंद गंधर्व आनंद है। गंधर्व आनंद संस्कृति का पर्यायवाची है। संस्कृति से जुड़े लोग साधारण मनुष्य की तुलना में 100 गुना आनंद पाते हैं।%% लेकिन यह आनंद भी इच्छाशून्य ज्ञानी को स्वाभाविक रूप से प्राप्त है। आनंद के अनेक तल हैं। फिर पूर्वजों और पितरों के स्मरण को आनंदपूर्ण बताया गया है। यह भी अभिलाषाशून्य ज्ञानी को सहज प्राप्त है। आनंद अभीप्सु है। आनंद सब की प्यास है। कठोपनिषद के ऋषि ने ठीक कहा है कि यह आत्मतत्व प्रवचन से नहीं मिलता और बुद्धि से भी नहीं। शंकराचार्य इसी ज्ञान को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाने में संलग्न थे। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ देश के प्रसिद्ध तीर्थों का दर्शन किया। तीर्थ केन्द्रों पर भी वेदांत विषय पर उन्होंने आमजनों का प्रबोधन किया और कड़ाई के साथ वैदिक परंपरा के विरोधियों की बातों का खंडन किया। उनके दिग्विजय अभियान में दक्षिण में सेतुबंध पहला पड़ाव था। मार्ग में उन्हें अनेक संतों विद्वानों से मिलने का अवसर मिला। उन्होंने विद्वानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। शंकर ने रामेश्वरम में पूजा की। फिर वह पांड्य और चोल क्षेत्रों की ओर बढ़े। जगह-जगह पर शास्त्रार्थ होते थे और वह सदाचरण व वेदांत को श्रेष्ठ बताते रहे। हस्तगिरि पर्वत पर अवस्थित कांचीनगर में आचार्य ने देवी के मंदिर की स्थापना की। फिर वे विदर्भ पहुंचे। राजा ने उनका स्वागत किया। वहां भैरवमातावनुयायियों की संख्या ज्यादा थी। आचार्य ने उन सबके बीच भी वेदांत दर्शन का विचार रखा। कर्नाटक प्रवास में आचार्य का सामना कापालिक मतानुयायियों से हुआ। इस मत का मुखिया आचार्य का विरोधी था। आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन नामक पुस्तक में जयराम मिश्र ने लिखा है, कापालिकों की पराजय हुई। आचार्य शंकर ने स्वयं भी महाकापाली भैरव की स्तुति की। फिर आचार्य पश्चिमी समुद्र के प्रसिद्ध तीर्थ गोकरना पहुंचे। शंकर और नीलकंठ का शास्त्रार्थ हुआ। नीलकंठ और आचार्य के मध्य हुआ प्रश्नोत्तर दर्शन की अमूल्य निधि है। अंततः नीलकंठ ने आचार्य का शिष्यत्व स्वीकार कर लिया। आचार्य शंकर ने शिष्यों के साथ सौराष्ट्र क्षेत्र का भी भ्रमण किया। अनेक स्थानों पर उन्होंने अद्वैत का प्रचार किया। विद्वानों ने उनकी प्रशंसा की। उन्होंने प्रसिद्ध नगरी द्वारिका में प्रवेश किया। यह वैष्णवों का गढ़ था। शंकर के तर्क स्वीकार्य योग्य माने गए। उन्होंने उज्जैनी की यात्रा में भी संवाद बनाया। वे शिष्यों को लेकर महाकाल मंदिर में पूजा अर्चना के लिए भी गए।

गन्ना फसल को बोरर कीटों से बचाने को जिला गन्ना अधिकारी ने जैविक उपायों को अपनाने का दिया सुझाव

- ग्राम पिंजरा वमनपुरी, जगतपुर एवं बरादुनवा में भ्रमण कर किसानों को दी जानकारी

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने बुधवार को ग्राम पिंजरा वमनपुरी, जगतपुर एवं बरादुनवा का दौरा कर खेतों में किसानों से मुलाकात की और गन्ना फसल की सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने बोरर एवं चूसक कीटों से हो रहे संभावित नुकसान की जानकारी दी और किसानों को पारंपरिक रासायनिक कीटनाशकों की बजाय जैविक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने बताया कि जनपद पीलीभीत में गन्ना एक प्रमुख नकदी फसल है,

जिससे लाखों किसान परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है।

परंतु वर्तमान समय में गन्ने की फसल पर बोरर और चूसक कीटों का खतरा मंडरा रहा है।

आमतौर पर किसान इन कीटों के नियंत्रण हेतु रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग करते हैं, जिससे न केवल उत्पादन लागत बढ़ती है, बल्कि मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

जैविक उपायों की दी सलाह

जिला गन्ना अधिकारी ने कहा कि कीट नियंत्रण के लिए जैविक विधियाँ न केवल प्रभावी हैं, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी अनुकूल होती हैं। उन्होंने बोरर कीट नियंत्रण हेतु निम्न जैविक उपायों को अपनाने की सलाह दी

- 1. ट्राईकोकार्ड का उपयोग – प्रति हेक्टेयर 5 कार्ड की दर से 7 से 10 दिन के अंतराल पर खेत में ट्राईकोकार्ड लगाएं। यह लाभकारी परजीवी कीटों की सहायता से बोरर के अंडों को नष्ट करता है।
- 2. फेरोमोन ट्रैप – यह ट्रैप नर बोरर कीटों को आकर्षित कर उन्हें फँसाता है, जिससे मादा कीटों का प्रजनन रुक जाता है और कीटों की संख्या नियंत्रित होती है।
- 3. नीम ऑयल का छिड़काव – 5त्न नीम ऑयल की 5 मि.ली. मात्रा को प्रति लीटर पानी में मिलाकर 10 से 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें।
- 4. फसल अवशेषों का प्रबंधन – कटाई के बाद बचे पौधों को नष्ट करें या खेत की गहरी जोताई करें ताकि कीटों का जीवन चक्र टूटे।

किसानों से की अपील

उन्होंने सभी गन्ना कृषकों से अपील की कि बोरर कीटों के नियंत्रण हेतु जैविक विधियों को अपनाएं और सतत कृषि की दिशा में एक सकारात्मक कदम बढ़ाएं। इस अवसर पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक पीलीभीत, एलएच चीनी मिल से के.बी. शर्मा, संजीव राठी, मनोज पाठक तथा गन्ना किसान जसमेल सिंह, गुरमेल सिंह, काले सिंह किसान उपस्थित रहे।

जैविक विधियों के लाभ भी बताए

श्री भार्गव ने बताया कि जैविक विधियाँ अपनाने से उत्पादन लागत में कमी आती है, फसल की गुणवत्ता और मिठास बनी रहती है, दीर्घकाल में मिट्टी की उर्वरता एवं जल-संरचना सुरक्षित रहती है। साथ ही, परागण करने वाले मित्र कीट जैसे मधुमक्खियाँ भी संरक्षित रहती हैं, जिससे जैव विविधता को बढ़ावा मिलता है।

क्षेत्र में नहीं रुक रहा अवैध खनन, प्रशासन के दावे फुस्स

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

पूरनपुर और कलीनगर क्षेत्र में अंधाधुंध मिट्टी का खनन किया जा रहा है। दिन के अलावा रात में भी डंपर और मिट्टी से भरी ट्रालियां दौड़ाई जाती हैं। प्रशासन भले ही अनुमति पर मिट्टी खनन के दावे कर रहा है लेकिन चोरी छिपे मशीनों से किए जा रहा खनन इसकी पोल खोल रहा है। पूरनपुर नगर और आसपास के क्षेत्र में पिछले लगभग 1 साल से डंपरों से मिट्टी ढूलाई की जा रही है। यह मिट्टी उपजाऊ खेतों से मशीनों से निकलवाई जाती है। इसके अलावा सैकड़ो ट्रॉली भी अवैध खनन कर रही है। प्रशासन डंपर और ट्रालियों से किए जाने वाले खनन की अनुमति होने के दावे कर रहा है लेकिन मडलोडर और जेसीबी मशीनों से की जा रही मिट्टी की खुदाई अनुमति के नियमों का उल्लंघन कर रहीं है। इसके अलावा दिन में मिट्टी खनन की अनुमति होने के बावजूद माफिया रात में भी धड़ल्ले से मिट्टी की खुदाई कर उसे बिक्री कर रहे हैं। जबकि प्रशासनिक अनुमति में रात में मिट्टी खनन प्रतिबंधित है। इसके साथ ही मशीनों से मिट्टी खनन की बात को भी नकारा जा रहा है। बंजर भूमि के बजाय उपजाऊ जमीनों को भी खनन से खोखला किया जा रहा है। महीनों से खनन की सच्चाई तब सामने आई जब बुधवार को कलीनगर तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार को सूचना मिली कि मोहम्मदपुर और भायपुर में मिट्टी खनन मडलोडर मशीन से किया जा रहा है।

> खनन अनुमति के बाद किया जा रहा है। अवैध खनन की शिकायत पर कार्रवाई की जाती है। नायब तहसीलदार ने बुधवार को इसमें कार्रवाई भी की है।
>
> **अजीत प्रताप सिंह, एसडीएम**

- दिन के अलावा रात में भी दौड़ रहे डंपर और ट्रालियां, रात में खनन करने की नहीं मिलती अनुमति

सूचना पर तहसीलदार वीरेन्द्र कुमार मौके पर पहुंच गए। उनके पहुंचने से पहले ही चालक मशीन लेकर भाग गया। धनाराघाट पर तहसीलदार ने मशीन और एक ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़ ली। दोनों वाहन पूरनपुर तहसील परिसर में खड़े कराए गए हैं। इससे पहले भी कई बार मशीनें खनन करते हुए पकड़ी गईं लेकिन इसके बावजूद प्रशासन इन पर अंकुश नहीं लगा पा रहा है। खनन में प्रशासन की मिलीभगत की चर्चा हो रही है।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद, विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने सुनीं जनसमस्याएं

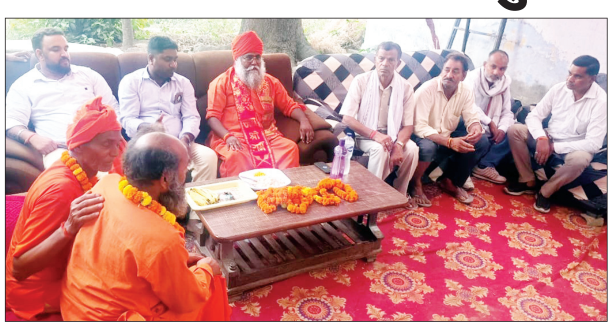

- ग्राम मकतुल के प्राचीन शिव मंदिर पर भव्य भंडारे में उमड़ा जनसैलाब
- भक्ति और सामाजिक एकता का भाव रहा प्रबल

जन एक्सप्रेस। पीलीभीत

बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मकतुल स्थित प्राचीन शिव मंदिर मढ़ी पर बुधवार को एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं और ग्रामीणों का भारी जनसमूह उमड़ पड़ा। यह आयोजन ग्राम निवासी मुलायम सिंह के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें धार्मिक श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखने को मिला।

विशेष आकर्षण के रूप में बरखेड़ा के लोकप्रिय विधायक एवं महामंडलेश्वर स्वामी प्रवक्तानंद महाराज ने भी आयोजन में शिरकत की। उन्होंने मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया और ग्रामवासियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आश्वस्त किया कि बिजली, पानी, सड़क और शिक्षा जैसी मूलभूत समस्याओं के समाधान हेतु प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी।

विधायक ने कहा, जनसेवा ही मेरा धर्म है। जनता से सीधे जुड़ाव ही मेरी राजनीति की शक्ति है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामवासियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

भंडारे के आयोजन में ग्राम प्रधान बाबूराम वर्मा, क्षेत्र पंचायत सदस्य परमेश्वरी दयाल मौर्य, वरिष्ठ शिक्षक मास्टर प्यारेलाल, हरिओम शर्मा सहित ग्राम के अनेक सम्मानित नागरिक मौजूद रहे। आयोजन स्थल पर भक्ति संगीत और हवन-पूजन की गूंज के बीच श्रद्धालु सेवा कार्यों में जुटे रहे।

आयोजनकर्ता मुलायम सिंह एवं उनका पूरा परिवार इस सेवा कार्य में पूर्ण मनोयोग से लगा रहा। भंडारे के सफल आयोजन ने ग्रामवासियों के बीच आपसी एकता, भाईचारे और श्रद्धा की भावना को और अधिक प्रबल किया। ग्रामीणों ने विधायक के प्रति आभार जताते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया और आगे भी इस परंपरा को बनाए रखने की इच्छा जताई।

महिला आयोग की सदस्य ने सुनी महिलाओं की समस्याएं

- कहा सरकार और आयोग महिलाओं की हर स्थिति में साथ देने को तैयार
- सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने को कहा

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर

बुधवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडे कस्बे के तहसील सभागार में पहुंची। सभागार में उन्होंने महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जन सुनवाई की। इस दौरान दर्जनों महिलाएं पहुंची। जनसुनवाई कार्यक्रम में सर्वाधिक शिकायतें आवास से संबंधित की गईं। सभागार में भीड़ अधिक होने पर महिलाओं को मजबूरन फर्श पर बैठना पड़ा। इसके बाद सदस्य पुष्पा पांडे शेरपुर कलां रोड पर मौजूद द वर्डेट पब्लिक स्कूल में पहुंची। स्कूल में आयोजित महिला जागरूकता कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं के अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण के विषय पर अपने विचार रखे। सदस्य पुष्पा पांडे ने कहा आज महिलाएं सभी क्षेत्र में पुरुषों के साथ बराबरी की भागीदारी कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को शिक्षित एवं जागरूक होने की आवश्यकता है। एक शिक्षित महिला ही अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए समाज में सम्मान पूर्वक रह सकती है। महिला हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं भ्रूण हत्या एक सभ्य समाज के लिए कंलक है। महिलाओं को शिक्षित एवं जागरूक होकर इस कंलक को स्वंय मिटाना है। सदस्य ने सरकार की ओर से चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने को कहा। आश्वासन देते हुए उन्होंने कहा प्रत्येक स्थिति में सरकार एवं आयोग महिलाओं के साथ है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत परिवार के दो बच्चों को शिक्षा एवं भरण पोषण हेतु 2500 रुपए महीना मिल रहा है। कार्यक्रम में स्कूल के एमडी असद हुसैन ने भी महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं घरेलू स्थिति पर विचार व्यक्त किए। इसके बाद राज्य महिला आयोग की सदस्य वापस पूरनपुर पहुंचे उन्होंने कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इमरजेंसी और कोल्ड चैन का निरीक्षण भी किया।

ज्येष्ठ माह के अंतिम बड़े मंगल पर श्री हनुमान जी की शोभा यात्रा निकाली गई

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

जेठ के पांचवें अंतिम बड़े मंगल पर शहर से लेकर गांव तक हनुमान के भक्ति गीतों की गूंज रही। जगह जगह भंडारे हुए।

लोगों ने प्रसाद लिया। तहसील परिसर में एसडीएम ने भंडारा करा खुद भक्तों को प्रसाद दिया। जेठ के आखिरी बड़े मंगल पर भक्त बीरवर हनुमान की भक्ति में डूबे रहे। किसी ने सब्जी पूड़ी तो किसी ने छोले चावल, दाल चावल, हलुआ पूड़ी का प्रसाद खिलाया। तमाम लोगों ने तो शरबत प्याऊ लगाकर आने जाने वालों को ठंडा शरबत पिलाया।

तहसील परिसर में एसडीएम विनोद गुप्ता ने तहसीलदार सुखवीर सिंह के साथ भंडारा करा कर भक्तों को प्रसाद खिलाया।

जहां तमाम वकीलों वादकारियों और तहसील स्टाफ ने प्रसाद ग्रहण किया। मोहम्मदी रोड पर संजय शुक्ला के बेटे अंकुर शुक्ला ने छोले चावल और कोल्ड ड्रिंक का भंडारा कराया जो देर शाम तक चलता रहा। मोहम्मदी रोड पर ही नाथूलाल सर्राफ नामक प्रतिष्ठान पर सभासद आनंद सोनी और व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष राम मोहन सोनी ने शरबत प्याऊ लगाकर लोगों को शरबत पिलाया। मोहम्मदी रोड, खुटार रोड, लखीमपुर रोड और अलीगंज रोड पर जगह जगह भंडारे किए गए।

एक्सप्रेस खबरें...

संदिग्ध परिस्थितियों में सिलेंडर में लगी आग, पड़ोसी झुलसे

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। बुधवार सुबह तड़के धरमंगदपुर गांव के एक घर में अचानक आग लग गई। बचाने पहुंचे पड़ोसी दो युवक गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें सीएचसी ले जाया गया। हालत में सुधार न होने पर दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के गांव धरमंगदपुर में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। महिला ने मंगलवार को पीलीभीत के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया था। वुधवार सुबह सुबह तड़के लगभग चार बजे मृतक महिला के घर में संदिग्ध परिस्थितियों में सिलेंडर में आग लग गई। आग लगने से मृतक महिला का बेटा झुलस गया और चीखने चिल्लाने लगा। शोर सुनकर पड़ोस के ही रहने वाले वीरेंद्र और सहदेव आग बुझाने के लिए पहुंच गए। सिलेंडर में आग लगने की जानकारी लगते ही खलबली मच गई। आग बुझाने के दौरान वीरेंद्र और सहदेव झुलस गए। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया। आग से झुलसे वीरेंद्र और सहदेव को उपचार के लिए नगर के सीएचसी में भर्ती कराया गया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। गांव में चर्चा है कि घरेलू कलह के चलते महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। उसकी मौत से झुब्ध होकर बेटे ने भी सिलेंडर में आग लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। कोतवाल सतेंद्र कुमार ने बताया कि घटना की सूचना नहीं मिली है।

देवर और नंदोई पर दुष्कर्म करने का आरोप

जन एक्सप्रेस। पूरनपुर। घर में महिला को अकेला पाकर देवर और नंदोई ने उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत पर ससुरालियों ने आभूषण छीनकर महिला को घर से निकाल दिया। महिला ने पति पर गर्भपात करने का भी आरोप लगाया है। सेहरामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि बीते आठ जून को वह अपने घर में अकेली थी। इस दौरान देवर और दोनों नंदोई घर में घुस आए। देवर व दो नंदोई ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने इसकी शिकायत अपनी सास नंनद और जेठानी सहित परिवार के अन्य सदस्यों से की। सभी ने उसे धमकाया और झूठा आरोप लगाकर बदनामी कराने की बात कही। आरोप है कि सास ने अपने बेटे को भड़का कर महिला की पिटाई लगवाई। सभी ने दो तोला सोने के जेवर, चांदी की पायल, मोबाइल और तीन लाख रुपए छीनकर उसे घर से निकाल दिया। आरोप है पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला ने शिकायती पत्र में बताया कि उसका पति दो बार दवा खिलाकर गर्भपात भी करवा चुका है। महिला ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजका न्याय की गुहार लगाई है।

ससुराल से लौट रहे पति से पत्नी और बच्ची छीनी

जन एक्सप्रेस। मोहम्मदी खीरी। क्षेत्र के गांव सहिजना में एक युवक अपनी पत्नी को विदा कर कर घर वापस लाते समय गांव के एक युवक द्वारा रास्ते में अपने साथियों से रोक कर पत्नी और उसकी 7 महीने की बच्ची को छीन लेने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। सहिजना निवासी विजय प्रकाश ने पुलिस को बताया वह अपनी ससुराल खेतहरा पत्नी को विदा कर कर बाइक से घर को निकाला था तभी रास्ते में गांव के एक युवक और दो अन्य साथियों द्वारा सरेराह रास्ते में रोक कर बाइक से जबरन पत्नी और गोद में बैठी बच्ची छीन कर चलने लगा विरोध करने पर दबंगों ने लात घूसों से पिटाई कर दी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने जांच कर कार्रवाई करने का भरोसा दिला कर चलता कर दिया है।

हमीदाबाद में मिला व्यक्ति का शव

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम हमीदाबाद में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब लाल पीर बाबा के पास एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान 52 वर्षीय मुन्नालाल गौतम पुत्र चेतराम गौतम, निवासी महमदपुर मजरा भुड़वारा के रूप में हुई है। शव को सबसे पहले सुबह लकड़ी बीनने गईं महिलाओं ने देखा, जिन्होंने तत्काल आस-पड़ोस के लोगों को सूचना दी। मौके पर पहुंची मूड़ा पुलिस चौकी के इंचार्ज निर्मल तिवारी ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। घटना की सूचना पर क्राइम इंस्पेक्टर रविंद्र पांडे ने भी मौके का निरीक्षण किया। शव मिलने की खबर फैलते ही इलाके में भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने कहा कि मौत के कारणों की जांच की जा रही है, और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

गोला, फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु निर्माण कार्य को 30 जून की मध्यरात्रि तक आवागमन बंद

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। वर्तमान में ह॥-730 पर स्थित गोला एवं फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, कार्य को कराये जाने हेतु वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से 12 जून 2025 को प्रातः 08ः00 बजे से 30 जून 2025 की मध्य रात्रि तक बंद किया जा रहा है। यह जानकारी अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय खंड शुभ नारायण ने दी। इस दौरान वाहनों के रूट डायवर्जन का विवरण इस प्रकार से है। समस्त वाहन, जो बहराइच – नानपारा से पीलीभीत-बरेली की ओर आने-जाने वालेवाहनों को जिला लखीमपुर-खीरी के ह॥-730 पर स्थित मनिकापुर तिराहे से होते हुये स्ष्क्र-86 लखीमपुर-मोहम्मदी मार्ग से सिकंदराबाद चौराहे से होते हुये स्ष्क्र-76 सिकंदराबाद-गोला मार्ग की ओर मोड़ा जायेगा, जहाँ से वाहन ह॥-730 गोला पर निकलेंगे।

ड्राइवर को नींद की झपकी आने से खाद्य सामग्री से भरी डीसीएम पलटी

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी। सदर क्षेत्र के सदवन के पास एक बड़ा हादसा टल गया।खाद्य सामग्री से भरी डीसीएम गाड़ी सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे का कारण ड्राइवर को आई नींद की झपकी बताया जा रहा है। घटना सुबह के समय की है, जब सड़क पर यातायात कम था। डीसीएम में खाद्य समृद्धि का सामान लदा हुआ था। हादसे में गाड़ी को नुकसान पहुंचा है और सामान भी इधर-उधर बिखर गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि किसी की जान को कोई खतरा नहीं हुआ।थाना प्रभारी खीरी विवेक उपाध्याय ने घटना की पुष्टि की है। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला। जहांगीर, रंजीत कुमार, देशराज और श्रीकांत से जब जानकारी ली गई तो उन्होंने भी हादसे की पुष्टि की। अगर सड़क पर उस समय भीड़ होती तो यह हादसा बड़ी दुर्घटना में बदल सकता था।

राज्य महिला आयोग की सदस्या सुजीता कुमारी ने की जनसुनवाई और निरीक्षण

- जमीनी हकीकत से जुड़ीं सुजीता कुमारी, महिलाओं की सुनी पीड़ा, दी राहत की राह

जन एक्सप्रेस। लखीमपुर खीरी

बुधवार को लखीमपुर खीरी में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने महिला सशक्तिकरण को ज़मीन पर उतारने की पहल की। जनसुनवाई से लेकर बंदीगृह और आकांक्षा स्टोर के निरीक्षण तक, हर पड़ाव पर उन्होंने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि ज़मीनी हकीकत से जुड़े मुद्दों पर समाधान की दिशा भी तय की।

सर्वप्रथम राज्य महिला आयोग सदस्या श्रीमती सुजीता कुमारी ने कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में महिला जनसुनवाई की। जनसुनवाई में कुल 38 प्रार्थना पत्र जो महिला उत्पीडन व अन्य परिवारिक विवादों के थे, सुनवाई करके तत्काल सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने महिला बंदीगृह और आकांक्षा स्टोर का निरीक्षण किया। जिला प्रशासन द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में की गई अभिनव पहल की सराहना की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का मूल्यांकन किया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक सुधार के सुझाव भी दिए। सदर ब्लॉक में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने आशा और स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से सीधा संवाद किया। बैठक में उन्होंने जमीनी स्तर की चुनौतियों को जाना और व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने बेहजम स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, साफ-सफाई, महिला मरीजों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा दवाओं की उपलब्धता जैसी अहम बिंदुओं का बारीकी से जायजा लिया।उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।इस जनसुनवाई और निरीक्षण कार्यक्रम में डीपीओ लवकुश भार्गव, सीएमएस महिला डॉ. ज्योति मल्होत्रा, बाल विकास परियोजना अधिकारी शुभम सिंह, महिला थानाध्यक्ष श्रद्धा सिंह, पैनल अधिवक्ता श्रीमती मनीषा मिश्रा, जिला प्रोबेशन अधिकारी ऑफिस से सुंदर लाल रावत, संरक्षण अधिकारी गंगा सागर यादव, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी श्रीमती रश्मि चतुर्वेदी और काउंसलर कय्यूम जरवानी समेत कई संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की और उनके समाधान की दिशा में प्रतिबद्धता जताई।

गुरुद्वारा में लगाया गया रक्तदान शिविर, नगर के 168 लोगों ने दिया रक्तदान

जन एक्सप्रेस। गोला गोकर्णनाथ खीरी

नगर के मोहल्ला कुम्हारन टोला के गुरुद्वारा श्री सिंह सभा में स्वर्गीय सरदार सुरेन्द्र सिंह भाटिया की स्मृति में भाटिया परिवार एवं शहीद भगत सिंह निस्वार्थ सेवा समिति द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 168 लोगों ने रक्तदान दिया।शिविर आयोजक कुलजीत सिंह भाटिया ने बताया कि पिछले साल 92 लोगों ने रक्तदान किया था। इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 168 पहुंच गई है।रक्तदान शिविर में विधायक अमन गिरि, पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू , कुलजीत सिंह भाटिया,जसपाल सिंह पाली, कर्म सिंह, अनिल जलोटा, मनदीप सिंह सनी,प्रियंकल जलोटा, प्रिंस, सिमर सिंह,आयुष भारती, साहिल, इमरान ख़ान सहित शहर के तमाम लोगो ने लखीमपुर की ब्लड बैंक से आई डॉक्टरों की टीम के देखरेख में रक्तदान किया।लखीमपुर से शहीद भगत सिंह निस्वार्थ सेवा समिति के अध्यक्ष जसपाल सिंह पाली ने बताया कि रक्तदान को लेकर लोगों में बहुत उत्साह देखने को मिला। गोला के भाटिया परिवार और गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा गोला के सार्थक प्रयासों से और प्रचार प्रसार के माध्यम से जन सामान्य तक इस रक्तदान शिविर की जानकारी पहुंचाई गई। फल स्वरुप पिछले वर्ष से लगभग दो गुनी संख्या में लोगों ने रक्तदान किया। यह रक्त लखीमपुर के आरजेडी ब्लड बैंक में जमा

थाना निघासन पुलिस द्वारा, चोरी की घटना का खुलासा

जन एक्सप्रेस। निघासन खीरी

बुधवार को थाना निघासन पुलिस द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण कर 05 नफर अभियुक्तों अरून कुमार पुत्र अखिलेश कुमार दिलेराम पुत्र मुन्नालाल ओमवीर पुत्र मुनेश अक्षय पुत्र मेलाराम निवासीगण ग्राम खैरहनी थाना निघासन खीरी एक नफर बाल अपचारी को ग्राम खैरहनी से दौलतापुर जाने वाली सड़क के पास स्थित बगीचे से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से थाना निघासन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 266/2024 धारा 305/317 2 क्र्हस से सम्बन्धित माल 01 अदद कर्धनी सफेद धातु, 01 जोड़ी पायजेब सफेद धातु, 01 जोड़ी पायल सफेद धातु, 01 अदद चेन सफेद धातु, 04 अदद सिक्के सफेद धातु, 01 मटर माला जिसकी लाकेट पीली धातु, 01 जोड़ी कान का टाप्स पीली धातु, 01 जोड़ी कुन्डल पीली धातु व 9750 रूपये नगद की बरामदगी तथा मु0अ0सं0 152/25 धारा 305/317 2 क्र्हस से सम्बन्धित माल 01 अदद मंगल सूत्र सफेद धातु, 02 जोड़ी पायल सफेद धातु, 01 अदद मटर माला जिसकी लाकेट पीली धातु, 01 जोड़ी कान का झुमका पीली धातु, 01 अदद नथुनी पीली धातु, 02 अदद नथ पीली धातु, 01 अदद लाकेट सफेद धातु, 01 अदद कुण्डल सफेद धातु व नकद 13450 रूपये नगद की बरामदगी तथा मु0अ0सं0 153/25 धारा 305/317 2 क्र्हस से सम्बन्धित माल 01 अदद कर्धनी सफेद धातु, 01 अदद चैन सफेद धातु, 01 अदद अंगूठी पीली धातु, 01 जोड़ी कान का टाप्स पीली धातु, 01 अदद नथ पीली धातु व नगद 11800 रूपये नगद की बरामदगी एवं मु0अ0सं0 127/25 धारा 305/317 2 क्र्हस से सम्बन्धित 14,500 रूपये नगद की बरामदगी हुई है। अभियुक्तगण उपरोक्त के विरूद्ध नियमानुसार के आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

उल्लेखनिय है कि अभियुक्तगण द्वारा थाना क्षेत्र में अलग-अलग तिथियों में चोरियां की गई थी। ग्राम खैरहनी में दिनांक 06.07.2024 को वादी हरद्वारी लाल पाण्डेय पुत्र स्व0 रामानन्द पाण्डेय के यहाँ चोरी हुई थी जिस सम्बन्ध में थाना निघासन पर मु0अ0सं0 266/2024 धारा 305 क्र्हस बनाम अज्ञात पंजीकृत था। दिनांक 17/18.05.2025 की रात्रि ग्राम हरिपुरवा में वादी अंजनी कुमार पुत्र सेवक राम के यहाँ चोरी हुई थी जिस सम्बन्ध में थाना निघासन पर मु0अ0सं0 127/25 धारा 305 क्र्हस बनाम अज्ञात व दिनांक 30/31.05.2025 की रात्रि को ग्राम खैरहनी में वादी शारदा प्रसाद पुत्र छोटेलाल के घर में चोरी हुई थी जिस सम्बन्ध में थाना निघासन पर मु0अ0सं0 152/2024 धारा 305 क्र्हस बनाम अज्ञात पंजीकृत हुआ था व दिनांक 31.05.2025 की रात्रि को ग्राम खैरहनी में ही वादी दिलीप कुमार पुत्र जुगुल किशोर के यहाँ चोरी होने पर मु0अ0सं0 153/2024 धारा 305 क्र्हस बनाम अज्ञात पंजीकृत हुआ था। उपरोक्त सभी मुकदमों में अभियुक्तगण उपरोक्त के नाम प्रकाश में आये है तथा माल बरामदगी होने पर सभी अभियोगों में धारा 317 2 क्र्हस की बढोत्तरी की गई है।

गिरफ्तार अभियुक्त

- अरून कुमार पुत्र अखिलेश कुमार निवासी ग्राम खैरहनी थाना निघासन जनपद खीरी
- दिलेराम पुत्र मुन्नालाल निवासी ग्राम खैरहनी थाना निघासन जनपद खीरी
- ओमवीर पुत्र मुनेश निवासी ग्राम खैरहनी थाना निघासन जनपद खीरी
- अक्षय पुत्र मेलाराम निवासी ग्राम खैरहनी थाना निघासन जनपद खीरी
- एक नफर बाल अपचारी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक राजेन्द्र कुमार तिवारी थाना निघासन
- उप निरीक्षक राजेश कुमार सिंह थाना निघासन उप निरीक्षक अर्जुन कुमार थाना निघासन
- हेड कांस्टेबल मनीष कुमार मिश्रा थाना निघासन कांस्टेबल अंकित कुमार थाना निघासन
- कांस्टेबल जाबिर हुसैन थाना निघासन कांस्टेबल सलमान खान थाना निघासन कांस्टेबल अतुल कुमार थाना निघासन शामिल रहे।

नेपाल के गंडक नहर का हुआ विस्तार, ऊर्जा मंत्री ने किया उद्घाटन

भारत नेपाल के बीच 65 साल पहले गंडक परियोजना का हुआ था समझौता: दीपक खड़का

जन एक्सप्रेस | महराजगंज

भारतीय सीमा से सटे पड़ोसी राष्ट्र नेपाल के गंडक नहर की क्षमता का विस्तार नेपाल के ऊर्जा मंत्री ने उद्घाटन कर किसानों को सौगात दिया है। नेपाली नेताओं के अनुसार 65 साल पहले भारत और नेपाल के बीच गंडक परियोजना का समझौता हुआ था। ऐसे में गंडक नहर क्षमता का विस्तार होने से बरसात के दिनों में बाढ़ की समस्या से लोगो को निजात मिलेगी। जिससे दोनों देशों के किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

मिली जानकारी के मुताबिक पड़ोसी मुल्क नेपाल पश्चिम नवलपरासी में गंडक नहर सिंचाई परियोजना की क्षमता का विस्तार किया गया है। नेपाल राष्ट्र के जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री दीपक खड़का और केंद्रीय प्रतिनिधि सभा सदस्य (सांसद) बिनोद चौधरी ने संयुक्त रूप से पश्चिम नहर सिंचाई परियोजना के तहत सेटिंग बेसिन का उद्घाटन किया। जल संसाधन एवं सिंचाई मंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा की गंडक नहर क्षमता विस्तार होने से बरसात के दिनों में बाढ़ आने की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने बताया कि नेपाल और भारत के बीच गंडक परियोजना समझौता 65 साल पहले हुआ था। बांधो की मजबूती और विस्तार के लिए भारत के साथ आगे भी बातचीत की जरूरत है। वही प्रतिनिधि सभा सदस्य (सांसद) बिनोद चौधरी ने कहा की नेपाल गंडक पश्चिमी नहर 35 करोड़ की बजट से ढाई साल में पूरा हुआ है। सेटिंग बेसिन के निर्माण के बाद अब नहर में रेत जाना बंद हो जाएगी जिससे नहर से पूरी क्षमता के साथ सिंचाई कार्य करने में मदद मिलेगी, और बरसात के दिनों में बाढ़ की समस्या से भी राहत मिलेगी।

रसोई गैस के पाइप में लीकेज से झोपड़ी में लगी आग, सामान राख

जन एक्सप्रेस | देवरिया

देसही क्षेत्र के चिउरहा खास गांव के सेमरहा टोला पर मंगलवार की सुबह रामदीन चौहान की झोपड़ी में भोजन पकाते समय रसोई गैस पाइप में लीकेज से आग लग गई। घटना में चूल्हा झोपड़ी, बाइक, नकदी सहित अन्य सामान जलकर राख हो गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से करीब चार लाख रुपये की क्षति बताई जा रही है।

महुआडी थाना क्षेत्र के चिउरहा खास के सेमरहा टोला निवासी रामदीन चौहान की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। उनकी झोपड़ी है। मंगलवार की सुबह उनकी बेटी रीना गैस चूल्हे पर भोजन बना रही थी। इसी बीच पाइप लीक होने से अचानक आग लग गई। रीना ने जान बचाकर बाहर निकलकर शोर मचाया। घर के लोग अवाक रह गए। अभी कुछ समझ पाते आग तेजी से फैलने लगी और झोपड़ी को अपनी आगोश में ले लिया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे गांव के लोगों ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

शादीशुदा बहन को परेशान करता था...नाराज भाई ने चाकू से गोदकर की हत्या, पहले मना भी किया

जन एक्सप्रेस | देवरिया

आरोपी नितेश उपरोक्त की निशानदेही पर उसके घर के स्नान गृह के बगल खेत में मिट्टी में दबाया हुआ हत्या में प्रयुक्त एक अदद चाकू (आलाकत्ल) और आरोपी रितेश यादव की निशानदेही पर मृत आदित्य का मोबाइल बभनी रोड के किनारे पीपल पेड़ के पास स्थित सूखे कुएं से और आरोपी राकेश की निशानदेही पर एक अदद खून से सनी शर्ट को उसके घर के अंदर से बरामद की गई।

देवरिया/खुखूंदू। खुखुंदू थाना क्षेत्र के मुजुरी खुर्द गांव के रहने वाले हरिप्रसाद गोंड के बेटा आदित्य उर्फ सूरज (22) की हत्या प्रेम प्रसंग में की गई। बहन से फोन पर बात करने से नाराज भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर उसे मौत के घाट उतार दिया।

मृतक के पिता की तहरीर पर केस दर्ज कर एसओजी टीम और खुखुंदू पुलिस ने 24 घंटे के अंदर घटना का खुलासा कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त चाकू और अन्य सामग्री बरामद कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

खुखुंदू थाना क्षेत्र के मुजुरी खुर्द गांव के रहने वाले हरिप्रसाद गोंड का बेटा आदित्य उर्फ सूरज रविवार की रात करीब 10-30 बजे भोजन करने के बाद घर से अकेले निकला था। सोमवार की सुबह सूचना मिली कि गांव के बाहर खेत में एक युवक का शव पड़ा हुआ है। जब परिवार के लोगों ने मौक पर पहुंचकर आदित्य उर्फ सूरज के रूप में उसकी पहचान की। किसी ने इसकी सूचना खुखुंदू थाने को दी मौके पर पहुंचे प्रभारी थानेदार लवकुश यादव ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी विक्रांत वीर के साथ मातहत भी मौके पर पहुंच गए। एसपी ने घटनास्थल पर मौजूद मृतक परिजनों से बातचीत कर घटना के बारे में जानकारी ली। मंगलवार को पुलिस लाइंस में घटना का खुलासा करते हुए एसपी विक्रांत वीर ने बताया कि मृतक के पिता के तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई। विवेचना के क्रम में एसओजी प्रभारी दीपक कुमार और प्रभारी थानेदार लव कुश ने संदेह होने पर कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। एसपी ने बताया कि कड़ाई से पूछताछ में नितेश गौड़ ने बताया कि उसकी बहन कि शादी हो चुकी है। इसके बावजूद आदित्य फोन से बात कर उसे परेशान करता था।

हिस्ट्रीशीटर हत्याकांड: मुख्य आरोपी कबूलनामा, 'मैने ही मारी थी गोली'

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर

पुलिस के अनुसार, उसने बताया कि वह अगर दिनेश को नहीं मारता, वह उसकी हत्या कर देता। छह डिसमिल जमीन व तालाब के पट्टे को उसने विवाद की जड़ बताया। पुलिस पूछताछ में मिलीं जानकारियों और अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है।

बेलीपार थाने के भरवलिया गांव निवासी हिस्ट्रीशीटर दिनेश निषाद की हत्या का मुख्य आरोपी जुगुल निषाद का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। सोमवार रात मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने उसे पकड़ा था। मंगलवार शाम उसे जिला अस्पताल से बीआरडी रेफर किया गया।

पुलिस के मुताबिक, जुगुल से पूछताछ में पता चला कि उसने ही अन्य आरोपियों के साथ मिलकर दिनेश की गोली मारकर हत्या की थी। घटनास्थल पर पिस्टल इसलिए फेंकी, ताकि लगे कि दिनेश से बचने के लिए आत्मरक्षा में उसे गोली मारी गई है।

पुलिस के अनुसार, उसने बताया कि वह अगर दिनेश को नहीं मारता, वह उसकी हत्या कर देता। छह डिसमिल जमीन व तालाब के पट्टे को उसने विवाद की जड़ बताया। पुलिस पूछताछ में मिलीं जानकारियों और अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।

साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात जुगुल निषाद के बारे में पता चला कि वह जिला छोड़कर भागने की तैयारी में है। इसके बाद सीओ बांसगांव दरवेश कुमार व थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह टीम के साथ बांसगांव मुख्य मार्ग पर कुसमौल गांव के पास उसके आने का इंतजार करने लगे।

इसी बीच जुगुल बाइक से पहुंचा तो सीओ बांसगांव ने उसे रोकने की कोशिश की।

वर्दी में खुले में ठुमका लगाने वाले दरोगा और सिपाही लाइनहाजिर

जन एक्सप्रेस | देवरिया

एकौना थाने में तैनात दरोगा और सिपाही को वर्दी में खुलेआम ठुमका लगाना महंगा पड़ गया। सीओ के रिपोर्ट आने के बाद एसपी ने दरोगा को लाइनहाजिर कर दिया। एसपी के सख्त तेवर देख विभाग में हड़कंप मच गया। हालांकि, सिपाही को वर्दी पर ठुमका लगाने के मामले में पहले ही लाइनहाजिर किया जा चुका है।

एकौना थाना क्षेत्र के पचलड़ी गांव में किसी के व्यक्तिगत निमंत्रण पर दरोगा हमराही सिपाही के साथ दावत पर गए थे। दावत के दौरान वहां डीजे बज रहा था। दावत से पहले जाम भी टकराया। भोजपुरी गीत बजने के बाद महफिल जम गई। इसमें आयोजक के साथ दरोगा और सिपाही ने जमकर ठुमके लगाए। दरोगा का कमर में पिस्टल लटका कर डांस करते हुए किसी ने वीडियो बना लिया था, जिसे सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

लकी ड्रा के माध्यम से हुआ हॉट बाजार का रुम आवंटन

बाजार निर्माण होने से सीमावर्ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा नया आयाम

जन एक्सप्रेस | महराजगंज

निचलौल विकास खंड के ग्रामपंचायत ठूठीबारी में नवनिर्मित भारत-नेपाल मैत्री हॉट बाजार के लिए टीन शेड रुम आवंटन की प्रक्रिया शनिवार की दोपहर लकी ड्रा के माध्यम से पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई। ब्लॉक अधिकारियों के देखरेख में उपरोक्त लकी ड्रा निष्पक्षता के साथ हुआ। इस दौरान सभी प्रतिभागियों में संतोष और उत्साह का माहौल रहा। जबकि बाजार निर्माण होने से सीमावर्ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलेगा।

ठूठीबारी में नवनिर्मित भारत नेपाल मैत्री हॉट बाजार में 48 कमरे की टीन शेड के लिए कुल 263 आवेदकों ने दो सौ रुपए शुल्क के साथ स्थानीय ग्राम सचिवालय से फॉर्म खरीदा था। रुम आवंटन के।लिए निविदा प्रकाशन के बाद मंगलवार की दोपहर निचलौल एडीओ पंचायत विनय पाण्डेय, जेईएमआई राजन जोशवा के देखरेख में हॉट बाजार में रुम आवंटन के लिए लकी ड्रा (सौभाग्यशाली ड्रा) के माध्यम से 60 लाभार्थियों का चयन हुआ। बताया गया कि बाजार में 25 प्रतिशत अतिरिक्त आवेदकों को वरीयता सूची में रखा। जो चयनित लाभार्थी को तीन दिन के अंदर 5000 रूपये की सिक्योरिटी फीस जमा करनी होगी। समय सीमा से भुगतान न करने पर आवंटन स्वतः रद्द हो जाएगी। ऐसी स्थिति में वरीयता सूची में शामिल 12 अतिरिक्त लाभार्थियों को मौका दिया जाएगा। हालांकि टीन शेड वाली प्रत्येक कमरे का मासिक किराया 500 रूपये निर्धारित किया गया है। जिससे छोटे व्यापारियों को उचित दर पर दुकान उपलब्ध हो सकेगी। यह पहल स्थानीय व्यापार और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। लाभार्थीयो का लकी ड्रा में नाम आया तो उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा, अब हम अपना स्वयं का व्यापार शुरू कर सकेंगे। यह हमारे परिवार के लिए बड़ी राहत है।

ग्राम प्रधान अजीत कुमार ने बताया यह हॉट बाजार सीमावर्ती व्यापार को मजबूती देगा और स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। सचिव पिंटू रौनियार ने बताया कि बाजार में दुकानदारों के लिए पानी, शौचालय, सुरक्षा एवं साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस मौके पर रोजगार सेवक पवन कुमार, ग्रामीण विनोद मद्धेशिया, श्रवण निगम, नीतीश मद्धेशिया, धर्मेंद्र मद्धेशिया, शिव कुमार रौनियार, शिवशंकर कसौधन, वीरेंद्र रौनियार, बलराम रौनियार, सोनू कुमार, सहित अन्य मौजूद रहे।

भैंसहा घाट पर बनेगा पुल, सर्वे शुरू

जन एक्सप्रेस | कुशीनगर

गंडक नदी के भैसहा घाट पर पक्का पुल निर्माण हेतु मिट्टी परीक्षण व सर्वे कार्य चल रहा है। पुल के निर्माण हेतु सभी बिंदुओं का सर्वे रिपोर्ट ब्रिज कार्पोरेशन को सौंपा जाएगा। यह सर्वे पुल निर्माण हेतु अहम पड़ाव है जहां से आगे का कार्य शुरू होगा। सांसद विजय कुमार दुबे व विधायक विवेकानन्द पांडेय ने इसके लिए प्रयास किया था। पुल निर्माण के प्रथम चरण के सर्वे हेतु अप्रैल माह में सेतु निगम के इंजीनियर व अन्य लोग पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किए थे। इसके बाद सेतु निगम ने पुल के सर्वे, स्वायल टेस्ट सहित अन्य सभी जानकारी हेतु बी के सर्वेयर एंड कन्सट्रक्सन को जिम्मेदारी दी गई है। टीम के विशेषज्ञ विजय कुमार ने बताया कि गंडक नदी पर पक्का पुल हेतु सर्वे कार्य चल रहा है। पुल वनने का स्थान, पहुंच मार्ग ,मिट्टी की जांच सहित सभी जानकारी इकट्ठा कर ब्रिज कार्पोरेशन को सौंपा जाएगा।

भाजपा महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव का निधन, तीन महीने पहले ही हुए थे नियुक्त

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर

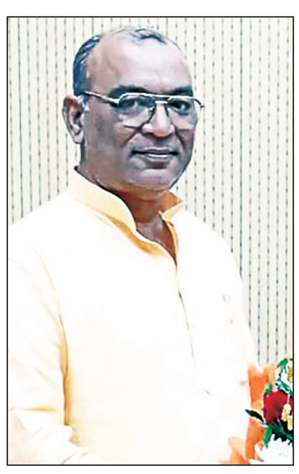

बताया जाता है कि रोज की तरफ देवेश श्रीवास्तव सुबह पूजा पाठ कर दिन की शुरूआत की। इसी दौरान उन्हें दिक्कत होने पर परिवारीजन पहले शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां हालत गंभीरह होने और जवाब देने के बाद परिवार के लोग जिला अस्पताल के इमरजेंसी में लेकर गए।

भाजपा महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव का बुधवार की सुबह अचानक निधन हो गया है। अभी हाल में ही वो महानगर अध्यक्ष बनाए गए थे। राजनीतिक शुरूआत इनकी भाजपा से ही हुई और इनका निधन भी पार्टी की सेवा करते हुआ। निधन की सूचना पाकर भाजपा नेताओं में शोक की लहर है।

16 मार्च को इनका चयन भाजपा महानगर अध्यक्ष के लिए हुआ था। बताया जाता है कि रोज की तरफ देवेश श्रीवास्तव सुबह पूजा पाठ कर दिन की शुरूआत की। इसी दौरान उन्हें दिक्कत होने पर परिवारीजन पहले शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां हालत गंभीरह होने और जवाब देने के बाद परिवार के लोग जिला अस्पताल के इमरजेंसी में लेकर गए।

इमरजेंसी में ही उन्होंने अपनी अंतिम सांसे गिनी। बता दें कि 16 मार्च को भाजपा ने 40 नए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नामों की घोषणा की थी। इस दौरान बीजेपी महानगर अध्यक्ष पद की भी घोषणा की गई थी। बीजेपी के महानगर महामंत्री देवेश श्रीवास्तव को महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई थी।।16 मार्च को इनका चयन भाजपा महानगर अध्यक्ष के लिए हुआ था। बताया जाता है कि रोज की तरफ देवेश श्रीवास्तव सुबह पूजा पाठ कर दिन की शुरूआत की। इसी दौरान उन्हें दिक्कत होने पर परिवारीजन पहले शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां हालत गंभीरह होने और जवाब देने के बाद परिवार के लोग जिला अस्पताल के इमरजेंसी में लेकर गए।

बैंककर्मी से हुई लूट में अज्ञात बदमाशों पर केस

जन एक्सप्रेस | देवरिया

थाना क्षेत्र के सिसवा और पैकौली गांव के बीच में थाने के तिराहे मोड़ के पास हुई बैंककर्मी से लूट मामले में पुलिस ने मंगलवार को अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। ग्रामीण क्षेत्र से वसूली कर लौटते समय बाइक सवार बदमाशों ने पीछा कर एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के सहायक ऋण प्रबंधक से 83 हजार रुपये नकदी समेत अन्य सामान लूट लिया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

भुजौली कॉलोनी देवरिया के एक प्राइवेट फाइनेंशियल बैंक के सहायक ऋण प्रबंधक आशुतोष पाठक ग्राम गाजर जगदीश थाना बांसगांव गोरखपुर के रहने वाले हैं। इनके बैंक के माध्यम से ग्रामीण तथा शहरी महिलाओं का समूह संचालित होता है, जिससे ऋण वितरण किया जाता है। इसकी वसूली सप्ताह में एक बार की जाती है।

अंकपत्र और टीसी है नहीं, समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण में संकट

जन एक्सप्रेस | देवरिया

यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के परीक्षा परिणाम 25 अप्रैल को घोषित कर दिए गए हैं। हालांकि, अभी तक जिले में अंकपत्र नहीं आए हैं। इंटरमीडिएट पास अभ्यर्थी इससे स्नातक में प्रवेश नहीं ले पा रहे है।

इधर, स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण को अनिवार्य बना दिया गया है। ऐसे में जनपद में इसकी प्रगति काफी धीमी है।

नए सत्र में स्नातक प्रवेश में छात्र-छात्राओं के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण को अनिवार्य कर दिया गया है। यहां पंजीकरण के लिए मार्कशीट के साथ साथ टीसी और अन्य तरह के कागजों की जरूरत पड़ रही है। इससे पंजीकरण के लिए पहुंचने वालों छात्रों को निराश लौटना पड़ रहा है। मार्कशीट की अनिवार्यता के चलते समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता भी प्रवेश की गति को धीमा बना रही है। इंटरमीडिएट के बाद अब स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय ने समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन को अनिवार्य कर दिया है। इस अनिवार्यता के कारण इंटरमीडिएट पास करने वाले छात्र अभी स्नातक कक्षाओं में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं।

अभी यूपी बोर्ड के इंटरमीडिएट के छात्रों की मार्कशीट स्कूलों में नहीं पहुंची है। वैसे तो ऑनलाइन बच्चों को अपने नंबरों का पता चल जाता है और वे उस आधार अपने लिए उचित कॉलेज का चुनाव कर उसमें प्रवेश की प्रकिया शुरू कर सकते थे, लेकिन समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण की अनिवार्यता ने उन्हें रोक दिया है।

शहर के संत विनोबा पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अर्जुन मिश्र ने मंगलवार को बताया कि स्नातक कथाओं में प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। कॉलेज से इसके लिए प्रवेश आवेदन वितरण होना शुरू हो गया है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय ने इस बार समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण को अनिवार्य बना दिया है। उधर, सह जिला विद्यालय निरीक्षक नीलेश पांडेय ने बताया कि जिले में अगले सप्ताह के इंटर व हाईस्कूल के अंक पत्र आ जाने की उम्मीद है। इसके बाद अगली कक्षाओं में छात्रों को प्रवेश लेने में सहूलियत होगी।

बाइक सवार युवक की झाड़ी में मिली लाश, सिर के साथ हाथ-पांव पर थे गहरे जख्म

जन एक्सप्रेस | कुशीनगर

बुधवार सुबह खेत जा रहे ग्रामीणों ने नहर पुलिया से करीब सौ मीटर पश्चिम सड़क पर खून और मांस के टुकड़े देखकर शोर मचाए तो गांव वालों की भीड़ जुट गई। धर्मपुर पर्वत गांव में सड़क किनारे झाड़ियों में लावारिस बाइक मिली, इसमे चाबी लगी थी।

सेवरही थाना क्षेत्र के मठिया भोकरिया गांव में नहर के किनारे झाड़ी में युवक की खून से सनी लाश बुधवार को सुबह मिलने से सनसनी फैल गई। युवक के सिर, हाथ और पांव पर धारदार हथियार बदमाशों ने वार किया था। सड़क से लेकर झाड़ी तक खून के छीटे पड़े थे, लाश से कुछ दूरी पर बाइक गिरी हुई मिली।

झह्लद्गठ्ठस्रद्बठ्ठद्द ड्डब्स्रद्गश्वह्य

युवक के जेब से मिले आधार कार्ड से इसकी पहचान हुई। मौके पर एएसपी, सीओ पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। हत्या का कारण तलाश करने में पुलिस जुटी है। युवक का मोबाइल गायब है। मौके आई फारेंसिक टीम ने जांच के लिए साक्ष्य जुटाया।

बुधवार सुबह खेत जा रहे ग्रामीणों ने नहर पुलिया से करीब सौ मीटर पश्चिम सड़क पर खून और मांस के टुकड़े देखकर शोर मचाए तो गांव वालों की भीड़ जुट गई। धर्मपुर पर्वत गांव में सड़क किनारे झाड़ियों में लावारिस बाइक मिली, इसमे चाबी लगी थी। यहां से करीब सात सौ मीटर दूर मठिया भोकरिया गांव के नौका टोला बड़ी नहर के पिच रोड के किनारे खून के छींटे के सहारे पुलिस पहुंची तो युवक की लाश झाड़ी में मिली। उसकी जेब से मिले आधार कार्ड और डीएल से कसया थाना क्षेत्र के बतरडेरा निवासी अनिल यादव(30)के रूप में हुई।

'न कार देंगे...न किस्त भरेंगे, भूल जाओ गाड़ी'

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर

शाहपुर थाना क्षेत्र के पूर्वोत्तर रेलवे में जूनियर इंजीनियर संतोष श्रीवास्तव की स्कॉर्पियो उनके दोस्त ने हड़प ली है। कुछ दिन के लिए आरोपी दोस्त गाड़ी मांगकर ले गया था। आरोप है कि गाड़ी मांगने पर आरोपी ने धमकी दी।

पुलिस ने आरोपी बांसगांव इलाके के वार्ड संख्या 12 दक्षिण टोला निवासी मनीष सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। शाहपुर इलाके के जंगल मातादीन स्थित नाथपुरम कॉलोनी निवासी संतोष कुमार श्रीवास्तव पूर्वोत्तर रेलवे में जूनियर इंजीनियर (जेई) पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने शाहपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 24 अगस्त 2023 को लोन पर स्कॉर्पियो कार खरीदी थी।

चिड़ियाघर जाने वालों को करना पड़ेगा अभी इंतजार

जन एक्सप्रेस | गोरखपुर

23 मई को आई रिपोर्ट में बाघिन मैलानी, तेंदुए के दो शावक, हिमालयन गिद्ध और कॉकाटील में संक्रमण की पुष्टि हुई। इन्हें आइसोलेट कर इलाज किया जा रहा है। इसके बाद संक्रमित जानवरों सहित दूसरे वन्यजीवों के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। इसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। इसके बाद सात जून को दोबारा 35 वन्यजीवों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे।

गोरखपुर चिड़ियाघर (प्राणि उद्यान) में दर्शक इस माह वन्यजीवों का दीदार नहीं कर पाएंगे। बर्ड फ्लू के चलते प्राणि उद्यान को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। संक्रमित वन्यजीवों की रिपोर्ट अभी राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान से नहीं आई है। दो बार रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही प्राणि उद्यान खुलेगा।

शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में बाघिन शक्ति की मौत के मामले में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई थी। 12 मई को भोपाल से रिपोर्ट आई थी। 13 मई से ही चिड़ियाघर दर्शकों के लिए बंद है। प्राणि उद्यान ने दूसरे वन्यजीवों के सैंपल जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च पशु रोग संस्थान, भोपाल भेजे थे। 23 मई को आई रिपोर्ट में बाघिन मैलानी, तेंदुए के दो शावक, हिमालयन गिद्ध और कॉकाटील में संक्रमण की पुष्टि हुई। इन्हें आइसोलेट कर इलाज किया जा रहा है। इसके बाद संक्रमित जानवरों सहित दूसरे वन्यजीवों के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। इसकी रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। इसके बाद सात जून को दोबारा 35 वन्यजीवों के सैंपल जांच के लिए भेजे गए थे।

पांच वन्यजीवों की हो चुकी है मौत

चिड़ियाघर में डेढ़ माह के अंदर पांच जानवरों की मौत हो चुकी है। 30 मार्च को पीलीभीत से रेस्क्यू कर लाए गए बाघ केसरी की मौत सबसे पहले हुई थी। इसके बाद पांच मई को मादा भेड़िया भैरवी, सात मई को बाघिन शक्ति और आठ मई को तेंदुआ मोना की मौत हुई थी। 23 मई को एक कॉकाटील की मौत भी हो गई थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में मिली युवक की सड़ी लाश

मृतक के पिता ने जताया बहू पर हत्या करने का शक

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के थाना कोतवाली नगर क्षेत्र अंतर्गत ग्रामसभा विशुनीपुर में केमिकल फैक्ट्री के सामने एक घर में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई । मृतक युवक अनिल कुमार शुक्ला (38) के पिता नरेंद्र कुमार शुक्ला ने थाने में तहरीर देकर बहू रिंकी तथा उसके मायके वालों पर हत्या का आरोप लगाया है । पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुटी है ।
जानकारी के अनुसार 10 जून के अपराह्न केमिकल फैक्ट्री के सामने एक घर के अंदर दुर्गंध आने के बाद पड़ोसियों ने जानने की कोशिश की तो घर बंद था । स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों तथा पुलिस को दी । परिजनों तथा पुलिस द्वारा घर को खोला गया तो उसके अंदर सड़ी अवस्था में लाश पाई गई । जिसकी शिनाख्त अनिल कुमार शुक्ला के रूप में की गई है । मृतक युवक अनिल कुमार शुक्ला के पिता नरेंद्र कुमार शुक्ला में कोतवाली देहात में तहरीर देकर बहू रिंकी तथा उसके पिता रक्षा राम तिवारी निवासी ग्राम दुर्गापुर तथा भाई पर हत्या का आरोप लगाया है । नरेंद्र कुमार ने बताया कि लगभग 7 वर्ष पहले अनिल की पहली पत्नी की मौत हो गईथी । पहले बहू के दो बच्चे हैं, जिसका लालन पालन वही कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि लगभग 5 वर्ष पूर्व अनिल की दूसरी शादी दुर्गापुर निवासी रक्षा राम तिवारी की पुत्री रिंकी के साथ हुई जिससे एक पुत्र भी है । दूसरी शादी के बाद से ही अनिल तथा उसकी पत्नी के बीच विवाद रहने लगा था । पत्नी के जिद के कारण ही अनिल अपने घर से कुछ ही दूरी पर किराए पर कमरा लेकर रह रहा था, जहां पर उसकी हत्या कर दी गई और घटना को छुपाने के लिए हत्या के बाद लाश को बंद कर दिया गया । दुर्गंध आने के बाद मामले का खुलासा हुआ । उन्होंने आरोप लगाया कि बहू द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर इधर-उधर की बात करके मोहल्ले वालों तथा पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है । उन्होंने तहरीर देकर निष्पक्ष जांच करने तथा दोषियों को सजा दलाने की मांग की है । प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर शुधीर कुमार सिंह ने बताया कि लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है । मृतक के पिता द्वारा दी गई तहरीर सहित अन्य बिंदुओं के आधार पूरे मामले की जांच की जा रही है । पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने घटना स्थल पर पहुंचकर पूरी स्थिति का जायजा लिया । उन्होंने पूरे मामले की जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया ।

बिजली घर पर पहुंची भीड़ ने की तोड़फोड़, हंगामा

जन एक्सप्रेस/अलीगढ़। थाना महुआखेड़ा क्षेत्र के गड़राना बिजली घर के गांव अलीपुर में कई दिनों से बिजली संकट बना हुआ है ।ग्रामीणों का कहना है कि अगर जरा सा फाल्ट भी हो जाता है तो उसे सही नहीं किया जाता है ।शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। इससे भड़के लोग इकट्ठा होकर बिजली घर में पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया ।यहां रखा फर्नीचर उठाकर इधर-उधर फेंकना शुरू कर दिया ।जब यहां मौजूद बिजली कर्मियों ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट कर दी ।आरोप है कि कभी फाल्ट कभी कटौती। बिजली संकट से लोग परेशान हैं। गड़राना बिजली घर पर पहुंची भीड़ ने हंगामा करते हुए तोड़फोड़ कर दी। यहां रखा रिकार्ड फाड़ दिया गया। वहीं उजर्रा गांव में चेकिंग करने पहुंची बिजली टीम को लोगों ने घेर लिया। ग्रामीणों का कहना था कि बिजली आ नहीं रही और चेकिंग की जा रही है। एसडीओ सुनील कुमार ने बताया कि दोनों मामलों में थाने में तहरीर दी गई है ।ग्रामीणों और बिजली घर के एसएसओ के बीच नोकझोंक हुई। एसडीओ सुनील कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने बिजली घर में तोड़फोड़ करते हुए अभिलेख फाड़ दिए हैं। बिजली कर्मियों के साथ मारपीट की गई।

पंजीकृत क्रिकेट एसोसिएशन के नाम पर हो रही धोखाधड़ी

जन एक्सप्रेस । अलीगढ़

उ.प्र.क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव जी.डी.शर्मा व अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन एडीसीए के सचिव प्रदीप सिंह ने प्रेसवार्ता कर बताया कि एक संस्था जो क्रिकेट एसोसिएशन के नाम से अलीगढ़ जनपद में पंजीकृत नहीं है, बल्कि वह लकड़ी व चाक मिट्टी का सामान व सांस्कृतिक आयोजन आयोजित करने हेतू पंजीकृत है,वह अलीगढ़ के क्रिकेट खिलाड़ियों को समाचार पत्रों के माध्यम से झूठा प्रचार प्रसार कर पंजी0 क्रिकेट एसोसिएशन को फर्जी दर्शाकर उसके द्वारा आयोजित क्रिकेट ट्रायल्स में क्रिकेट खिलाडियों को भाग लेने से रोक रही है, तथा उनका भविष्य समाप्त करने की धमकी दे रही है,जबकि अलीगढ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन वर्ष-1996-97 से सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट 1860 के तहत एक मात्र अलीगढ जनपद से क्रिकेट एसोसिएशन के रूप में विधिक रूप से पंजीकृत है।तथा यू0पी0सी0ए0 से वर्ष 1998 से सम्बद्ध है, जिसके नाम का दुरुपयोग कर इन लोगों द्वारा उसके फर्जी दस्तावेज तैयार कर उसमे फर्जी रूप से अपने को पदाधिकारी दर्शाकर आई.डी.बी.आई. बैंक में खाता खोला था, जिसमें खिलाडियों से धोकाधड़ी कर यह लोग अवैध रूप से टीमों के चयन हेतू ट्रायल्स के नाम पर खिलाडियों से रजिस्ट्रेशन करके अवैध रूप से पैसा लेकर बैंक में जमा कर रहे थे, जिसमे इन लोगों में पैसो की बन्दर बाट में हुए आपसी विवाद में अब्दुल वहाब ने फर्जी रूप से अपने को अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसो0 का सचिव दर्शाकर अब्दुल लतीफ, फसाहत अली आदि पर थाना क्रार्सी में मुकद्दमा दर्ज है।आई.डी. बी.आई. बैंक में अलीगढ़ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के नाम से फर्जी खाता संचालित होने,तथा टीमो के चयन हेतू ट्रायल्स के नाम पैसा लेना, तथा सोशल मिडिया पर फर्जी वेबसाइट बनाकर गलत व्यान बाजी कर खिलाडियों में भ्रम की स्थिति पैदाकर तथा पंजी0 क्रिकेट एसोसिएशन के नाम से फर्जी लेटर पैड छपवाना आदि स्वयं स्वीकार किया था। उन्होंने कहा कि इस फजीर्वाड़े के मास्टर माइंड महानगर का कांग्रेस के एक बड़े नेता सहित अन्य लोग है।साथ ही नाम का दुरुपयोग कर अलीगढ़ व अन्य जनपद एटा,कासगंज, बुलन्दशहर आदि में विभिन्न वर्गों की टीमों के चयन हेतू ट्रायल्स व प्रतियोगिताओ के नाम पर क्रिकेट खिलाडियों से रजिस्ट्रेशन के नाम पर अवैध रूप से धन अर्जित कर लाखो रुपये अपने निजी हित में प्रयोग कर रहे थे, जिसके विरुद्ध पंजी अलीगढ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन ने जब विधिक कार्यवाही की गयी तो काग्रेसी नेता ने प्रेसवार्ता कर एडीसीए को अपनी पंजीकृत एसोसिएशन बताया तथा कहा आरोप सिद्ध हुए तो राजनीति से सन्यास ले लूंगा। मगर पंजी0 ए0डी0सी0ए0 के नाम का दुरुपयोग कर खिलाडियों से ट्रायल्स व प्रतियोगिताओ के नाम पर धोकाधड़ी कर अवैध रूप से धन अर्जित करने की बाबत जब इनके विरुद्ध थाना सिविल लाइन्स में गंभीर अपराधिक धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई, जिसमे फर्जी संस्था के पदाधिकारी न्यायालय सी0 जे0एम0 कोर्ट, अलीगढ़ से जमानत पर है, साथ ही एक अन्य एफआईआर में न्यायालय में लम्बित है, साथ ही पंजी0 अलीगढ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसो0 के द्वारा विधिक कार्यवाही होने पर फजीर्वाड़ा करने वालो को डर था कि कही हम जेल ना चले जाये, जिससे बचने के लिये इन्होने सोसाइटी रजिस्ट्रार आगरा के यहा एक प्रार्थनापत्र वर्ष 2014 में भी दिया था, कि वर्ष 1996 में जो प्रदीप सिंह ने अलीगढ डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसो0 का पंजीकरण गलत तरीके से करा लिया है।

दाऊद खां रेलवे स्टेशन का नाम बदलने को लेकर सांसद ने लिखा पत्र

जन एक्सप्रेस । अलीगढ़

दाऊद खां रेलवे स्टेशन का नाम बदलने को लेकर भाजपा सांसद सतीश गौतम ने लिखा खत,महाराणा प्रताप के नाम से रेलवे स्टेशन का नाम रखने की गई मांग।रेल मंत्री को सांसद ने लिखा खत, सांसद ने कहा। कि दाऊद खा का अलीगढ़ में नहीं है।कोई इतिहास, देश में दाऊद खा नाम का है।एक अपराधी,अपराधी के नाम से स्टेशन का नाम रहना उचित नहीं है। बहुत जल्द बदल जाएगा।प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी से अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया है।कि देखिए हमारे अलीगढ़ में एक रेलवे स्टेशन है।दाऊद खा,जो दाऊद खा स्टेशन है। उसका कोई इतिहास नहीं है।दाऊद खा ऐसा नाम है,जो आतंकवादी रहा हो।जिसे तमाम बहन बेटियों के सिंदूर उजाड़ दिए हैं।महाराष्ट्र के अंदर पूरा आतंकवाद रहा हो।दाऊद देश का दुश्मन रहा है।उसका नाम लेने में भी लोग डरते हैं। मुस्लिम समुदाय का कोई गांव भी पास में नहीं है। इसलिए हम दाऊद खा रेलवे स्टेशन का नाम जो स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने देश के लिए आजादी के लिए योगदान दिया है।हमारे महापुरुष महाराणा प्रताप जी के नाम से करने जा रहे हैं। मैं मंत्री अश्विनी वैष्णवी से अनुरोध किया है।वह नाम बदलेंगे।तो एक अच्छा मैसेज भी जाएगा।मुस्लिम समुदाय का कोई गांव भी पास में नहीं है। इसलिए हम दाऊद खा रेलवे स्टेशन का नाम जो स्वतंत्रता सेनानी जिन्होंने देश के लिए आजादी के लिए योगदान दिया है।हमारे महापुरुष महाराणा प्रताप जी के नाम से करने जा रहे हैं। मैं मंत्री अश्विनी वैष्णवी से अनुरोध किया है।वह नाम बदलेंगे।तो एक अच्छा मैसेज भी जाएगा। क्योंकि हमारे महापुरुष थे। रेल मंत्री से मैं निवेदन किया है। वह मेरा निवेदन जरूर स्वीकार करेंगे।क्योंकि रेल मंत्री बहुत पॉजिटिव सोच के हैं। हमेशा कुछ ना कुछ नया करते हैं। रेलवे आज इतना आगे बढ़ा है। तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कारण है।

आगरा के सूरसदन पर बवाल, पुलिस पर पथराव, एक्सीडेंट में मौत के बाद लोगों ने किया हंगामा, लगाया जाम

जन एक्सप्रेस । आगरा

आगरा में मंगलवार को सूरसदन पर जमकर हंगामा और बवाल देखने को मिला। एक्सीडेंट में मौत के बाद लोगों ने यहां शव रखकर जाम लगाने की कोशिश की। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को हटाने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित लोग बहस करने लगे। जिसके बाद उन्होंने पुलिस पर पथराव भी किया। कुछ देर में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया। इसके बाद सभी को वहां से खदेड़ा गया।
मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एक जून को हादसा हुआ था जिसमें मौत हो गई थी जबकि दूसरे की हालत नाजुक थी। उसका इलाज चल रहा था लेकिन उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। इससे आहत परिजनों ने नगर निगम के बाहर शव रखकर जाम लगा दिया। जिससे यातायात व्यवस्था चौपट हो गई और जाम लग गया। हंगामे की सूचना पर यहां पुलिस पहुंची।
इस संदर्भ में एसीपी ने बताया कि 1 जून को हादसा हुआ था, जिसमें 2 की मौत हो गई थी। एक की हालत नाजुक थी। उसे एस एन मेडिकल कॉलेज भर्ती कराया गया था। उसकी भी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजन और बस्ती की महिलाएं शव को सूरसदन के पास ले आए। इसके बाद एम्बुलेंस से शव को

उतारकर रोड पर रखकर जाम लगाने का प्रयास करने लगे। सूचना पर हरीपर्वत थाने की पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। परिजन मुआवजे की मांग कर रहे थे। उनका आरोप था कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है।

एक घंटे तक चला हंगामा

करीब 3 बजे लोग मृत युवकों का फोटो लगा बैनर लेकर पहुंचे थे। उन्होंने जमकर नारेबाजी की। अचानक लोगों की भीड़ बढ़ने लगी। सूचना पर संजय प्लेस चौकी से पुलिस कर्मी पहुंच गए। हंगामे की सूचना पर हरीपर्वत थाने से फोर्स भी आ गई। मगर, महिला पुलिसकर्मी न होने के चलते महिलाओं को संभालने में परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस को लोगों से जूझना पड़ा। इसके चलते वाहनों की लाइन लग गई। हंगामा करने वाले लोगों ने वाहन चालकों के साथ भी अभद्रता की, वही अब इस पूरे मामले में पुलिस द्वारा 20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया जा रहा है।

सीएम आदित्यनाथ का जन्मोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया

जन एक्सप्रेस/आगरा। विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकताओं द्वारा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, हिन्दू हृदय सम्राट, परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और संगठन भावना के साथ मनाया गया। इस विशेष आयोजन का आयोजन श्रीमती सुनीता मेहता, राष्ट्रीय सचिव, विश्व हिंदू महासंघ के नेतृत्व में किया गया।
यह भव्य कार्यक्रम आगरा के सेंट जॉन्स चौराहे स्थित पावन हनुमान मंदिर में आयोजित किया गया, जहाँ शहर की मातृशक्ति ने विशेष पूजा-अर्चना करते हुए पूज्य योगी जी की दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान 125 किलो लड्डुओं का वितरण किया गया। इस आयोजन में डिम्पल गम्भीर,कविता आहूजा, नीलम पेशवानी,मीना भसीन, सुनीता, अरोड़ा, रश्मि चोपड़ा, आशा मनमानी,दीपा बुलाने, अर्पिता कपूर, वंदना मारवाह, एकता चड्ढा, शोर्ली भामरी,संजीव सरीन आदि मौजूद रहे।

कूलर फैक्ट्री में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

जन एक्सप्रेस । आगरा

थाना एत्मादपुर क्षेत्र के संवाई गांव में हुआ हादसा, फायर ब्रिगेड पहुंची
आगरा के थाना एत्मादपुर क्षेत्र के संवाई गांव में कूलर बनाने की फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इसमें गोदाम में रखे कूलर व अन्य सामान जल गया। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए के नुकसान की बात कही जा रही है।
संवाई गांव में मयूर कोल्ड स्टोरेज में आरपी इंडस्ट्रीज के नाम से कूलर बनाने की फैक्ट्री है। फैक्ट्री स्वामी राहुल भारद्वाज ने बताया कि उनके यहां पर कूलर बनाने का काम होता है। सोमवार रात को वो फैक्ट्री बंद करके गए थे। उस समय कोई लाइट जली रह गई। आशंका है कि उससे ही शॉर्ट सर्किट हुआ होगा। सुबह सात बजे उन्हें सूचना मिली कि फैक्ट्री में आग लग गई है।
भीषण गर्मी में कूलर की बढ़ती मांग के बीच इस तरह एक निर्माण इकाई में आग लगना इसके मालिक के लिए बड़ा झटका है। फैक्ट्री के भीतर भरे कूलरों और सामग्री के जलने से भारी वित्तीय क्षति हुई है। पुलिस और दमकल विभाग आग के सटीक कारणों की जांच कर रहे हैं, हालांकि प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को कारण माना गया है।संवाई गांव में मयूर कोल्ड स्टोरेज में आरपी इंडस्ट्रीज के नाम से कूलर बनाने की फैक्ट्री है। फैक्ट्री स्वामी राहुल भारद्वाज ने बताया कि उनके यहां पर कूलर बनाने का काम होता है। सोमवार रात को वो फैक्ट्री बंद करके गए थे। उस समय कोई लाइट जली रह गई। आशंका है कि उससे ही शॉर्ट सर्किट हुआ होगा। सुबह सात बजे उन्हें सूचना मिली कि फैक्ट्री में आग लग गई है।
अंदर से धुआं निकल रहा है। वो मौके पर पहुंचे। अंदर आग की लपटें उठ रही थीं। पफायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। फैक्ट्री स्वामी का कहना है कि आग से करीब 8 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

रात दस बजे बाद सिकंदरा क्षेत्र में खुलेआम बेची जा रही शराब

जन एक्सप्रेस/आगरा। आगरा में शराब दुकानदारों द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। थाना सिकंदरा क्षेत्र में, सिकंदरा बोदला मार्ग पर बनी एक शराब की दुकान का वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिस में स्पष्ट रूप से फोटो में देखा जा सकता है की किस प्रकार रात्रि 10 बजे के बाद भी शटर के नीचे से अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। प्रदेश सरकार के नियमों के अनुसार शराब की दुकानें सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक ही खुल सकती हैं। लेकिन सूत्रों के अनुसार यह दुकान निर्धारित समय के बाद में भी चल रही है। आबकारी विभाग की भूमिका भी संदिग्ध बनी हुई है। अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर किसके सहयोग से इस तरह नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। कंपोजिट शॉप (एफ एल 5 डी बी) अंग्रेजी शराब की दुकान के संचालक और आबकारी विभाग/स्थानीय पुलिस खुलेआम सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेशों की अवहेलना कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन से इस मामले में कार्रवाई की मांग की जा रही है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष का जिले में पहुंचने पर किया स्वागत

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर मे भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोयडा विधायक पंकज सिंह बुधवार को जिले में पहुंचे। जहां पर भाजपाइयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। अटल भवन पहुंचकर तुलसीपार्क में लगी प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। जिसके बाद भाजपा कार्यालय पर प्रेस वार्ता आयोजित की गई।
जानकारी के अनुसार 11 जून को केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर एमएलके पीजी कॉलेज में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया।
एमएलके पीजी कॉलेज में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोयडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के शासन का 11 वर्ष पूर्ण हुआ है। जन कल्याण की योजनाओं के जरिये भारत देश विकसित बनने की ओर है। पीएम मोदी प्रधानमंत्री नहीं बल्कि प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। कहा कि सुशासन लोकतंत्र की मुख्य कड़ी है। यह भाजपा सरकार की संस्कृति बन गई है। एक उत्तरदायी सरकार के रूप में कार्य कर रही है।

जनता के साथ चलने वाली सरकार है। 2014 के पूर्व तुष्टिकरण की राजनीति थी। आज अच्छे नीयत के साथ नीतियां बनाई जा रही हैं। आईएमएफ का लगता है कि 2027 तक भारत विश्व की तीसरी अर्थ व्यवस्था वाला देश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन 49 प्रतिशत भारत देश में होता है। मोबाइल का प्रयोग आज देश में 116 करोड़ लोग कर रहे हैं। योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंच रहा है। मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए इनकम टैक्स स्लैब में केन्द्र सरकार ने बदलाव कर संजीवनी देने का काम किया है। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि 2014 के बाद केन्द्र में भाजपा की सरकार बनने पर बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। 23 शहरों में मैट्रो रेलवे की सुविधा मिल रही है। 99 प्रतिशत गांवों तक सड़क की कनेक्टीविटी मिल चुकी है। 2014 के बाद देश 160 एयरपोर्ट नए बनाए गए हैं। नारी सशक्तिकरण के तहत भारतीय सेना ने महिलाओं के लिए स्थायी नियुक्ति की गई है। भारत देश में आज सबसे ज्यादा महिला पायलेट हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि मोदी सरकार एक विजन व निश्चित मिशन के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। गरीबों को आयुष्मान कार्ड के जरिये पांच लाख रुपये का मुफ्त इलाज सरकार दे रही है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, विधायक पल्टूराम, कैलाश नाथ शुक्ल व राम प्रताप वर्मा, पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, चंद्र प्रकाश सिंह गुड्डू,ब्लाक प्रमुख गोविंद सोनकर, हेमंत जायसवाल, शक्ति सिंह, प्रवीण सिंह विक्की, महिपाल चौधरी, मनोज तिवारी, राकेश तिवारी, रवि वर्मा, प्रिंस वर्मा, धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, अनूप गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी, जिला महामंत्री वरुण सिंह मोनू, बिन्दू विश्वकर्मा, विष्णु देव गुप्ता,अजय सिंह पिंकू, अवधेश तिवारी तरुण, डीपी सिंह, अवधेश पाण्डेय, अंशुमान शुक्ल, संदीप उपाध्याय, अभिषेक सिंह, रमेश पहवा, डॉ प्रांजल त्रिपाठी, डॉ श्रद्धा सिंह, डॉ देवेश श्रीवास्तव, पवन वर्मा, पवन शुक्ल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बीएड विभाग में ज्ञान और अनुभव का संगम विषय पर गोष्ठी आयोजित

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय स्थित एमएलके पीजी कॉलेज के बीएड विभाग में बुधवार को योग संगोष्ठी ज्ञान और अनुभव का संगम विषय पर एक दिनों से गोष्ठी का आयोजन किया गया ।
जानकारी के अनुसार 11 जून को मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एम एल के महाविद्यालय के बी एड विभाग में योग संगोष्ठीज्ञान और अनुभव का संगम विषय पर आयोजित की गयी। कार्यक्रम की प्रस्तावना बी एड विभाग के छात्र मनमोहन सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया । योग का प्रभाव शारीरिक, मानसिक, अध्यात्मिक एवम सामाजिक जीवन पर क्या है और कैसे योग के माध्यम से विश्व में एक बहुत ही प्राचीन

परंपरा द्वारा नये रूप में सामाजिक क्रांति का संचार हो रहा है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो राघवेंद्र सिंह ने योग के क्षेत्र में हुए विभिन्न अनुसंधान के जो सकारात्मक निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं उन पर क्रमवार चर्चा की और विभिन्न योग, प्रणायाम् जैसे अनुलोम विलोम, कपाल भाँति, भस्त्रिका, सूर्य नमस्कार, ताड़ासन के प्रभाव की चर्चा की। डॉ पंकज गुप्ता ने के एन उडुप्पा, डॉ रुडोल्फ वैलेस के शोध का दृष्टांत देते हुए बताया कि प्रणायाम् किस प्रकार मानसिक अवसाद रोकने में सहायक है । डॉ लवकुश पांडे ने कहा कि शोध निष्कर्ष जो हमें प्राप्त हैं, उन पर आगे कार्य बढ़ाने की आवश्यकता है। डॉ के के सिंह ने बताया कि सन्यासी मँगलतीर्थ ने सन् 1998 अपने अध्यन में यह पाया था कि योगनिद्रा से एल्फा किरणों की प्रबलता से मानसिक शक्ति प्राप्त होती है जो कि अन्य अध्यनों मे भी सिद्ध हो चुका है। इस अवसर पर श्री नारायण सिंह, एवं अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को किया गया जागरूक, विभिन्न योजनाओं की भी दी गई जानकारी

जन एक्सप्रेस । बलरामपुर

विकसित कृषि संकल्प अभियान %कृषि तकनीकी गांव की ओर% के तहत पूरे भारत में किसानों तक जागरूक करने व खेती और पशुपाल में वैज्ञानिकों द्वारा किए गए सुधारो को जन स्तर तक पहुंचाने का कार्य कृषि विभाग और कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा किया जा रहा है।
कृषि तकनीकी गांव की ओर के तहत विकास खंडों श्रीदत्तगंज -विकास खंड के ग्राम अमारे भरिया, तख्तरवा, महदेई सिरसिया गांवों में कृषि विज्ञान केंद्र पचपेड़वा की टीम के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के द्वारा किसानों के साथ चौपाल का आयोजन किया गया इस किसान चौपाल में वैज्ञानिकों के साथ किसानों का सीधा संवाद हुआ। जिसमें किसानों की खेती से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर वैज्ञानिकों के द्वारा चर्चा किया गया।
इस अवसर पर उप कृषि निदेशक

महोदय बलरामपुर द्वारा कृषि विभाग की समस्त योजनाओ जैसे मृदा परीक्षण के लिए किसान बीज गोदाम से 50/. अनुदान पर किसानों बीज उपलब्ध, यंत्रीकरण योजना में खेती से संबंधित कृषि यंत्रों पर अनुदान की जानकारी, पीएम फसल बीमा योजना, प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक किया गया, फॉर्मर रजिस्ट्री हेतु किसानों को जागरूक किया गया। पीएम किसान सम्मान निधि योजना में श्रद्दठुस्त्रद्बठ्ठद्द श्रद्म4ष् , श्रद्दठुस्त्रद्बठ्ठद्द ड्ढ्रह्ह श्रद्ध4ह्यद्बष्ड्डद्य4 1ड्डह्लद्बद्ध-ष्ड्डह्लद्बश्ठ्ठ की जानकारी दी गई, साथ ही किसानों की अन्य समस्याओं को सुना गया और कृषि विज्ञान के वरिष्ठ वैज्ञानिक के अध्यक्ष डॉक्टर सी.पी.एन. गौतम ने प्राकृतिक खेती के गुर सिखाएं। उन्होंने बताया कि प्रकृति खेती जल, जमीन, जीवन को बचाने के दृष्टिकोण से आज की मांग है। मृदा वैज्ञानिक डॉ जगबीर सिंह ने मृदा परीक्षण की उपयोगिता एवं महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही साथ वैज्ञानिक गिरिजेश कुमार जायसवाल ने धान में लगने वाला हल्दिया रोग के बारे में किसानों को विस्तृत प्रबंधन हेतु जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धान के इस रोग को धान का आभासी कडुवा रोग कहते हैं। इस कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी कोऑपरेटिव द्वारा किसान भाइयों को खाद का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें इसके बारे में जानकारी दें।, सहायक कृषि विकास अधिकारी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अतिरिक्त विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताएं।, प्राविधिक सहायक किसान भाइयों द्वारा कृषक उत्पादक संगठन बनाने के बारे में बताया। प्रधानमंत्री फसल बीमा के अधिकारी किसान भाइयों को धान की फसल का बीमा करने के बारे में बताएं।, उपयुक्त ग्राम सभाओं की चौपाल में अधिक से अधिक प्रगतिशील महिला व पुरुष कृषक उपस्थित रहे।

जौनपुर की सियासत में सोशल मीडिया पर 'बाबा दुबे' को लेकर गरमाया माहौल

Sujit Kumar Singh · Follow
बाबा दूबे लाजवाब शख्सियत हैं। बस दिक्कत यही है कि उन्हें "गइयौ गभिन और बछउवौ गाभिन" कहना नहीं आता। राजनीति अब वैसे भी बहरूपियों के हाथ में जा चुकी है। ऐसे में बाबा दूबे की प्रासंगिकता कम हो जाती है। लेकिन राजनीति में जब सच को सच और झूठ को झूठ कहने की बात आएगी, तो बाबा दूबे सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

Bineet Singh Mahatma is with **Ramesh Singh** and **11 others**.
1d
कभी ब्राह्मणों के सर्वमान्य नेता थे बाबा, अब दग चुके हैं दूबे जी !

इसे विडंबना ही कहेंगे कि देश भर की सियासत में दशकों तक जिस ब्राह्मण समाज का सिक्का चला वही ब्राह्मण समाज जौनपुर की सियासत में हमेशा हाशिये पर रहा। ज़िले का कोई भी ब्राह्मण नेता बिरादरी का सर्वमान्य नेता नहीं बन सका।तक़रीबन 17 वर्षों तक विधायक और दो बार सांसद रहे राजा यादवेंद्र दत्त दूबे भी बिरादरी के सर्वमान्य नेता नहीं बन सके।राजपूतों और ब्राह्मणों के बीच चल

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

पूर्व विधायक ओमप्रकाश दुबे उर्फ बाबा को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल है। विनीत सिंह महात्मा नामक एक व्यक्ति की टिप्पणी ने जिले की राजनीति में खलबली मचा दी है। इस टिप्पणी में बाबा दुबे को दग चुके नेता बताया गया, साथ ही जातिगत समीकरणों और ब्राह्मण नेतृत्व की असफलता पर भी सवाल उठाए गए। इससे बाबा के समर्थकों सहित समाज के कई वर्गों में आक्रोश देखने को मिल रहा है।

बाबा दुबे- एक सफर, एक पड़ाव

बाबा दुबे का राजनीतिक सफर 2002 में शुरू हुआ, जब उन्होंने खुटहन विधानसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और 25 हजार से अधिक मत प्राप्त कर चर्चाओं में आ गए। 2004 में उन्होंने बसपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ा, जिसमें वे हार गए। इसी दौरान, जब पूर्व बाहुबली विधायक धनंजय सिंह को बसपा में शामिल किया गया, तो बाबा ने विरोध स्वरूप बसपा छोड़ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। धीरे-धीरे वे ब्राह्मण समाज के एक प्रमुख चेहरे के रूप में उभरने लगे।

2012 में वे सपा के टिकट पर बदलापुर से विधायक चुने गए। 2017 में भाजपा के रमेश मिश्रा ने उन्हें बेहद कम अंतर से हराया, और 2022 में भी रमेश चंद्र मिश्र से मामूली अंतर से पुनः पराजित हुए। इसके बाद, लोक सभा चुनाव के दौरान सपा द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे एक व्यक्ति को टिकट दिए जाने पर, उन्होंने अपने सिद्धांतों के आधार पर पार्टी से नाता तोड़ लिया। कई चर्चाएं हैं कि वे एक नई पार्टी बनाकर प्रदेशभर में आगामी चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि कुछ का मानना है कि वे भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इस संबंध में कोई औपचारिक घोषणा अब तक नहीं हुई है।

क्या सचमुच दग चुके हैं बाबा?

राजनीति में हार-जीत सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या बाबा दुबे की राजनीतिक प्रासंगिकता अब समाप्त हो चुकी है? उनके समर्थकों का मानना है कि वे आज भी अपने विचारों और सिद्धांतों पर अडिग हैं। वहीं आलोचकों का तर्क है कि वे ब्राह्मण समाज को एकजुट करने में विफल रहे हैं और अब बदलापुर में भाजपा की पकड़ मजबूत हो चुकी है बहरहाल, राजनीति में समय और परिस्थितियां निर्णायक होती हैं। बाबा दुबे के समर्थक उन्हें आज भी सच्चाई और सिद्धांत की राजनीति का प्रतीक मानते हैं, जबकि कुछ लोग उन्हें अब अतीत का हिस्सा मानते हैं।

सोशल मीडिया पर मचा घमासान

विनीत सिंह महात्मा की आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद, सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई

- सौरभ द्विवेदी ने पोस्ट को जातिवादी मानसिकता का परिणाम बताया और इसे एक व्यक्ति विशेष का स्नेह पाने की होड़ करार दिया।
- शिवम मिश्रा ने लिखा- राजनीति संभावनाओं का खेल है। ब्राह्मण और ठाकुर सदैव एक रहेंगे। हर हर महादेव।
- सुजीत कुमार सिंह ने बाबा को लाजवाब शख्सियत कहा, लेकिन यह भी जोड़ा कि राजनीति अब बहरूपियों के हाथ में है।
- शिव प्रताप सिंह ने बाबा को स्पष्टवादी और सच बोलने वाला नेता बताते हुए आग्रह किया कि जातीय फूट न डाली जाए।
- नीरज शुक्ला ने उन्हें बदलापुर के विकास का नायक बताया और दावा किया कि 2027 में बाबा पुनः विधायक बनेंगे।

संदीप पांडेय ने लिखा

जो व्यक्ति हीरे का व्यापारी रहा हो, उससे कुछ सीखो। वह राजनीति समाज के लिए करता है।
गौरव दयाल सिंह का कहना था। बाबा चाटुकार नहीं, बेबाक वक्ता हैं। आपको समाज से नहीं, किसी व्यक्ति से पीड़ा है।

यह स्पष्ट है कि 'बाबा' नाम अभी भी सियासी बहस के केंद्र में है। सोशल मीडिया के इस युग में उनके हर बयान और प्रतिक्रिया को बड़ी बारीकी से देखा जा रहा है। अब यह आने वाला समय बताएगा कि क्या बाबा फिर से राजनीति के केंद्र में लौटते हैं, या फिर इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाते हैं। बहरहाल राजनीति विचारों की होती और विचार कभी मरता ही नही समुद्र में तुफान आने से पहले शांति रहती है इस राजनीतिक गर्मी आने वाला 2027 ही बताएगा की तुफान कौन सा होगा ज्वार भटा तो नहीं।

कजगांव में मच्छरों का आतंक, नगर पंचायत बेखबर!

जनता सवाल कर रही है– कब जागेगा प्रशासन?

- न दवा छिड़काव, न फॉगिंग – मच्छरों ने लोगों की नींद उड़ाई, बीमारियां बढ़ीं

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिले के कजगांव नगर पंचायत क्षेत्र में मच्छरों का आतंक चरम पर है, लेकिन जिम्मेदार अफसर और कर्मचारी कुंभकर्णी नींद में डूबे हैं। डेंगू, मलेरिया जैसी घातक बीमारियों के फैलते खतरे के बीच कीटनाशक दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग तक नहीं कराई जा रही, जिससे आमजन का जीना मुहाल हो गया है।

दिन-रात मच्छरों का हमला, बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित

गांव में स्थिति यह है कि दिन हो या रात – मच्छरों का हमला रुकने का नाम नहीं ले रहा। छोटे-छोटे बच्चे बुखार, मलेरिया और डेंगू की चपेट में आ रहे हैं। रात भर जागना लोगों की मजबूरी बन चुकी है। मच्छरों की गुनगुनाहट अब शोर बन गई है, और लोगों का सब्र जवाब दे रहा है।

शासन से संसाधन, लेकिन स्थानीय निकाय लापता

सूत्रों की मानें तो शासन से दवा और बजट दोनों उपलब्ध कराए जा चुके हैं, लेकिन नगर पंचायत प्रशासन पूरी तरह लापरवाह बना हुआ है। न तो क्षेत्र में नियमित दवा का छिड़काव हो रहा है, और न ही फॉगिंग मशीन चलाई जा रही है। जो भी कार्य हो रहा है, वह सिर्फ कागज़ी खानापूरी बनकर रह गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि

- गर्मी के मौसम में मच्छरों की तादाद कई गुना बढ़ जाती है, लेकिन दवा छिड़काव के नाम पर अधिकारी सिर्फ झूठी तसल्ली देते हैं।
- कुछ लोगों का यह भी आरोप है कि नगर पंचायत के अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी मच्छरों के खिलाफ किसी भी तरह का अभियान चलाने से कतरा रहे हैं, मानो वे खुद भी इस संकट से डर गए हों।

स्वास्थ्य विभाग भी बना मूकदर्शक

इतनी भयावह स्थिति के बावजूद अब तक न तो कोई स्वास्थ्य शिविर लगाया गया और न ही बीमारियों की रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। डॉक्टरों की टीम तक सक्रिय नहीं है, जिससे बीमार लोगों को इलाज तक समय से नहीं मिल पा रहा।

जन एक्सप्रेस की अपील- अब और देर नहीं!

कजगांव के लोग एक बार फिर जन प्रतिनिधियों और शासन-प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं कि तुरंत प्रभाव से दवा छिड़काव, फॉगिंग और जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि मच्छरों के कहर को रोका जा सके।

हर घर नल से जल की ओर बड़ा कदम, कलेक्ट्रेट सभागार में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

केंद्र सरकार की बहुचर्चित और महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत जिले में हर घर को नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश जारी किए गए। बैठक में विधायक रमेश चन्द्र मिश्र ने बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्राम सभाओं में बन रही पानी की टंकियों के निर्माण कार्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने, पाइपलाइन बिछाने के दौरान खुदे हुए मार्गों की मरम्मत जल्द से जल्द कराने और खारे पानी से प्रभावित ग्रामों को प्राथमिकता देने की सख्त हिदायत दी गई।

समीक्षा बैठक में प्रमुख निर्देश

- निर्माणाधीन जल टंकियों के कार्य में तेजी लाई जाए
- पाइपलाइन कार्य से प्रभावित मार्गों की मरम्मत प्राथमिकता पर
- खारे पानी से पीड़ित गांवों को पहले चरण में जोड़ा जाए
- जनहित में कार्यों की गुणवत्ता से समझौता न हो

इस मौके पर जिलाधिकारी दिनेश चंद्र, विधायकगण जगदीश नारायण राय व पंकज पटेल, परियोजना निदेशक करुणाकर पांडेय, विभिन्न विकास खंडों के ब्लॉक प्रमुखगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों की स्पष्ट चेतावनी

- जनता की सुविधा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कार्य में लापरवाही या देरी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई तय है।
- जमीनी हकीकत को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश, कार्य की धीमी रफ्तार पर जताई गई नाराजगी।
- जल जीवन मिशन के जरिए सरकार का लक्ष्य है – हर गांव, हर घर तक स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल पहुंचाना।

जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सक्रिय नेतृत्व में यह योजना अब गति पकड़ रही है। अगर सब कुछ तयशुदा समयसीमा में होता है, तो जौनपुर जल्द ही हर घर जल वाला जिला बन सकता है।

ग्रामीणों के सहयोग से हुआ गरीब की बेटी का भव्यता से विवाह सम्पन्न

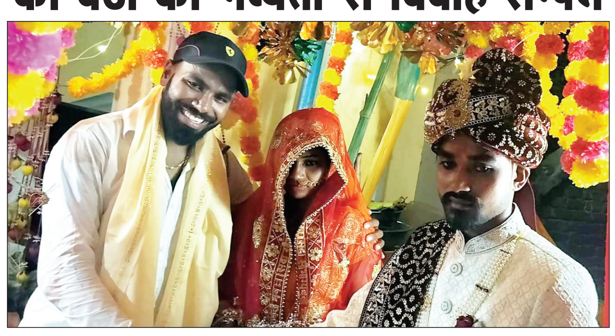

जन एक्सप्रेस। बस्ती

कबाड बेचकर जैसे-तैसे जिन्दगी की गाडी खीच रहे रामनगर विकास खण्ड क्षेत्र के चन्दोखा निवासी विजय चौहान के सामने बेटी मीनू चौहान के हाथ पीले करने की बड़ी चुनौती थी। उसे यह चिन्ता सताये जा रही थी कि मीनू का विवाह कैसे होगा। जब इसकी सूचना गांव के ही चन्दोखा एक्सप्रेस के नाम से लोकप्रिय क्रिकेटर शुभम पाण्डेय को मिली तो वे सहयोग के लिये आगे आये। 10 जून मंगलवार को मीनू चौहान पूरी भव्यता से हुई। विवाह में सारे गामा पा शो के विजेता आशी मिश्रा और अभिषेक पाण्डेय ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का दिल जीत लिया। पिता विजय चौहान की आंखों में खुशी के आंसू थे। क्रिकेटर शुभम पाण्डेय के साथ ही पूरा गांव इस विवाह का साक्षी बना। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने व्यवस्था में योगदान दिया। लोगों ने वर- बधू मीनू और अक्षय को जीवन से जुड़े उपहार देने के साथ ही बारातियों की खूब खातिरदारी किया। इस विवाह की क्षेत्र में खूब चर्चा है और क्रिकेटर शुभम पाण्डेय के साथ ही सहयोगियों की सराहना हो रही है कि यदि इसी प्रकार से लोग सहयोग के लिये आगे आये तो गरीबों के घरों में खुशियां आने में देर नहीं लगेगी और किसी गरीब की बेटी के विवाह में धन बाधा नहीं बनेगा।

आवास निर्माण के लिए अनुबंध करने के 11 वर्ष बाद भी ठेकेदार पूर्ण नहीं कर सका कार्य

- अधिशासी अभियंता निर्माण खंड वाराणसी ने ठेकेदार के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा।

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

खुटहन। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद कार्यालय निर्माण खंड वाराणसी जवाहर नगर भेलूपुर अधिशासी अभियंता प्रीति विश्वकर्मा ने जौनपुर शाहगंज तहसील के खुटहन (उचैना)निवासी ठेकेदार महातम यादव पुत्र रामाआसरे यादव के विरुद्ध लाइन बाजार थाने में सरकारी कार्य में लापरवाही बरतने तथा धन का दुरूपयोग करने के मामले में मुकदमा दर्ज कराया है। मुकदमा पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ के आदेश पर दर्ज किया गया है। जिसकी विवेचना उप निरीक्षक राजीव मल्ल को सौंपी गई है। काशीराम जी शहरी गरीब आवास योजना के तृतीय चरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2011-12 में सदर तहसील अंतर्गत आईटीआई परिसर में 384 व मछली शहर तहसील में 112 तथा मडियाहू तहसील में 192 कुल मिलाकर 688 आवास का निर्माण कराया जाना था। इस योजना अंतर्गत कादीपुर मडियाहू में आंतरिक विकास कार्य हेतु महातम यादव को अनुबंधित किया गया था। कार्य की प्रारंभ तिथि 6 जनवरी 2014 तथा समाप्ति तिथि 5 अप्रैल 2014 निर्धारित की गई थी। 11 वर्ष बीत जाने के बाद भी महातम यादव द्वारा कार्य पूर्ण नहीं कराया गया। उक्त कार्य को पूर्ण करने के लिए खंड तथा वृत्त स्तर से कई बार पत्र प्रेषित किया गया लेकिन ठेकेदार द्वारा हीला हवाली किया जाता रहा। 6 नवंबर 2024 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में दोषी फर्म तथा ठेकेदारों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। अब पुलिस अधीक्षक डॉक्टर कौस्तुभ के आदेश पर ठेकेदार महातम यादव के विरुद्ध पुलिस ने सरकारी कार्य में लापरवाही वर्तनी तथा सरकारी धन का दुरुपयोग करने के संबंध में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

प्रेम जाल में फसाकर लड़की को भगाने वाले आरोपी को 1.30 घंटे के अंदर पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की को गांव के ही रिश्तेदार ने शादी का झूठा वादा कर प्रेम में फसा कर घर से कही ले जा रहा था परंतु इसकी सूचना थाना प्रभारी को लगी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 1:30 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रिश्तेदार आरोपी युवक दीपक कुमार पुत्र चिंतामणि निवासी सजई कला थाना पवारा का बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव की लड़की को प्यार हो गया। आरोपी मंगलवार को दोपहर में लड़की को भगा कर कही जा रहा था परन्तु इसकी सूचना थाना प्रभारी राजेश यादव को लग गई थाना प्रभारी ने तत्परता दिखाते हुए 1:30 घंटे के अंदर बारीगांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पूछने पर थाना प्रभारी राजेश यादव ने बताया कि बीएनएस 137(2),87 के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पिता की चली गोली, बेटे ने बचाई जान पर खुद गंवाई जिंदगी!

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जिले के चंदवक क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ पारिवारिक रंजिश और गुस्से का खौफनाक अंजाम एक बेटे को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, चंदवक थाना क्षेत्र में दो पड़ोसियों के बीच पुरानी रंजिश के चलते मंगलवार देर शाम माहौल गरमा गया। गुस्से में आगबबूला पिता ने लाइसेंसी बंदूक निकालकर पड़ोसी पर तान दी। लेकिन तभी बीच में आकर बेटे ने पिता को रोकने की कोशिश की। अफरातफरी में चली गोली बेटे को जा लगी। गंभीर रूप से घायल बेटे को आनन-फानन में वाराणसी रेफर किया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और लाइसेंसी हथियार को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। बताया जा रहा है कि पड़ोसी के साथ पहले से तनाव चल रहा था और इसी झगड़े की आग में मासूम बेटा झुलस गया।

क्या कहते हैं चश्मदीद?

स्थानीय लोगों के मुताबिक, पिता को गुस्से में देख बेटा उन्हें रोकने दौड़ा था। अगर वह न आता, तो शायद एक और जान जाती। लेकिन किसे पता था कि यह बहादुरी उसकी आखिरी कोशिश बन जाएगी।

पुलिस का बयान

घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। लाइसेंसी हथियार का दुरुपयोग हुआ है या नहीं, इसकी भी जांच होगी।

फिलहाल क्षेत्र में माहौल तनावपूर्ण, पुलिस तैनात

यह घटना न केवल पारिवारिक रिश्तों की जटिलता को दिखाती है, बल्कि यह भी बताती है कि गुस्से में उठाया गया एक कदम कैसे जिंदगी भर का पछतावा बन सकता है।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक का शव

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

गौराबादशाहपुर। जौनपुर औड़िहार रेल प्रखंड पर लगातार शव मिलने की घटनाओं से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल बन गया है। पुलिस ने आज तक एक भी मामले का खुलासा नहीं किया । इस संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस से जब पूछा जाता है तो वह कहती है कि मामला सिविल पुलिस का है । और जब सिविल पुलिस से घटना के बारे में जानकारी ली जाती है वह कहती है जांच पड़ताल चल रही है। बुधवार को गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के जौनपुर-औड़िहार रेलवे ट्रैक पर गोपालपुर अंडरपास के पास 35 वर्षीय एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। लोगों ने यूपी डायल 112 पर फोन करके पुलिस को सूचना दिया। पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव की पहचान करने में जुट गई। देर शाम को काफी देर बाद मृत युवक की पहचान जितेंद्र यादव 35 वर्ष पुत्र संतोषी यादव निवासी चक पिढवा थाना गौराबादशाहपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उक्त युवक नशे का आदी था। रेलवे ट्रैक पर टहल रहा था, इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। सूचना पर पहुंची गौराबादशाहपुर पुलिस ने शिनाख्त के उपरांत शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय की मनमानी फीस नीति के खिलाफ प्रबंधकों का फूटा गुस्सा!

डॉ. दिनेश तिवारी (अध्यक्ष, महासंघ) ने चेतावनी दी

अगर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द इसका निराकरण नहीं किया तो समस्त महाविद्यालयों की चाबियां सौंप दी जाएंगी और विश्वविद्यालय स्वयं जिम्मेदार होगा।

प्रबंधकों की मांगें

- 30,000 प्रति वर्ष वाले मनमाने जुर्माने को तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए।
- विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों से तत्काल वार्ता कर निरीक्षक मंडल नामित किया जाए।
- आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और राज्यपाल से मिलकर समाधान कराया जाएगा।

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अधीनस्थ स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की जटिल होती जा रही समस्याओं के खिलाफ आज प्रबंधकों का आक्रोश फूट पड़ा। प्रबंधक महासंघ, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. दिनेश तिवारी के नेतृत्व में बुधवार एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें विश्वविद्यालय की मनमानी फीस नीति और बेतुके आर्थिक दंड को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया।

मुख्य मुद्दा- मनमाना अर्थदंड और मान्यता विस्तार पर विश्वविद्यालय की चुप्पी

बैठक में दर्जनों महाविद्यालय प्रबंधकों ने एक सुर में कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विलंब शुल्क और जुर्माना थोपकर महाविद्यालयों को आर्थिक रूप से बर्बाद करने पर तुला है। जिन महाविद्यालयों को मान्यता का विस्तार तो मिला, लेकिन स्थायी मान्यता नहीं दी गई, उन पर 30,000 प्रतिवर्ष के हिसाब से जुर्माना लगाया गया है – जिसकी कोई आधिकारिक गवर्नमेंट गाइडलाइन या शासनादेश नहीं है।
बैठक में प्रमुख उपस्थितियां- महासंघ के संरक्षक अशोक दुबे, भूपेंद्र यादव, मनीष यादव, विनय सिंह, विनोद तिवारी, रत्नेश तिवारी, संजय सिंह, राघवेंद्र कुमार, अंजनी, राजकुमार मौर्य सहित कई महाविद्यालयों के प्रबंधकगण शामिल रहे।

संदेश स्पष्ट है

या तो विश्वविद्यालय मनमानी बंद करे – या बंद हो जाएंगे महाविद्यालय!÷
अब निगाहें कुलपति के फैसले पर टिकी हैं। अगर समाधान नहीं निकला तो शिक्षा व्यवस्था में भयंकर संकट आ सकता है।

फुटबाल खेलने के विवाद युवक की पिटाई

- चार के खिलाफ मुकदमा, गिरफ्तार एक भी नहीं, महिला और उसके मासूम बेटे को पीटने वाले भी नहीं पकड़े गए

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जफराबाद। जिले के जलालपुर थाना अंतर्गत गड़हर गांव के एक फुटबाल खिलाड़ी को मंगलवार को कुछ मनबढ़ युवकों ने फुटबाल खेलने के विवाद में बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। युवक की तहरीर पर जलालपुर थाना पुलिस ने चार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। लेकिन इतनी बड़ी वारदात होने के बाद पुलिस अभी तक एक भी हमलावर को गिरफ्तार नहीं कर सकी। इलाके के लोग कहते हैं हमलावर काफी मनबढ़ किस्म के हैं। वह हर किसी को बिना वजह आए दिन पीटते रहते हैं। पुलिस की लापरवाही से उनका मन दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। बताते हैं कि गड़हर गांव निवासी फुटबॉल खिलाड़ी जावेद अख्तर मंगलवार की शाम वह अपने दरवाजे पर खड़ा होकर चाय पी रहा था। इस दौरान गांव के ही अजीम शेख, जीशान शेख, सुहैल शेख, सलमान शेख ने उसे फुटबाल खेलने के विवाद को लेकर अपने पास बुलाया और बिना कुछ कहे अचानक उसकी पिटाई शुरू कर दिए। वहां मौजूद कुछ लोगों ने विरोध किया तो हमलावर उन्हें भी मारने पीटने के लिए दौड़ा लिए। काफी देर तक गांव में दहशत का माहौल रहा। जाते-जाते हमलावरों ने धारदार हथियार से युवक के सर पर मार दिया जिससे उसका सर फट गया। जलालपुर थाना पुलिस ने युवक का मेडिकल कराते हुए केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी त्रिवेणी सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक विधिक कार्यवाई की जा रही है।

तमंचा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

जन एक्सप्रेस। जौनपुर। जिले की सरायख्वाजा थाना पुलिस ने 315 बोर के एक तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ बुधवार को एक युवक को गिरफ्तार किया है। बाद में विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी का चालान न्यायालय भेज दिया है। थाना प्रभारी विनय प्रकाश सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक अखिलेश यादव अपनी पुलिस टीम के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान बहाउद्दीनपुर नहर पुलिया जंगीपुर रोड के पास से एक युवक को गिरफ्तार किया गया तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया युवक की पहचान जगदीश यादव पुत्र साहब लाल यादव निवासी ग्राम हरिहरपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के रूप में हुई है।

टैंकर की चपेट में आने से पिता पुत्र घायल, मुकदमा दर्ज

जन एक्सप्रेस। जौनपुर

जफराबाद। वाराणसी जौनपुर नेशनल हाईवे पर हौज टोल प्लाजा के पास बाइक में टक्कर मारने वाले टैंकर चालक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के सहारे चालक और वाहन को भी चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि मामले में काफी संकेत मिले हैं। बहुत जल्द चालक की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। जिले के जलालपुर क्षेत्र के सुरहूर ढेलवारी गांव निवासी हिमांशु चौबे ने मंगलवार की शाम जफराबाद पुलिस को तहरीर देकर एक टैंकर चालक पर मुकदमा दर्ज कराया है।
तहरीर में बताया कि बीते पांच जून को उनके पिता सतीश दूबे व भाई प्रियांशु दुबे बाइक से अपने घर से जौनपुर शहर कुछ काम के लिये जा रहे थे।
हौज टोल प्लाजा के पास एक टैंकर चालक उनकी बाईक में टक्कर मारते हुए भाग निकला।
टैंकर के चपेट में आकर दोनो लोग गिर गये। जिसमें दोनो घायल हो गये। उन्हें काफी चोट आईं।
उन दोनों का उपचार एक निजी चिकित्सालय में चल रहा था।उपचार कराने के बाद जब दोनो को आराम हुआ। तब पीड़ित के बड़े पुत्र ने मंगलवार को थाने पर तहरीर दिया। थाना प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बताया की पीड़ित द्वारा अपना इलाज कराने के बाद तहरीर ही दी गयी।घटना की जांच करवा कर केस दर्ज कर लिया गया है। अब ऊक्त अज्ञात टैंकर को खोजने का प्रयास किया जा रहा है।
आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल जा रहा है। उम्मीद है कि बहुत जल्द टैंकर और उसका चालक पकड़ा जाएगा।

दीपिका पादुकोण देशभर में खोलेंगी

पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के 75 नए सेंटर

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण जितनी बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, उतनी ही अच्छी बैडमिंटन प्लेयर रह चुकी हैं। बता दें कि वह नेशनल लेवल पर बैडमिंटन खेल चुकी हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह बचपन से ही बैडमिंटन खेलते हुए बड़ी हुई हैं। इस खेल ने उनकी ज़िंदगी को नया आकार दिया है। ऐसे में वह चाहती हैं कि और लोग भी इस खेल से जुड़ें, इसके लिए उन्होंने पूरे देश में पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन के 75 नए सेंटर खोलने का लक्ष्य रखा है।

दीपिका पादुकोण ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह अपने पापा प्रकाश पादुकोण के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। उनके पापा बैडमिंटन के जाने-माने खिलाड़ी रह चुके हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, मैंने बचपन में बैडमिंटन खेला है, और मैंने खुद महसूस किया है कि यह खेल इंसान की जिंदगी को कई तरीकों से बदल सकता है, शारीरिक, मानसिक और भावनाओं से भी। दीपिका ने बताया कि पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी) के 75 नए सेंटर देशभर में खोले जा रहे हैं। पीएसबी के जरिए हम चाहते हैं कि बैडमिंटन की खुशी और अनुशासन हर क्षेत्र के लोगों तक पहुंचे। हमारा मकसद है कि एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो, जो सेहतमंद हो, ध्यान से काम करे और खेलों से प्रेरित हो। प्रेस नोट में लिखा, पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी), जिसकी शुरुआत दीपिका पादुकोण ने की है और इसे उनके पिता व पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण मार्गदर्शन दे रहे हैं, ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पीएसबी अपने पहले ही साल में भारत के 18 शहरों में 75 से ज्यादा कोचिंग सेंटर्स शुरू करने जा रहा है। इन शहरों में बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयंबटूर, सांगली और सूरत जैसे शहर शामिल हैं। प्रेस नोट में आगे कहा गया, बैडमिंटन फॉर ऑल के मिशन के साथ, पीएसबी का लक्ष्य है कि साल के अंत तक 100 सेंटर्स और अगले तीन सालों में 250 सेंटर्स तक पहुंचा जाए। नोट में आगे कहा गया, अकादमी का मकसद है कि अच्छी और किफायती बैडमिंटन कोचिंग हर किसी को मिल सके, चाहे वह किसी भी उम्र का हो। प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में बनाई गई कोचिंग पद्धति के जरिए, यह संस्था देश भर के स्कूल के बच्चों और कामकाजी लोगों को बैडमिंटन से जोड़ना चाहती है। साथ ही, यह उन लोगों को भी मदद देना चाहती है जो बैडमिंटन कोच बनना चाहते हैं, ताकि उन्हें अच्छी ट्रेनिंग और एक स्थिर करियर मिल सके। नोट में आगे लिखा गया, पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन स्कूलों, संस्थाओं और पहले से मौजूद स्पोर्ट्स वेन्यू के साथ मिलकर छोटे-छोटे ट्रेनिंग सेंटर शुरू करता है। इन सेंटर्स से चुने गए अच्छे खिलाड़ी बेंगलुरु में मौजूद इसके तीन बड़े हाई-परफॉर्मेंस सेंटर्स में एडवांस ट्रेनिंग के लिए भेजे जाते हैं।

पूजा बेदी ने शेयर किया पोस्ट, बोलीं-

मैं अब वही करती हूं जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट

अभिनेत्री पूजा बेदी ने समाज में परफेक्शन की चाहत रखने वालों पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि वह अब दिखावे की बजाय मन की शांति और सच्चाई को प्राथमिकता दे रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि प्रभावशाली दिखना जरूरी नहीं है।

अभिनेत्री पूजा बेदी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने परफेक्शन पर अपने विचार रखे। पूजा ने अपने पोस्ट में बताया कि वास्तव में परफेक्शन को लेकर क्या नजरिया है। उन्होंने बताया, समाज हमसे हर समय, हर जगह परफेक्ट होने की उम्मीद करता है। हम देखने में परफेक्ट हों, काम में परफेक्ट हों और कोई कमी न रहे। लेकिन, मैं अब यह समझ गई हूं कि इस दबाव से बाहर निकलना होगा। इसलिए जो महत्वपूर्ण है, उसी का चयन करें, न कि प्रभावशाली दिखने की दौड़ में शामिल हों। उन्होंने बताया, मुझे सुनहरे पेन से डायरी लिखने, सुबह तक चमकते चेहरे के लिए टॉनिक या किसी तरह के जूस देने की जरूरत नहीं है। मैं ऊर्जा को सुंदरता से, उद्देश्य को प्रदर्शन से ज्यादा महत्व देती हूं। यह नियंत्रण बनाम अराजकता नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुने गए रास्ते की बात है।

परफेक्शन एक बदलता लक्ष्य है, लेकिन प्राथमिकताएं एक दिशा-सूचक की तरह हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अब वही करती हूं, जो मेरे लिए सार्थक हो, न कि परफेक्ट। प्राथमिकताएं शांति देती हैं। जबकि, परफेक्शन चमक के साथ तनाव देता है। कुछ दिन मैं चमकती हूं, कुछ दिन ठोकर खाती हूं, लेकिन हमेशा उस दिशा में चलती हूं, जो सही लगता है। यही मेरे लिए काफी है। पूजा बेदी अभिनेता कबीर बेदी की बेटी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1991 में 'विषकन्या' से की थी। इसके बाद वह आमिर खान के साथ 'जो जीता वही सिकंदर' में नजर आईं, जो उनकी सबसे यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा 'लुटेरे' और 'आतंक ही आतंक' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया है।

पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा को 3 साल पुराने करीबी दोस्त से मिला धोखा

➢ गंवाई अपनी सारी कमाई, रो-रोकर बुरा हाल

टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी और एक्टर कुणाल वर्मा को एक करीबी दोस्त ने धोखा दिया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस धोखे के कारण कपल ने अपनी सारी जमा पूंजी खो दी है और वे पूरी तरह से टूट चुके हैं। टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी और एक्टर कुणाल वर्मा के साथ उनके ही एक

करीबी दोस्त ने फ्रॉड किया, जिस कारण कपल ने अपनी पूरी सेविंग गंवा दीं। वह अब पूरी तरह से टूट चुके हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वह कहां से नई शुरुआत करें। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि 3 साल के करीबी दोस्त से धोखा खाने के बाद उन्होंने अपनी सारी बचत खो दी है। वह रो-रोकर थक गए हैं। एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने बताया, पिछले दो-तीन महीने हमारे लिए बहुत मुश्किल रहे हैं। हमें नहीं पता कि आगे क्या होगा। हमारे साथ पैसों की धोखाधड़ी हुई है और एक मोटी रकम हमने गंवा दी है। अब हमें जीरो से शुरुआत करनी होगी। और हम हार नहीं मानना चाहते। हमने इस फ्रॉड में अपनी सारी सेविंग्स खो दी। हम बस इतना चाहते हैं कि आप सभी हमारा सपोर्ट करें और हमारे लिए प्रार्थना करें। हमें भगवान पर भरोसा है।

रणवीर सिंह के मूलांक में छिपा है उनके स्टाइल और चार्म का राज

रणवीर सिंह की गिनती बॉलीवुड के उन चुनिंदा चार्मिंग और स्टाइलिश एक्टर्स में होती है, जो अपने स्टाइल से लोगों के बीच सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बने रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं इसके पीछे का राज उनके मूलांक में छिपा है. हिंदू धर्म में ज्योतिष शास्त्र और अंक शास्त्र का बेहद खास महत्व माना जाता है. मान्यता है कि जिस तरह से ज्योतिष शास्त्र से कुंडली तैयार कर किसी व्यक्ति के भविष्य का पता लगाया जा सकता है, ठीक उसी तरह से अंक शास्त्र के जरिए किसी व्यक्ति की जन्मतिथि के आधार पर उसके मूलांक से उसके स्वभाव, सुंदरता, बर्ताव और भविष्य का पता भी लगाया जा सकता है. हर मूलांक के व्यक्ति के अंदर कुछ खूबियां तो कुछ खामियां होती हैं, जो उसके मूलांक से भी तय की जाती है.

कैसे निकालें मूलांक?

अंक ज्योतिष शास्त्र में 1 से लेकर 9 तक मूलांक होते हैं. इस आर्टिकल में हम मूलांक 6 के बारे में बताने जा रहे हैं. जब किसी व्यक्ति का जन्म किसी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को होता है, तो उसका मूलांक 6 माना जाता है. इस मूलांक का संबंध शुक्र ग्रह से होता है, जो प्रेम, सौंदर्य और धन के कारक माने जाते हैं. ऐसे में इस मूलांक के जातकों को बचपन से ही सुख समृद्धि और सौंदर्य की प्राप्ति होती है.

रणवीर की लाइफ पर कैसे फिट बैठता है मूलांक 6? बॉलीवुड में अपने अलबेले अंदाज और फैशन सेंस के लिए जानें जाने वाले रणवीर सिंह का जन्म 6 जुलाई 1985 को हुआ था, जिससे उनका मूलांक 6 बनता है. अंक ज्योतिष शास्त्र में मूलांक 6 के लिए बताए गए प्रतीक रणवीर सिंह के व्यक्तित्व में साफ झलकते हैं. आइए जानते हैं कैसे यह मूलांक उनकी जिंदगी और करियर को चमकाता है.

रणवीर सिंह की अट्रैक्टिंग और चार्मिंग पर्सनैलिटी

मूलांक 6 के लोग अपने आकर्षक अंदाज के लिए जाने जाते हैं और रणवीर सिंह इसका जीता-जागता एग्जांपल हैं. एक्टर की बिंदास एनर्जी और चार्म हर कसी को उनकी तरफ आकर्षित करती है. चाहे वह ऑनस्क्रीन हो या फिर ऑफस्क्रीन वे हमेशा ही लाइफलाइट में बनें रहते हैं.

इस हसीना ने ब्रालेस होकर मचाई इंटरनेट पर तबाही

एक्ट्रेस शालिनी पांडे साउथ फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं. वह कई सुपरहिट मूवीज में नजर आ चुकी हैं. हाल ही में वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ फिल्म महाराज में दिखी थीं. नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस मूवी में शालिनी के रोल को काफी पसंद किया गया था. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज पोस्ट करती नजर आ जाती हैं. अब शालिनी ने लेटेस्ट तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह ब्रालेस होकर धांसू अंदाज में पोज दे रही हैं. यहां देखें शालिनी पांडे की लेटेस्ट तस्वीरें. तस्वीरों में देखा जा सकता है कि शालिनी ने व्हाइट कलर का क्रॉप टॉप पहना है और साथ ही यह टॉप गीला है. इस ट्रांसपेरेंट आउटफिट में शालिनी अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. इस व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ शालिनी ने स्कर्ट पहनी हुई है और इस आउटफिट में वह ना सिर्फ अपनी पतली कमरिया बल्कि टोन्ड लेग्स भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. फोटो में उनके गीलों बालों ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं. इस आउटफिट के साथ शालिनी पांडे ने न्यूड मेकअप कर रखा है, जो उनके लुक्स को भी और भी ज्यादा निखार रहा है.

द रोमांटिक्स से फिल्म सैयारा बनाने का आया आइडिया

निर्देशक मोहित सूरी, जिन्हें आशिकी 2, अवारापन और 'एक विलेन' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता है, ने हाल ही में अपनी नई फिल्म सैयारा को लेकर खुलासा किया। सूरी ने बातचीत करते हुए बताया कि आखिर क्यों एक बार फिर उन्होंने रोमांटिक शैली को चुनने का फैसला किया। बात करते हुए निर्देशक मोहित सूरी ने कहा कि जब उन्होंने देखा कि बॉलीवुड में लगभग हर कोई एक्शन फिल्में बना रहा है और पर्दे पर इमोशन्स की कहानी की भारी कमी है, तो उन्होंने फिर से रोमांटिक फिल्म बनाने का फैसला किया। मोहित सूरी ने कहा, मैं थोड़ा भटक गया था। लगातार दो थ्रिलर फिल्में बनाने के बाद मैंने देखा कि लगभग हर कोई एक जैसी फिल्में बना रहा था। हर जगह इमारतें उड़ाई जा रही हैं, हेलिकॉप्टर उड़ रहे हैं, हर कोई एक जैसा काम कर रहा था। मैंने एक फिल्म का बहुत अच्छा ट्रेलर देखा था, लेकिन मैं उस फिल्म को देखने नहीं गया। फिर मैंने सोचा, अगर मैं खुद उस फिल्म को देखने नहीं जा रहा, तो दूसरों से कैसे उम्मीद करूं कि वह फिल्म देखने जाएं? उन्होंने आगे कहा कि नेटफ्लिक्स की सीरीज द रोमांटिक्स देखकर मुझे फिर से रोमांटिक फिल्मों की तरफ लौटने की प्रेरणा मिली और इस तरह सैयारा की शुरुआत हुई। उन्होंने आगे कहा, उस समय मैं कुछ लिख रहा था। हैरानी की बात यह है कि मुझे खुद नहीं पता था कि मैं क्या बना रहा हूं। तभी मैंने डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोमांटिक्स देखी, जो

बहुत शानदार थी। उन्हें देखकर मुझे समझ आया कि हिंदी फिल्मों में रोमांटिक हीरो कैसे आए और उनका क्या महत्व है। मोहित सूरी ने कहा, फिर मैंने अपने राइटर से बात की, जो मेरे साथ असिस्टेंट एसोसिएट डायरेक्टर के तौर पर भी काम कर रहा था। मैंने उससे कहा कि चलो एक रोमांटिक फिल्म लिखते हैं। उस वक्त हमारे पास कोई प्रोड्यूसर नहीं था, सिर्फ एक आइडिया था। सैयारा फिल्म यश राज फिल्म्स के प्रोडक्शन में बनी है और यह 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कोरोना के बाद डिप्रेशन से जूझ रहीं थीं यूट्यूबर ऐश्वर्या

कॉमेडियन और यूट्यूबर ऐश्वर्या मोहनराज ने बताया कि उन्हें कोविड हो गया था। इस कारण से वह कई दिनों से सोशल मीडिया से गायब थी। इसके साथ ही उन्होंने कई बातों का खुलासा किया है। ये सारी जानकारी यूट्यूबर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दी है। जानिए कि कॉमेडियन ने क्या कहा।

ऐश्वर्या मोहनराज को हुआ था कोविड

ऐश्वर्या मोहनराज ने आज मंगलवार के दिन अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इस स्टोरी में उन्होंने अपने मानसिक स्थिति का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा, वो क्यों गायब हो गई थीं? मैंने इसकी योजना नहीं बनाई थी, लेकिन ऐसा ही हुआ। मुझे कोविड हो गया था और मैं पूरी तरह से परेशान हो गई। मैंने खुद को क्वारंटीन कर लिया और अपने पति से दूर रहने लगी (जो मेरी मानसिक स्थिति के लिए बहुत बुरी बात है)। मैं पूरी तरह से डिप्रेशन के दौर से गुजरी (अभी भी मैं डिप्रेशन में हूं और अगर मेरे पिता यह पढ़ रहे हैं- हां मैं डॉक्टर से अपॉइंटमेंट ले लूंगी)।'

ऐश्वर्या बोलीं- यही जीवन है

आगे स्टोरी में ऐश्वर्या मोहनराज ने कहा, 'वैसे भी, बताने के लिए कुछ भी नया नहीं है। मेरे कुछ कमबैक वीडियो देखें और आपको सब समझ में आ जाएगा। लेकिन कहानी का मोटिव यह है कि यह ऐसे ही होने वाला है दोस्तों, थोड़ा हॉरर स्टोरी की तरह। यही जीवन है, यही दस्तूर है।'

'मालिक' फिल्म में राजकुमार राव की प्रेमिका बनेंगी

मानुषी छिल्लर

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मालिक' को लेकर खूब चर्चा में हैं. फिल्म का पहला पोस्टर और गाना 'नामुमकिन' हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसे देखकर फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं. फिल्म के पोस्टर में राजकुमार के साथ मानुषी छिल्लर नजर आ रही है. बॉलीवुड के सुपरस्टार राजकुमार राव की नई फिल्म 'मालिक' इन दिनों सुर्खियों में है. कुछ दिनों पहले ही फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसके बाद फैंस काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए है. कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों के अलावा राजकुमार को गैंगस्टर के रूप में देखना सभी के लिए नया और शानदार है. इसी बीच फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी कर दिया गया है. इस फिल्म में पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर राजकुमार राव की प्रेमिका का किरदार निभा रही हैं. पोस्टर में दोनों एक-दूसरे के साथ नजर आ रहे हैं और उनकी केमिस्ट्री बहुत प्यारी लग रही है.

दिल्ली में 3.45 लाख परिवारों को मिला आयुष्मान कार्ड, 1.67 लाख बुजुर्गों को मिली मुफ्त इलाज की सुविधा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

पिछली सरकार ने दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दी थी। लेकिन वर्तमान सरकार ने सत्ता में आते ही सबसे पहले दिल्ली के लोगों को आयुष्मान योजना का लाभ दिया। दिल्ली के लोगों के बीच यह योजना कितनी सफल हो रही है, इसका पता इसी बात से चलता है कि सरकार के सत्ता में आने के सौ दिनों के अंदर ही राजधानी के 3.45 लाख गरीब परिवारों ने आयुष्मान कार्ड बनवा लिया है। इन परिवारों को देश के किसी भी अस्पताल में दस लाख रूपये तक मुफ्त इलाज कराने की सुविधा रहेगी। इसके साथ-साथ राजधानी के 1.67 लाख वरिष्ठ नागरिकों को वय वंदना कार्ड भी जारी किए जा चुके हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को कहा कि 'प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' आम लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय साबित हुई है। लोगों को इससे महंगे इलाज को मुफ्त कराने का लाभ मिल रहा है। लोग इसके अंतर्गत दिल्ली के 60 प्राइवेट और 25 सरकारी अस्पतालों समेत 85 अस्पतालों में मुफ्त और कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेहद कम समय में 3.45 लाख से ज़्यादा स्वास्थ्य कार्ड जारी होना दिल्ली सरकार के कुशल रणनीति और स्वास्थ्य सेवा के प्रति लोगों के भरोसे का प्रमाण है।

जल्द शुरू होंगे आरोग्य मंदिर

स्थानीय स्तर पर लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा हेतु दिल्ली में 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का निर्माण किया जाएगा। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में समुचित संख्या में आरोग्य मंदिर बनाए जाने की योजना है। 34 के करीब आरोग्य मंदिरों की शुरुआत 14 जून से होने जा रही है। इससे लोग अपने घरों के आसपास ही छोटी-मोटी स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज हासिल कर सकेंगे।

गठबंधन में लड़ेंगे स्थानीय चुनाव: देवेंद्र फडणवीस

संजय राउत ने कहा, हमने शुरू कर दी है तैयारी

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला महायुति गठबंधन आगामी नगर निकाय चुनाव मिलकर लड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जहां सीटों को लेकर समझौता नहीं हो पाएगा, वहां मैत्रीपूर्ण मुकाबला होगा। राज्य में कई नगर निगमों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव पिछले तीन साल से लंबित हैं, जिनमें बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) का चुनाव भी शामिल है। फडणवीस ने अकोला में सिंचाई और बिजली परियोजनाओं का शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े फैसले लेने के लिए राज्य भाजपा अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष और चुनाव समिति को अधिकृत किया गया है। उन्होंने कहा, हमने यह तय किया है कि हम गठबंधन में चुनाव लड़ेंगे। जहां समझौता नहीं होगा, वहां मैत्रीपूर्ण मुकाबला होगा। महायुति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना भी शामिल हैं। जब उनसे प्रहार जनशक्ति पार्टी के नेता बच्चू कडू के भूख हड़ताल पर सवाल पूछा गया, तो फडणवीस ने कहा कि जिले के संरक्षक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले उनसे बातचीत करेंगे। कडू किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर पिछले चार दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राकांपा (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले से उनके पिता शरद पवार की तबियत के बारे में पूछताछ की। इस पर फडणवीस ने कहा, राजनीति में मानवता और संवेदनशीलता होती है। हम वैचारिक विरोधी हैं, दुश्मन नहीं। उन्होंने कहा कि यही तो एक मजबूत लोकतंत्र की निशानी होती है। सुले उन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल थीं, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान समर्थिक आतंकवाद को बेनकाब करने के लिए विदेश दौरे पर गई थीं। फडणवीस ने कहा कि भले ही राजनीति में बदलाव होते रहते हैं, लेकिन राज्य सरकार स्थिर है और महायुति के तीनों घटक दल एक साथ बने रहेंगे। बाद में शहर में भाजपा की एक रैली को संबोधित करते हुए फडणवीस ने लोगों से अपील की कि वे स्थानीय निकाय चुनाव में भी महायुति को वैसा ही समर्थन दें, जैसा उन्होंने पिछले साल विधानसभा चुनावों में दिया था। फडणवीस ने कहा कि वेनगंगा नदी जोड़ों परियोजना से 10 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के दायरे में लाया जाएगा और यह बुलढाणा जिले को भी कवर करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने मेटा कंपनी के साथ एक समझौता किया है, जिससे लोग व्हाट्सएप के जरिए आवेदन कर सकेंगे और प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकेंगे। फडणवीस ने 2,588 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की नींव रखी और कुछ का लोकार्पण किया। मुंबई में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने कहा कि पार्टी ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में निकाय चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के भीतर इस बात पर चर्चा हो रही है कि चुनाव गठबंधन में लड़ें या अकेले। राउत ने कहा कि शिवसेना प्रमुख (यूबीटी) ने स्थानीय नेताओं को कहा है कि वे यह समीक्षा करें कि कहां गठबंधन में चुनाव लड़ा जा सकता है और कहां नहीं। जहां संभव नहीं है, वहां हम स्वतंत्र रूप से लड़ सकते हैं या नहीं, इसका निर्णय पार्टी प्रमुख लेंगे। मुंबई चुनाव को लेकर भी अंतिम निर्णय वही लेंगे।

जैविक खेती की राह: मिट्टी से रिश्ता निभाने का समय

मैं एक सामान्य किसान हूँ, पीलीभीत की उसी उपजाऊ धरती से जुड़ा हुआ, जहाँ गन्ना हमारे खेतों की पहचान है और पेट भरने का साधन। वर्षों से हम किसान अपने खेतों को हरा-भरा रखने के लिए हर संभव कोशिश करते आए हैं। कीटों से बचाव के लिए रासायनिक दवाओं का सहारा लिया, वैज्ञानिक सलाह ली, और नई-नई विधियों को अपनाया, लेकिन नतीजा यह हुआ कि लागत आसमान छूने लगी, मुनाफा कम होता गया, और हमारी मिट्टी धीरे-धीरे निढाल हो गई। बीते दिन हमारे गाँव में जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव का आगमन हुआ। आमतौर पर अधिकारी आते हैं, भाषण देते हैं और चले जाते हैं, लेकिन भार्गव जी ने कुछ अलग किया। उन्होंने हम किसानों से हमारी भाषा में बात की। उन्होंने हमें समझाया कि खेती में कीटों से लड़ने के लिए केवल जहरीले रसायनों का सहारा लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। उन्होंने हमें ट्राईकोकार्ड, फेरोमोन ट्रैप, नीम तेल जैसे जैविक उपायों के बारे में बताया — ये सब हमारे लिए नए नाम थे, लेकिन उनकी वैज्ञानिकता और पर्यावरणीय फायदे जानकर हमें पहली बार लगा कि खेती में सचमुच बदलाव संभव है। खुशीराम भार्गव जिला गन्ना अधिकारी की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने किसानों को श्रोता नहीं, सहभागी माना। उन्होंने हमारी समस्याओं को गंभीरता से सुना और हमारे अनुभवों को महत्व दिया। उनका यह संदेश कि जैविक खेती केवल पर्यावरण रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक मजबूती का आधार भी बन सकती है। हमारे मन में गूंजता रहा। उन्होंने हमें समझाया कि जैविक तरीकों से केवल फसल को ही नहीं बचाया जाता, बल्कि मिट्टी की सेहत भी सुधरती है, पानी में जहर नहीं घुलता, और खेतों में फिर से मधुमक्खियों की गूंज सुनाई देती है जो इस धरती की असली धड़कन हैं। ये बातें किसी किताब से नहीं, बल्कि एक ज़मीन से जुड़े अधिकारी की ज़ुबान से निकलकर आईं, जो आज के समय में दुर्लभ है। आज मैं अपने तमाम साथी किसानों से कहना चाहता हूँ कि अब वक्त आ गया है कि हम रासायनिक खेती की लत से बाहर निकलें। खेती को केवल मुनाफे का सौदा न समझें, यह हमारी आने वाली पीढ़ियों की जिम्मेदारी है। जो मिट्टी आज हमसे थक चुकी है, वह हमारी थोड़ी समझदारी से फिर से हरी हो सकती है। अगर हमारी मिट्टी ज़िंदा रहेगी, तभी हमारा भविष्य भी ज़िंदा रहेगा। जैविक खेती की यह राह कठिन जरूर है, लेकिन यही वह राह है, जो हमारी मिट्टी से रिश्ता निभाने की सच्ची मिसाल है।

मुकेश कुमार

इंदिरापुरम के रेहड़ी पटरी वालों का प्रदर्शन, पार्षद पर लगाए उगाही के आरोप

- अवैध अतिक्रमण के खिलाफ़ अभियान निगम की कार्यवाही: पार्षद धीरज अग्रवाल

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

ट्रांस हिंडन परिक्षेत्र के इंदिरापुरम स्थित वार्ड 81 के रेहडी पटरी वाले सड़कों पर उत्तर आए और जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद धीरज अग्रवाल के द्वारा दमनकारी नीति अपनायी जा रही है। जबकि पार्षद इसे निगम की अतिक्रमण टीम की कार्यवाही बताकर पल्ला झाड़ लिया है। प्रदर्शनकारियों ये भी आरोप ने यह भी आरोप लगाया गया कि पार्षद के द्वारा जबरिया नगद उगाही की जाती है,जो कि अपराधिकृक कृत्य है।इंदिरापुरम स्थित स्वर्ण जयंति पार्क के आस-पास पिछले डेढ़ दशक से व्यवसाय किया जा रहा है। पार्षद के द्वारा दमनकारी व्यवहार अपनाया जा रहा है। भाजपा पार्षद के प्रभाव में निगम प्रशासन के द्वारा उनके कारोबार को उजाड़ने का काम किया जा रहा है। जिसका विरोध किए जाने की स्थिति में पार्षद और उनके लोगों के द्वारा गाली गलौच की जाती है। अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। जबरन धन की उनाही की जा रही है। रेहडी पटरी संचालक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम किशोर गुप्ता का कहना है कि अधिकांश रेहडी पटरी वालों के आजीविका पर संकट डाला जा रहा है। जिसके लिए हम मजबूर होकर प्रशासन के सामने मजबूर होकर प्रदर्शन को बाध्य हैं।

विकास कार्यों में बाधक बन रहे अतिक्रमण: पार्षद

भाजपा पार्षद ने रेहड़ी पटरी वालों के धरना प्रदर्शन को गलत और आरोप को मनगढ़ंत बताया है। पार्षद की माने तो क्षेत्र में दर्जनों दर्जनों आईएएस, आईपीएस समेत प्रशासनिक अधिकारियों सहित प्रबुद्ध जनता सपरिवार निवास करती है। जिनके आवागमन में यह अवैध अतिक्रमण बाधा साबित होते हैं। प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बाद भी क्षेत्र की आंतरिक सड़को पर जाम इनके अवैध अतिक्रमण से होता है। जिसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है। पार्षद धीरज अग्रवाल ने कहा कि आगामी दिनों में क्षेत्र के मानसरोवर भवन से मानसरोवर यात्रा और भव्य निजी चिकित्सालय शुरू होने वाला है। जिसका उद्घाटन संभवतः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया जाना संभावित है। उसके लिए प्रशासनिक व्यवस्थाओं के तहत ऐसी अवैध कार्यों के खिलाफ निगम दस्ता कार्यवाही कर रहा है। आगे भी ऐसे अवैध कार्यों के खिलाफ और जनता को राहत देने के लिए निगम स्तर से कार्यवाही जारी रहेगी। किसी भी दबंग अथवा अवैध कार्य करने वालों को प्रश्रय नहीं दिया जाएगा।

अतिक्रमण के खिलाफ प्रदर्शन के पीछे अवैध वसूली का खेल

इंदिरापुरम समेत पूरे जनपद में सार्वजनिक भूमि पर अवैध रेहड़ी पटरी का बाज़ार संगठित व्यापार बनता जा रहा है। जिसको स्थानीय दबंग और राजनीतिक नेताओं अथवा उनके गुर्गों को संरक्षण मिलता है। वर्तमान परिवेश में इन अवैध रेहड़ी पटरी के कारण आम जनता का जीना मुहाल हो गया है। खुले आम सड़को पर मांस मदिरा की दुकानें संचालित हो रही है। वैधानिक कानूनी नियमों को दर किनार करके खाद्य पदार्थों से लेकर अन्य दुकानें संचालित की जा रही है। बाजार संचालन करने वाले संगठित रूप से ऐसे कृत्यों को अंजाम देते हैं। ऐसे ठीकदार जो पूरे अवैध बाजार को चलाने की जिम्मेदारी लेते हैं वह एकमुश्त राशि महीना के रूप में विभिन्न व्यवस्था के जिम्मेदार विभागों को देने की बात कहते हैं। जिससे ऐसे अवैध कार्यों में व्यवधान होने पर सहयोग मिल सके। इंदिरापुरम के स्वर्ण जयंती पार्क के पास संचालित अवैध बाज़ार नागरिकों के जी का जंजाल साबित हो रहा है। खाने पीने की दुकानों पर शराबियों को गाड़ियों में मिलती सुविधा से माहौल और भी खराब हुआ है। जबकि पटरियों पर अवैध अतिक्रमण से आवागमन में भारी मुसीबतों का सामना जनता को करना पड़ता है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स का 60 मीटर चौडी आउटर रिंग रोड के निर्माण का प्लान तैयार करने के दिए गए दिशा-निर्देश

जन एक्सप्रेस। गाजियाबाद

गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था सुगम बनाने हेतु गाजियाबाद विकास प्राधिकरण अब आउटर रिंग रोड बनाने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसके निर्देश जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स द्वारा संबंधित विभाग को दिया है। आउटर रिंग रोड का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद राजनगर एक्सटेंशन समेत एक बड़ी आबादी को सुगम यातायात का लाभ प्राप्त होगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने अर्जन विभाग को प्रस्तावित रिंग रोड 45 मीटर के स्थान पर 60 मीटर का प्लान तैयार करते हुए प्रस्तुत करने के दिशा निर्देश दिए है। समीक्षा बैठक के दौरान सामने आया कि साल 2018 के दौरान 6 किलो मीटर के हिस्से के सर्कुलर प्लान में 45 मीटर चौडी आउटर रिंग रोड के निर्माण का खाका तैयार किया गया था। जबकि जोनल प्लान में 60 मीटर चौड़ी आउटर रिंग रोड प्रस्तावित की गई है। किसानों से मतभेद एवं कुछ किसानों के अदालत की शरण लेने के परिणाम स्वरूप आउटर रिंग रोड के निर्माण का कार्य गति नहीं पकड़ पाया था। बैठक के दौरान ये भी सामने आया कि नूर नगर में करीब 553 मीटर एवं भोवापुर अटौर में करीब 1010 मीटर एवं शाहपुर मोरटा के करीब 548 मीटर के हिस्से में विवाद के चलते आउटर रिंग रोड के निर्माण का कार्य प्रभावित है। बैठक के दौरान प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि आउटर रिंग रोड के लिए जमीन प्राधिकरण अर्जन विभाग के माध्यम से अर्जित करेगा। इसी के मददेनजर कार्रवाई को तेज किया जाए। ये भी स्पष्ट किया कि जिन किसानों के द्वारा अभी भी मतभेद उत्पन्न किया जा रहा है,उनसे सुलह के प्रयास किए जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा ए0वी0बी0 रेप्रोग्राफिक्स, ए-59, इंडस्ट्रियल एस्टेट, ताल कटोरा, लखनऊ से मुद्रित तथा अय्यूब कॉम्प्लेक्स, 82/68, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, लखनऊ पिन-226004, उ0प्र0 से प्रकाशित। संपादकः अरुण कुमार त्रिपाठी, (प्रबन्ध निदेशक- इन्द्र बहादुर सिंह, प्रबन्ध संपादक- मनोज तिवारी, राज्य ब्यूरो प्रमुख- सन्तोष कुमार दीक्षित) आर.एन.आई. पंजीयन संख्या : UPHIN/2009/30003, फोन नं.: 0522-4330955 मोबाइल नं. 8933805555, (नोटः सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ स्थित न्यायालय होगा।)